रांची
हिन्दी दैनिक
वनांचल आई
www.vananchaleye@gmail.com
हर खबर पर पहली नजर
PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:106 मंगलवार,23 दिसंबर ₹5 Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला : चौकीदार बहाली के लिए बीट अनिवार्य नहीं

संवाददाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने चौकीदार पद पर नियुक्ति को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि चौकीदार की बहाली के लिए उम्मीदवार का उसी विशेष बीट (कार्यक्षेत्र) का निवासी होना अनिवार्य नहीं है, जहां नियुक्ति होनी है। यह मामला गिरिडीह जिले के निवासी पवन कुमार राय से जुड़ा है। पवन कुमार ने चौकीदार पद के लिए आवेदन दिया था, लेकिन जिला प्रशासन और राज्य सरकार ने उनकी उम्मीदवारी इस आधार पर रद्द कर दी थी कि वह उस संबंधित बीट के स्थायी निवासी नहीं हैं। पवन कुमार राय ने प्रशासन के इस निर्णय को हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट के इस फैसले से राज्य भर में चौकीदार पद के उन अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली है, जिनके आवेदन तकनीकी रूप से बीट क्षेत्र की बाध्यता के कारण खारिज कर दिए गए थे। अब जिला स्तर पर होने वाली नियुक्तियों में आस-पास के बीट के अभ्यर्थियों की दावेदारी का रास्ता साफ हो गया है।

सांसदों-विधायकों के आपराधिक मामले शीघ्र निपटारे के निर्देश

संवाददाता

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने राज्य के सांसदों और विधायकों (एमपी-एमएलए) के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों के शीघ्र निष्पादन को लेकर सख्त और गंभीर रुख अपनाया है। सोमवार को न्यायमूर्ति जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में इस संबंध में स्वतः संज्ञान से दर्ज मामले की सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को मौखिक निर्देश देते हुए कहा कि सांसदों और विधायकों से जुड़े आपराधिक मामलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निपटाया जाए।

मनरेगा से छेड़छाड़ बंद करे केंद्र : मंत्री

संवाददाता

जामताड़ा : स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा है किमनरेगा कांग्रेस की ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिसे सोनिया गांधी के नेतृत्व में गरीब और मजदूरों कोरोजगार की कानूनी गारंटी देनेके लिए लागू किया गया था। लेकिन केंद्र सरकार ने गरीबोंके अधिकार छीनने कीसाजिश कर रही है, जिसे कांग्रेस किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देगी। मंत्री सोमवार को मनरेगा योजना का नाम बदलने के विरोध में जामताड़ा जिला कांग्रेसकमेटी की ओर से आयोजित विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम मेंबोल रहे थे। उन्होंने केन्द्र सरकार को दो टूक चेतावनीदेते हुए कहा कि जसि तरहजानबूझकर केन्द्र सरकार कीओर से मनरेगा को कमजोरकरने के लिए इसका नामबदल दिया है। यदि मनरेगा योजना के स्वरूप से छेड़छाड़बंद नहीं की गई तो कांग्रेससड़क से लेकर सदन तकआंदोलन करेगी।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न, मोदी-लक्सन की टेलीफोन वार्ता के बाद हुई घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने ऐतिहासिक, महत्वाकांक्षी औरपारस्परिक रूप से लाभकारी भारतझन्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते(एफटीए) को अंतिम रूप दिए जाने की संयुक्त रूप से घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री लक्सन की मार्च 2025 की भारत यात्रा के दौरान शुरू हुई बातचीत को महज नौ महीनों में पूरा किया जाना दोनों देशों की साझा राजनीतिक इच्छाशक्ति और द्विपक्षीय संबंधों कोगहराई देने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।यह एफटीए व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने, बाजार पहुंच को मजबूतकरने तथा रणनीतिक सहयोग को नई दिशा देने में सहायक होगा। साथ ही दोनों देशों के निवेशकों, उद्यमियों, किसानों, एमएसएमई, छात्रों और युवाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसर भी खोलेगा।दोनों नेताओं ने

विश्वास जताया कि इससमझौते से अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीयव्यापार दोगुना होगा और आने वाले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड से भारत में 20 अरब अमेरिकी डॉलर तक का निवेश आएगा।उन्होंने खेल, शिक्षा और लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में हुई प्रगति का भीस्वागत किया। भारत-न्यूजीलैंड साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। नेताओं ने एक-दूसरे के संपर्क में रहने पर सहमतिजताई।प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-न्यूजीलैंड मुक्तव्यापार समझौते को दोनों देशों के संबंधोंमें एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुएकहा कि यह साझेदारी को नई ऊंचाइयोंतक ले जाएगा। मोदी ने एक्स पर कहा, भारत-न्यूजीलैंड साझेदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंचने वाली है। एफटीए अगले पाचं सालों में दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने का रास्ता तैयार करता है।भारत न्यूजीलैंड से अलग-अलग सेक्टर में 20 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा के निवेश का स्वागत करता है।हमारे प्रतिभाशाली युवा, मजबूतस्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और सुधारआधारित अर्थव्यवस्था नवाचार औरदीर्घकालिक साझेदारी के लिए एकमजबूत नींव देते हैं।

मुख्यमंत्री ने शिबू सोरेन इंजीनियरिंग-मेडिकल कोचिंग का किया उद्घाटन

झारखंड की शिक्षा योजनाएं हर छात्र के सपनों को दे रही हैं नई उड़ान : हेमंत सोरेन

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने छात्रों से कहा कि पूरी सरकार हमारी आने वाली पीढ़ी के साथ खड़ी है। आप मेहनत कीजिए, आपकी सफलता ही हमारे लिए सबसे बड़ा उपहार होगा।पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ अपनी संस्कृति के आदान-प्रदान करने का भी कार्य करें। उन्होंने छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। सीएम सोमवार को रांची के हिंदपीढ़ी में दिशोम गुरु शिबू सोरेन इंजीनियरिंग (जेइइ) एवं मेडिकल (नीट) कोचिंग संस्थान के शुभारंभ कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कल्याण विभाग की देखरेख में संचालित इस कोचिंग संस्थान के पहले चरण में 300 विद्यार्थियों का चयन किया गया है।चयनित छात्र राज्य के विभिन्न बोर्डों से आए हैं। इंजीनियरिंग और मेडिकल की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की जिम्मेदारी कोटा के प्रतिष्ठित मोशन संस्थान को सौंपी गई है।सीएम ने कहा कि आज एक नया अध्याय हम लोगों ने आने वाली पीढ़ी के लिए तैयार किया है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम से यह संस्थान अपनी ऊंचाइयों को छुए, इसके लिए ऐतिहासिक प्रयास की शुरूआत हुई है।इस संस्थान के

आने वाली पीढ़ी के लिए तैयार किया गया है एक नया अध्याय

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सीएम ने परिसर में लगाया सखुआ का पौधा

बेहतर कॉलेजों में विद्यार्थियों का होगा दाखिला

सीएम ने कहा कि आज एक नया अध्याय हमलोगों ने आने वाली पीढ़ी के लिए तैयार कियाहै। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम से यहसंस्थान अपनी ऊंचाइयों को छुएगा। इससंस्थान के लक्ष्य को पूरा करने के लिए आईमोशन इंस्टीट्यूट के सभी सदस्यों का भी मैंस्वागत करता हूं। अब यहां से बच्चे मेडिकलऔर इंजीनियरिंग की कोचिंग लेकर बेहतरकॉलेजों में दाखिला ले सकेंगे। सीएम ने कहा कि यह परिसर कभी नेताओं के भाषण के लिए जाना जाता था। लेकिन, आज इस मैदान में इतना बड़ा कैंपस और इस कैंपस में भविष्यकी सोच रखने वाली योजना अपना अस्तित्व ले रही है। मुझे पूरी उम्मीद है कि आप सभी बच्चे अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। यहां बच्चों केलिए खेलकूद की व्यवस्था भी की जाएगी।

लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जो मोशन संस्था आई है उसके सभी सदस्यों का भी मैं स्वागत करता हूं। अब यहां से बच्चे मेडिकल और इंजीनियरिंग की निःशुल्क कोचिंग लेकर बेहतर कॉलेजों में दाखिला ले सकेंगे, इसके लिए आप सभी बच्चों को तराशा जाएगा।यह परिसर कभी नेताओं के भाषण का बहुत बड़ा उपयोगी स्थान रहा है लेकिन आज इस मैदान में इतना बड़ा कैंपस और इस कैंपस में भविष्य की सोच रखने वाली योजना अपना अस्तित्व ले रही है।

झारखंड उच्च न्यायालय ने की आइएएस अधिकारी पूजा सिंघल की याचिका खारिज

संवाददाता

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने आइएएस अधिकारी पूजा सिंघल की याचिका खारिज कर दी है। अब मनी लाउंड्रिंग के आरोप मेंबिना अभियोजन स्वीकृति भीउनके खिलाफ ट्रायल चलेगा।न्यायाधीश अंबुज नाथ की अदालत ने पूजा सिंघल की याचिका पर सुनवाई पूरी करने के बाद इससे संबंधित आदेश सोमवारको दिया है। जानकारी के मुताबिक पूजा सिंघलने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दायर आरोप पत्र(प्रोसीक्यूरशन कंप्लेलन) केआधार पर पीएलएमए कोर्ट की ओर से लिये गये संज्ञान को चुनौतीदी थी। पूजा सिंघल की ओर से दायर याचिका में कहा गया था कि उनके खिलाफ दायर आरोप पत्र परट्रायल कोर्ट ने बिना अभियोजनस्वीकृति के ही संज्ञान लिया है।नियमानुसार इस मामले में सरकार से सीआरपीसी की धारा 197 के तहत अभियोजन स्वीकृति लेने केबाद ही

न्यायाधीश अंबुज नाथ की अदालत ने पूजा सिंघल की याचिका पर सुनवाई पूरी करने के बाद इससे संबंधित आदेश सोमवारको दिया है।

ट्रायर कोर्ट संज्ञान लेने के बाद आगे की कार्रवाई कर सकता है। ईडी कोर्ट की ओर से मामले में बिना अभियोजन स्वीकृति केसंज्ञान लेना कानून सही नहीं है। इसलिए न्यायालय इस मामले मेंहस्तक्षेप करे और पीएलएमएकोर्ट की ओर से 19 जुलाई2022 को लिये गये संज्ञान केआदेश को रद्द करे।

झारखंड में कड़ाके की ठंड, कई जिलों में सामान्य से 7 डिग्री तक लुढ़का तापमान

संवाददाता

रांची। झारखंड के सभी जिलों में कड़ाके की ठंड का प्रकोप जारी है।ठंड का असर इतना तेज है कि कईजिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी नीचे चला गया है। मौसम विभाग के अनुसार डालटेनगंज में अधिकतम तापमान सामान्य से 7.4 डिग्री कम रिकॉर्ड किया गया है। वहीं चाईबासा में अधिकतम तापमान 5.1 डिग्री और जमशेदपुर में 4.9 डिग्रीसेल्सियस सामान्य से कम रहा।मौसम विभाग की ओर से बताया गया कि 26 दिसंबर तक राज्य के विभिन्न जिलों में कहीं-कहीं सुबह के समय हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा छाया रहेगा, जिसके बाद मौसम साफ हो जाएगा। उत्तर-पूर्व से उत्तर-पश्चिमीदिशा की ओर से हल्की हवाएं चलेंगी, जिससे ठंड और कनकनी मेंइजाफा होने की संभावना है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान पश्चिमी सिंहभूम के जगन्नाथपुर में 24.1 डिग्री सेल्सियस और सबसे कमतापमान 5.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्डकिया गया। इस दौरान कई इलाकों मेंघना कोहरा छाया रहा, जबकि कुछ स्थानों पर शीत दिवस (कोल्ड डे)जैसी स्थिति भी देखने को मिली। सोमवार की सुबह रांची सहित आसपास के कई जिलों में तेज कनकनी महसूस की गई। सुबह के समय हल्का कुहासा छाया रहा, लेकिन दिन चढ़ने के साथ मौसम साफ हो गया। इसके बावजूद दिनभर ठंड का असर बना रहा। शाम ढलतेही ठंड में और वृद्धि दर्ज की गई।

पिपरवार पुलिस को नक्सलियों के खिलाफ मिली बड़ी सफलता

टीएसपीसी के चार उग्रवादी गिरफ्तार

संवाददाता

पिपरवार : पिपरवार पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर नक्सली संगठन टीएसपीसी के चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है, साथ ही उनके पास से हथियार और गोली भी बरामद किया है।जानकारी के अनुसान चतरा एसपी सुमित कुमार अग्रवाल को गुप्त सूचना मिली थी कि पिपरवार थाना क्षेत्र के बेती गांव के समीप टीएसपीसी संगठन के कुछ उग्रवादी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए एकत्रित हुए हैं। इसके बाद चतरा एसपी के निर्देशपर टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में गठित पिपरवार पुलिस की टीम ने थाना क्षेत्र के बेंती खेल मैदान के पास विशेषअभियान चलाकर टीएसपीसीसंगठन के चार सक्रिय सदस्य कोगिरफ्तार किया। गिरफ्तार

उग्रवादियों में निरंजन गंझु उर्फ जठल गंसु पिता बब्लु गंझु ग्राम पाहनटोंगरी बेंती थाना पिपरवारजिला चतरा,लाल बिहारी कुमारगंझु,पिता झखर गंझु ग्राम पाहनटोंगरी बेंती थाना पिपरवार जिला चतरा, रामलाल कुमार गंझु पिता तृतीय गंझु, ग्राम मालमोहरा बेंती थाना पिपरवार जिला चतराऔर अरविंद कुमार गंझु पिता रामसुंदर गंझु ग्राम सिरम थानाबुड़मू जिला रांची का नाम शामिलहै। गिरफ्तार उग्रवादियों के पास सेएक देसी कट्टा, एक लोहे का देसी कट्टा,7.62 एमएम का दो जिंदागोली, एक मोटरसाइकिल और तीन मोबाइल को भी बरामद कियाहै। चतरा पुलिस अधीक्षक सुमितकुमार अग्रवाल ने प्रेसवार्ता कर

समीक्षा

अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय बेहद जरूरी : शिल्पी

पांच बेहतर कृषक पाठशाला को करेंगे चिन्हित

एजेंसी

रांची : कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि कृषक पाठशाला योजना को धरातल पर उतारने के लिए विभागीय प्रक्रियाओं को सरल बनाने की जरूरत है। ताकिकृषक पाठशाला संचालित करने वालों को मदद मिल सके। इसके लिए अधिकारियों के बीच बेहतरऔर सार्थक समन्वय जरूरी है। अधिकारियों के बीच बेहतरसमन्वय से सभी तरह कीपरेशानियों को दूर किया जा सकताहै। मंत्री सोमवार को कृषिनिदेशालय रांची में समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना सह कृषकपाठशाला योजना की गहनता से समीक्षात्मक बैठक में बोल रहीं थी। कृषक पाठशाला का संचालन करने वाली एजेंसियों का बिल भुगतान समय पर करने को लेकर मंत्री ने जिला कृषि पदाधिकारियोंको दिसम्बर माह तक का समय दिया है।उन्होंने बताया कि

राज्य में चार से पांच बेहतर कृषक पाठशाला को चिन्हित कर किसानों और दूसरे एजेंसियों को एक्सपोजर विजिट कराया जाएगा। इसके साथ ही मंत्रीने अगली समीक्षा बैठक मेंएजेंसियों को अपने-अपने कृषक पाठशाला का वीडियो तैयार करप्रेजेंटेशन के लिए लाने का निर्देश दिया है। ताकि कृषक पाठशाला की हकीकत को देखा और समझा जा सके। इसके अलावे उन्होंने जिला कृषि पदाधिकारी को बिल जमा करने से पहले कृषकपाठशाला का स्थल निरीक्षण करकार्य का सत्यापन करने का निर्देशदिया। वहीं इसके पूर्व मंत्री ने कृषकपाठशाला के जमीनी हकीकत औरपरेशानियों पर लंबी चर्चा की। तिर्की ने कहा कि ये योजना नासिर्फ राज्य सरकार बल्कि राज्यके मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की महत्वकांक्षी और फ्लैगशिपयोजना है। इसका उद्देश्य कृषकोंके अंदर देख कर सीखने कीअवधारणा को विकसित करने के साथ व्यवहारिक प्रशिक्षण उपलब्धकराना है। समीक्षा बैठक में विभागीय सचिव अबू बकर सिद्दीकी, विशेष सचिवगोपालजी तिवारी, विशेष सचिव प्रदीप हजारी, कृषि निदेशक भोर सिंह यादव सहित विभागीय अधिकारी और कृषक पाठशालाके संचालक एजेंसी के प्रतिनिधिमौजूद थे।

अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय बेहद जरूरी : शिल्पी

अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय से सभी तरह की परेशानियों को दूर किया जा सकता है। मंत्री सोमवार को कृषि निदेशालय रांची में समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना सह कृषक पाठशाला योजना की गहनता से समीक्षात्मक बैठक में बोल रहीं थी। कृषक पाठशाला का संचालन करने वाली एजेंसियों का बिल भुगतान समय पर करने को लेकर मंत्री ने जिला कृषि पदाधिकारियों को दिसम्बर माह तक का समय दिया है।उन्होंने बताया कि राज्य में चार से पांच बेहतर कृषक पाठशाला को चिन्हित कर किसानों और दूसरे एजेंसियों को एक्सपोजर विजिट कराया जाएगा। इसके साथ ही मंत्री ने अगली समीक्षा बैठक में एजेंसियों को अपने-अपने कृषक पाठशाला का वीडियो तैयार कर प्रेजेंटेशन के लिए लाने का निर्देश दिया है। ताकि कृषक पाठशाला की हकीकत को देखा और समझा जा सके।

अधिक से अधिक मतदाताओं की मैपिंग करने का करें कार्य : सीईओ

संवाददाता

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि विगत गहन पुनरीक्षण के मतदाता सूची से मैपिंग के क्रम में मतदाताओं को उनके पैरेंट से ही मैप करें। एक भी योग्य मतदाता छूटे नहीं, इस बात को ध्यान में रखकर मैपिंग का कार्य करें। श्री के. रवि कुमार सोमवार को निर्वाचन सदन से सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी, ईआरओ, एईआरओ एवं उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ ऑनलाइन माध्यम से बैठक कर रहे थे।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बताए गए नियमों के आधार पर ही निर्वाचन से संबंधित कार्य करें। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान इन्यूम्यूरेशन फेज में कम से कम मतदाताओं को अपने दस्तावेज समर्पित करना पड़े इस हेतु अधिक से अधिक मतदाताओं का मैपिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा

कि गहन पुनरीक्षण के दौरान किए गए सभी कार्यों का डॉक्युमेंटेशन करें। इन दस्तावेजों को परमानेंट दस्तावेज के रूप में संधारित करना है जिससे भविष्य में इन दस्तावेजों को आधार बनाकर कार्य किया जा सके।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान होने वाले सामान्य गलतियों एवं सही मैपिंग को कैसे जांचें इस विषय पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने मतदान केंद्रों के युक्तिकरण के कार्य में आने वाले सामान्य समस्याओं के बारे में बिंदुवार समीक्षा करते हुए उन पर बिंदुवार जानकारी पीपीटी के माध्यम से साझा किया।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बताए गए नियमों के आधार पर ही निर्वाचन से संबंधित कार्य करें। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान इन्यूम्यूरेशन फेज में कम से कम मतदाताओं को अपने दस्तावेज समर्पित करना पड़े इस हेतु अधिक से अधिक मतदाताओं का मैपिंग सुनिश्चित करें।

एक भी मतदाता छूटे नहीं, इस बात को ध्यान में रखें

2026 में रांची सदर अस्पताल में शुरू हो जाएगा बोन मैरो ट्रांसप्लांट, सीएमसी वेल्लोर करेगा सहयोग

रांची, संवाददाता ।

आयुष्मान भारत योजना के लिए देश के सर्वश्रेष्ठ सदर अस्पतालों में शुमार हो चुका रांची का सदर अस्पताल एक और इतिहास बनाने की ओर बढ़ गया है. देश का यह पहला ऐसा सदर अस्पताल बनने की ओर अग्रसर है जहां 'बोन मैरो ट्रांसप्लांट' की सुविधा उपलब्ध होगी. कैबिनेट द्वारा सदर अस्पताल में बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा शुरू करने का प्रस्ताव पारित होने के बाद इसके लिए जरूरी संसाधन निर्माण के लिए साढ़े छह करोड़ रुपया भी जारी किया जा चुका है.

यूनिट के लिए जगह का चयन हो गया है: डॉ. बिमलेश कुमार सिंह

रांची सदर अस्पताल के उपाधीक्षक और पैथोलॉजी विभाग के हेड डॉ. बिमलेश कुमार सिंह ने कहा कि सदर अस्पताल में 'बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट' अलग होगा और इसे सदर अस्पताल की नई बिल्डिंग के आठवें तल्ले पर बनाया जाएगा. यह बिल्कुल अत्याधुनिक संसाधनों से युक्त होगा. डॉ. बिमलेश कुमार सिंह ने बताया कि रांची सदर अस्पताल में शुरू होने वाले 'बोन मैरो ट्रांसप्लांट' के लिए एक डॉक्टर उपलब्ध है, सरकार जल्द ही अन्य डॉक्टरों की नियुक्ति करेगी. उन्होंने बताया कि रांची सदर अस्पताल में शुरू होने वाले बोन मैरो ट्रांसप्लांट को विशेषज्ञ एवं तकनीकी सहयोग सीएमसी वेल्लोर की ओर से दिया जायेगा. उन्होंने बताया कि इस सहयोग के लिए सीएमसी वेल्लोर से सहमति भी मिली हुई है.

कैंसर और रक्त से जुड़ी अनुवांशिक बीमारियों का रांची में ही इलाज

झारखंड में बड़ी संख्या में रक्त से जुड़ी अनुवांशिक बीमारियां जैसे थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया के मरीज हैं. अलग-अलग तरह के रक्त कैंसर से जूझ रहे रोगियों की भी काफी संख्या है. इन गंभीर बीमारियों के इलाज में बोन मैरो ट्रांसप्लांट काफी कारगर भूमिका निभाता है. लेकिन वर्तमान समय में झारखंड ही नहीं बल्कि आसपास के राज्यों के सरकारी अस्पतालों में बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा उपलब्ध नहीं है. इस वजह से झारखंड के ब्लड कैंसर और ब्लड से जुड़ी अनुवांशिक बीमारियों के इलाज के लिए जब बोन मैरो ट्रांसप्लांट की बात होती है तो इलाज के लिए मरीज को वेल्लोर, मुम्बई, दिल्ली या फिर हैदराबाद जैसे बड़े शहरों की ओर रुख करना पड़ता है और इसमें काफी अधिक पैसे भी खर्च करने पड़ते हैं. रांची सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. बिमलेश सिंह कहते हैं कि बाहर में 'बोन मैरो ट्रांसप्लांट' कराने का खर्च 16 से 20 लाख के करीब है, जो आम आदमी के कंट्रोल में नहीं होता है. उन्होंने कहा कि जब यह सुविधा रांची सदर अस्पताल में शुरू हो जाएगी तो इसका खर्च भी काफी कम हो जाएगा और सिकल सेल एनीमिया, थैलेसीमिया, अप्लास्टिक एनीमिया एवं कई अन्य तरह के बीमारियों से जूझ रहे मरीजों और उनके परिजनों को राहत मिलेगी. रांची के सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने कहा कि रांची सदर अस्पताल में 'बोन मैरो ट्रांसप्लांट' की सुविधा जल्द शुरू की जाएगी, इसके लिए देश के कुछ बड़े डॉक्टर्स तैयार भी हैं और सीएमसी वेल्लोर के विशेषज्ञ डॉक्टर्स ने सहमति भी दे दी है. वहां के डॉक्टर रांची आकर मरीजों का बीएमटी कर देंगे और बाकी देखभाल स्थानीय स्तर पर हो जाएगा. रांची सदर अस्पताल के उपाधीक्षक ने बताया कि जनवरी से बोन मैरो ट्रांसप्लांट वार्ड, ओटी बनाने का काम शुरू हो जाएगा और 2026 में ही बोन मैरो ट्रांसप्लांट शुरू हो जाएगा.

रोमन कैथोलिक चर्च में आदम से लेकर यीशु तक की वंशावली तैयार, क्रिसमस पर जान सकेंगे नाम

बच्चों की खुशियों की थीम, इको-फ्रेंडली सजावट

रांची, संवाददाता ।

क्रिसमस पर्व को लेकर चर्चों में साज-सजावट को अंतिम रूप दिया जा रहा है. कारीगर दिन-रात जुटे है. चर्च परिसरों को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है. इसे संदेशपूर्ण रूप देने में जुटे हैं. इस वर्ष क्रिसमस की सजावट में बच्चों की खुशियों, पर्यावरण संरक्षण और धार्मिक विरासत को दिखने को मिलेगा. पुरूलिया रोड स्थित संत मारिया महागिरजाघर में सजावट को अंतिम रूप दिया जा रहा है. इस वर्ष यीशु मसीह का इस दुनिया में आए 2025 वर्ष पूरा हो रहा है. क्रिसमस पर्व को जुबली वर्ष के रूप में मनाया जाएगा. इसका थीम आशा के तीर्थयात्री गण रखा गया है. वेदी के सामने प्रतीकात्मक छोट वृक्ष तैयारा की गई है. जहां यीशु के 77 वंशजों के नाम दिखाए गए है. जिसे असम पुंज के ब्रदरो द्वारा तैयार किया गया है. यह प्रस्तुति संत लूकस के सुसमाचार पर से लिया गया है. जिसमें प्रथम पिता आदम से लेकर यीशु तक की वंशावली दिखाई गई है. इसमें अब्राहम, येस्से, दाऊद, जोसेफ, मरियम सहित कुल 72 नाम शामिल हैं.

मेन रोड स्थित जीईएल चर्च में स्टार थीम

मेन रोड स्थित जीईएल चर्च में 23 दिसंबर तक सजावट का काम पूरा कर लिया जाएगा. यहां चर्च को मुख्य रूप से सितारों (स्टार) से सजाया गया है. चर्च के मुख्य गेट के सामने आकर्षक सेल्फी पॉइंट बनाए गए हैं. जहां दर्जनों क्रिसमस ट्री लगाए गए हैं, ताकि लोग यादगार पलों को कैमरे में कैद कर सकें.

सीएनआई चर्च में बच्चों के लिए कैंडी थीम

सीएनआई चर्च में इस साल बच्चों का खास तौर पर ध्यान रखा गया है. चर्च हॉल को कैंडी थीम में सजाया गया है. बच्चों की टॉफी और मिठाइयों के प्रति उत्साह को देखते हुए थीम चुनी गई है. चर्च को इको-फ्रेंडली रूप में सजाया गया है. जहां कागज और फोम का उपयोग किया गया है.

खाटूधाम की अनुपम यात्रा

रांची, संवाददाता ।

श्री श्याम मित्र मंडल रांची के तत्वाधान में श्याम प्रेमियों का 101 सदस्य दल निवर्तमान अध्यक्ष श्री सुरेश सरावगी एवं मंडल के वरिष्ठ सदस्य श्री राजीव रंजन मित्तल के नेतृत्व में खाटूधाम की पावन यात्रा करेगा। श्री श्याम मित्र मंडल का दल दो फरवरी 2026 को रांची से इंडिगो की विमान से दिल्ली एवं दिल्ली से विशेष वातानुकूलित आरामदायक बसों में खाटूधाम की ओर प्रस्थान करेगा । खाटूधाम में 2 फरवरी को श्री श्याम मित्र मण्डल के विश्राम भवन में रात्रि विश्राम करेगा। 3 फरवरी प्रातः को सभी श्याम प्रेमी खाटू से रिंग्स जाएंगे रिंग्स निशान भवन में ध्वज निशानों की पूजन ज्योत आरती कर झूमते गाते नाचते सभी ध्वजा निशान हाथों में लहराते हुए रिंग्स से 17 किलोमीटर के पद यात्रा करते हुए बाबा श्याम को अपनी ध्वज अर्पण करेंगे। मंडल के निर्वतमान अध्यक्ष श्री सुरेश सरावगी ने बताया कि विगत कई वर्षों से श्री श्याम मित्र मंडल का यह दल खाटू एवं अन्य देवी देवताओं के दर्शन पूजन के लिए रांची से जाता रहा है । 4 फरवरी को श्याम मित्र मंडल के विश्राम भवन में श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ का आयोजन किया गया है । जयपुर के प्रसिद्ध पाठ वाचक मनोज सेन श्री श्याम अखंड ज्योति पर करेंगे । अखंड ज्योति पाठ के बाद प्रसाद ग्रहण कर श्याम भक्त रात्रि विश्राम खाटू स्थित श्री श्याम मित्र मंडल के विश्राम भवन में करेंगे । 5 फरवरी को दल के सभी सदस्य विशेष वातानुकूलित आरामदायक बसों से सालासर बालाजी का दर्शन पूजन करेंगे। बालाजी का दर्शन कर दोपहर के भोजन की व्यवस्था बालाजी मंदिर के प्रांगण में ही करेंगे ।झुंझुनू स्थित श्री रानी सती दादी के दर्शन के लिए निकलेंगे। संध्या में दादी का दर्शन पूजन कर पुनः सभी दल के सदस्य खाटू स्थित श्री मित्र मंडल के विश्राम भवन लौटकर आराम करेंगे। 6 फरवरी प्रातः 6:00 बजे सभी दिल्ली की और प्रस्थान करेंगे दिल्ली से इंडिगो की फ्लाइट से रांची आ जाएंगे।

शिव हनुमान मंदिर का प्रथम स्थापना दिवस 19 जनवरी को, धार्मिक आयोजनों की भव्य श्रृंखला शुरू

रांची, संवाददाता ।

शिव हनुमान मंदिर का प्रथम स्थापना दिवस आगामी 19 जनवरी को पूरे श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में कई धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसकी तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं। मंदिर का यह पहला वार्षिकोत्सव क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था और उत्सव का अवसर बन गया है।

18 जनवरी को भव्य कलश यात्रा

स्थापना दिवस से एक दिन पूर्व 18 जनवरी को 1000 से अधिक महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में भव्य कलश यात्रा निकालेंगी। यह कलश यात्रा पूरे नगर भ्रमण के बाद मंदिर परिसर पहुंचेगी। ढोल-नगाड़ों, भजन-कीर्तन और जयकारों के साथ निकाली जाने वाली यह यात्रा वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना देगी।

मकर संक्रांति पर खिचड़ी का भोग

उत्सव श्रृंखला की शुरूआत मकर संक्रांति के पावन पर्व से होगी। इस दिन भगवान शिव और हनुमान जी को खिचड़ी का विशेष भोग अर्पित किया जाएगा। पूजा-अर्चना के उपरांत यह प्रसाद श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों के शामिल होने की संभावना है।

श्रद्धा और उल्लास का संगम बनेगा वार्षिकोत्सव

मंदिर समिति के अनुसार, स्थापना दिवस के दिन विशेष पूजा, हवन, आरती और भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। दूर-दराज से भी श्रद्धालु इस अवसर पर मंदिर पहुंचेंगे। पूरा मंदिर परिसर फूलों, रोशनी और धार्मिक सजावट से सुसज्जित रहेगा। कुल मिलाकर, शिव हनुमान मंदिर का पहला वार्षिकोत्सव धार्मिक आस्था, सामाजिक सहभागिता और सांस्कृतिक उल्लास का भव्य संगम बनने जा रहा है, जिसे लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

जज कॉलोनी के पास बेकाबू कार डिवाइडर पर चढ़ी, बड़ा हादसा टला

रांची। रांची में सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते बचा. काँके रोड स्थित जज कॉलोनी पास एक अनियंत्रित कार डिवाइडर पर चढ़ गई. यह घटना राजभवन के पीछे वाले गेट के पास, एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) कार्यालय से ठीक पहले घटी. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार संभवतः तेज रफ्तार में थी और चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया, इस वजह से तेज रफ्तार में आ रही कार अचानक अनियंत्रित हो गई और मुख्य सड़क के बीच बने डिवाइडर से जा टकराई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और वह डिवाइडर पर चढ़कर फंस गया. गनीमत रही कि इस दौरान कोई पैदल यात्री या अन्य वाहन इसकी चपेट में नहीं आया. फिलहाल घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से कार में सवार लोगों को बाहर निकाला गया.

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में युवा महोत्सव स्पंदन-2025 का भव्य शुभारंभ

रांची, संवाददाता ।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची में आज युवा महोत्सव स्पंदन-2025 का भव्य उद्घाटन समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर युवाओं की ऊर्जा, रचनात्मकता, कला एवं संस्कृति के रंगों से सराबोर नजर आया। उद्घाटन समारोह की शुरूआत प्रातः 10:30 बजे हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के पदाधिकारी, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएँ एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह महोत्सव युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने तथा उनकी सृजनात्मक क्षमताओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। स्पंदन-2025 के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक, कलात्मक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी प्रतिभागियों, आयोजकों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कृषि निदेशालय में कृषक पाठशाला योजना की समीक्षा, बेहतर समन्वय पर जोर

रांची, संवाददाता ।

कृषि निदेशालय में सोमवार को राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना सह कृषक पाठशाला योजना की विस्तृत समीक्षा की. बैठक में योजना की जमीनी स्थिति, संचालन में आ रही परेशानियों और समाधान के बिंदुओं पर गहन चर्चा हुई. मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि कृषक पाठशाला योजना राज्य सरकार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की महत्वाकांक्षी फ्लैगशिप योजना है. इस योजना का उद्देश्य किसानों में देखकर सीखने की अवधारणा को विकसित करना और उन्हें व्यवहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है. उन्होंने कहा कि योजना की सफलता के लिए अधिकारियों के बीच बेहतर और सार्थक समन्वय अत्यंत आवश्यक है. मंत्री ने कहा कि विभागीय प्रक्रियाओं को सरल बनाकर कृषक पाठशाला के संचालन से जुड़ी अड़चनों को दूर किया जा सकता है. उन्होंने जिला कृषि पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि कृषक पाठशाला संचालित करने वाली एजेंसियों का दिसंबर माह तक का बकाया भुगतान सुनिश्चित किया जाए. बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि राज्य की चार से पांच बेहतर कृषक पाठशालाओं को चिन्हित कर किसानों और अन्य एजेंसियों को एक्सपोजर विजिट कराया जाएगा. इसके साथ ही अगली समीक्षा बैठक में सभी एजेंसियों को अपनी-अपनी कृषक पाठशालाओं का वीडियो तैयार कर प्रस्तुति देने का निर्देश दिया गया, ताकि कार्य की वास्तविक स्थिति को देखा और समझा जा सके. मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि जिला कृषि पदाधिकारी बिल भुगतान से पहले कृषक पाठशाला स्थलों का निरीक्षण कर कार्य का सत्यापन करेंगे. समीक्षा बैठक में विभागीय सचिव अबू बकर सिद्दीकी, विशेष सचिव गोपाल जी तिवारी, विशेष सचिव प्रदीप हजारी, कृषि निदेशक भोर सिंह यादव सहित विभागीय अधिकारी और कृषक पाठशाला संचालक एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे.

भाषाओं का कोई सीमित दायरा नहीं : नारायण देसाई

रांची, संवाददाता ।

रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय (टीआरएल) में सोमवार को भारतीय जनजातीय भाषाओं की दशा व दिशा विषय पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ. मुख्य वक्ता डॉ नारायण देसाई थे. इस दौरान गोवा से आए शिक्षक, अनुवादक एवं स्तंभकार डॉ नारायण देसाई ने कहा कि भाषाओं का कोई सीमित दायरा नहीं है. भाषा सीखना और सिखाना एक सतत प्रक्रिया है. लेकिन आज के समय में भाषाओं को बचाए रखना सबसे बड़ी चुनौती बन गयी है. डॉ देसाई ने कहा कि भाषा संस्कृति की संवाहक होती है. संस्कृति के बिना भाषा का अस्तित्व संभव नहीं और भाषा के बिना मनुष्य की पहचान अधूरी रह जाती है. उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे जीवन में अपने विकल्प स्वयं तलाशें, आंख मूंदकर किसी के पीछे न चलें, नए शैक्षणिक रास्ते खोजें और प्रश्न करने की आदत विकसित करें.

रोजगार की अंधी दौड़ में मातृभाषाओं को हाशिये पर धकेल दिया

उन्होंने चिंता जताई कि रोजगार की अंधी दौड़ में मातृभाषाओं को हाशिये पर धकेल दिया गया है, जबकि हर स्तर पर भाषा ही जीवन का मूल आधार है. मुख्य वक्ता ने सहजीवी भाषाओं के आपसी संबंधों को समझने और उनके साथ सार्थक संवाद स्थापित करने पर भी जोर दिया. उन्होंने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और सामाजिक चेतना की वाहक है. इस अवसर पर डॉ राम मनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष अभिषेक रंजन सिंह ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में अपनी मातृभाषा नहीं छोड़नी चाहिए. साथ ही अन्य भारतीय भाषाओं से प्रेम और जुड़ाव भी जरूरी है. उन्होंने कहा कि ज्ञान-विज्ञान के विस्तार के लिए अन्य भाषाओं की जानकारी आवश्यक है।

सेव एनवायरनमेंट-सेव द रिवर वाद-विवाद प्रतियोगिता का सफल आयोजन

सैकड़ों प्रतिभागियों ने लिया भाग, युवाओं ने पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

रांची, संवाददाता ।

पर्यावरण एवं नदियों के संरक्षण को लेकर जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से "SAVE ENVIRONMENT – SAVE THE RIVER" विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन 22 दिसंबर 2025 को स्वामी विवेकानंद सभागार, मारवाड़ी कॉलेज, रांची में किया गया। कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन मारवाड़ी कॉलेज, रांची एवं अबुआ अधिकार मंच (एनजीओ) द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मनोज कुमार रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में आशुतोष गोस्वामी, गौतम सिंह, वेदांत कौस्तव, कुमारी अंजना एवं अमित कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण और नदियों का संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और युवा पीढ़ी इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों एवं संस्थानों से आए सैकड़ों छात्रझछात्राओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने पर्यावरण प्रदूषण, नदियों की दुर्दशा, जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त समाज और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर तार्किक एवं प्रभावशाली विचार रखे। प्रतियोगिता का निर्णायक मंडल में सीमा चौधरी, डॉ. लता श्री एवं डॉ. रोनाल्ड पंकज खलखो शामिल रहे। निर्णायकों द्वारा निष्पक्ष मूल्यांकन के उपरांत परिणाम घोषित किए गए, जिसमें अनुपम ने प्रथम स्थान, प्रणब ने द्वितीय स्थान एवं शालिन सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को क्रमशः 5100, 3100 एवं 2100 रुपए की नकद पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। अन्य प्रतिभागियों ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के संचालन एवं समन्वय में मारवाड़ी महाविद्यालय के उमेश कुमार, संजीव चतुर्वेदी, तरुण चक्रवर्ती, जितेंटर, राजू, कपिल एवं प्याली की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अबुआ अधिकार मंच की ओर से कार्यक्रम को सफल बनाने में विशाल कुमार यादव, विक्रम कुमार यादव, प्रभात, गुंचा, रुफी, मानस्वी, ईशा गुप्ता, विशाल साहू, रोशन सिंह, अमित अमन, संजू, गौतम राणा, आदित्य विक्रम आदि थे। अनुज, दिवाकर एवं अर्जुन महतो का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन पर अबुवा अधिकार मंच ने सभी अतिथियों, निर्णायकों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी एवं जागरूकता आधारित कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया। यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण और नदियों को बचाने की दिशा में एक सार्थक पहल साबित हुआ।

मनरेगा का नाम बदलना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान, नेशनल हेराल्ड मामला शीर्ष नेताओं के खिलाफ साजिश : कमलेश्वर पटेल

रांची, संवाददाता ।

मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने रांची में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन किया. इस दौरान मनरेगा में बदलाव और नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर केंद्र सरकार और बीजेपी पर तीखा हमला बोला. कमलेश्वर पटेल ने भाजपा नेताओं को गोडसेवादी करार देते हुए कहा कि ये लोग राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से नफरत करने वाले हैं. अक्छउ सदस्य और पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने कहा कि एक तरफ केंद्र की भाजपा सरकार ने मनरेगा का नाम बदल दिया. दूसरी तरफ नेशनल हेराल्ड मामले में जांच एजेंसी का दुरुपयोग करके वर्षों तक बीमार रहने वाले सोनिया गांधी और राहुल गांधी को परेशान और बदनाम करने की साजिश की. कमलेश्वर पटेल ने इस दोनों घटनाओं को भाजपा द्वारा लोकतंत्र का चीरहरण की कोशिश करने की बात कही. उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड केस में अदालत के फैसले ने साफ कर दिया कि जनता के बीच गलत नैरेटिव सेट करने के लिए साजिश रची गई थी.

मनरेगा को लगातार कमजोर करने की कोशिश

एमपी के पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने कहा कि मोदी सरकार ने लगातार पिछले 11 वर्षों से साजिश रचकर मनरेगा को कमजोर किया. पिछले 5 वर्षों में मनरेगा 50-55 दिन का रोजगार देने तक सिमट कर रह गया. उन्होंने कहा कि मनरेगा सिर्फ महात्मा गांधी का नाम बदलने तक का मामला नहीं है, बल्कि उस अधिकार को खत्म किया गया, जिसे कांग्रेस ने कानून के रूप में सुनिश्चित किया था. मनरेगा के लिए तैयार मसौदे को जिस स्थायी समिति के पास भेजा गया, उसके अध्यक्ष वरिष्ठ भाजपा नेता कल्याण सिंह थे. लेकिन वर्तमान मोदी सरकार ने मनरेगा की जगह नई योजना 'वीबी जी राम जी' लाने से पहले राज्यों से चर्चा तक नहीं की. पूर्व मंत्री ने कहा कि मनरेगा से प्रति वर्ष 5 करोड़ परिवारों को रोजगार मिला, यह उनके आत्मसम्मान का अधिकार था. यह कानून संविधान के अनुच्छेद 21 से मिलने वाले अधिकारों पर आधारित गारंटी थी. उन्होंने कहा कि मनरेगा में कुल खर्च का 90 प्रतिशत केंद्र सरकार देती थी. नए कानून में केंद्र और राज्य का अनुपात 60:40 कर दिया गया है. कमलेश्वर पटेल ने कहा कि मोदी सरकार राज्यों पर 50 हजार करोड़ से अधिक का बोझ डालने वाली है, जो राज्यों की आर्थिक नींव को हिला देगा.

सोनिया-राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा की साजिश

पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने कहा कि नेशनल हेराल्ड का मामला कोई आर्थिक घोटाला नहीं था, बल्कि राजनीतिक साजिश थी. उन्होंने कहा कि अदालत का फैसला कानून, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के पक्ष में हैं. इसमें ना किसी सरकारी धन का दुरुपयोग था, न किसी व्यक्तिगत संपत्ति की हेरा फेरी और ना किसी का आर्थिक लाभ था. लेकिन जबरन इसे घोटाले का रंग देने की कोशिश की गई.

दुमका में पुलिस निगरानी में बड़ी सेंध लाखों का जब्त कफ सिरप चोरी

अपराधियों ने सुनियोजित तरीके से शटर के ताले खोल कर कमरे में रखा पूरा माल कर दिया गायब

संवाददाता । रांची

दुमका जिले में पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। मुफस्सिल थाना क्षेत्र में पुलिस द्वारा जब्त किए गए लाखों रुपये मूल्य के प्रतिबंधित कफ सिरप (कोरेक्स) की चोरी हो गई है। हैरानी की बात है कि यह पूरी घटना पुलिस की निगरानी में उस कमरे से हुई, जिस पर पुलिस ने खुद ताला लगाकर उसे सुरक्षित बताया था। यहां बता दें कि, मुफस्सिल थाना की पुलिस ने 16 दिसंबर को कुसुमडीह इलाके से एक कमरे में रखा प्रतिबंधित कफ सिरप जब्त किया था। जब्ती के बाद पुलिस ने उसी कमरे में सिरप को सुरक्षित रखते हुए शटर पर अपना ताला लगा दिया था। माना जा रहा था कि पुलिस निगरानी में होने के कारण वहां रखे गए कफ सिरप पूरी तरह सुरक्षित हैं। शनिवार को देर रात अज्ञात माफिया ने सुनियोजित तरीके से शटर में लगे पुलिस के ताले को खोल दिया और कमरे में रखे सभी प्रतिबंधित कफ सिरप को गायब कर दिया। चोरी को छिपाने के लिए माफिया ने शटर में दूसरा नया ताला भी जड़ दिया, ताकि किसी को शक न हो। यह पूरी वारदात बेहद शातिराना तरीके से अंजाम दी गई। रविवार सुबह जब स्थानीय लोगों को इस संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिली, तो उन्होंने इसकी सूचना प्रशासन को दी। इसके बाद मुफस्सिल थाना की पुलिस, अंचल अधिकारी और ड्रग विभाग के अधिकारी मौके परपहुंचे। सभी अधिकारियों की मौजूदगी में शटर में लगे ताले को तोड़ा गया। जैसे ही शटर का ताला तोड़कर कमरे के अंदर प्रवेश किया गया, वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। कमरे के अंदर एक भी कफ सिरप मौजूद नहीं था। पुलिस द्वारा जब्त की गई पूरी खेप गायब थी।प्रतिबंधित कफ सिरप की चोरी पुलिस की निगरानी में होना न सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि इस पूरे खेल में किसी अंदरूनी व्यक्ति की भूमिका हो सकती है। कोरेक्स जैसे नशीले कफ सिरप की अवैध बिक्री पहले से ही इलाके में चिंता का विषय रही है। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाया जा रहा है कि शटर का ताला कैसे खोला गया, माफिया को जब्त सामग्री की सही जानकारी कैसे मिली और घटना के समय निगरानी की क्या व्यवस्था थी। सूत्रों के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल और स्थानीय नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।इस घटना को नशे के खिलाफ चल रहे अभियान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

TRL फैकल्टी में सेमिनार

भाषाओं का कोई सीमित दायरा नहीं होताः डॉ. नारायण देसाई

संवाददाता । रांची

रांचीः रांची यूनिवर्सिटी में ट्राइबल एंड रीजनल लैंग्वेजेज (ळफ्छ) फैकल्टी ने ह्भारतीय ट्राइबल भाषाओं की दशा और दिशाह्व विषय पर एक विचारोत्तेजक सेमिनार का आयोजन किया। गोवा के मुख्य वक्ता, टीचर, ट्रांसलेटर और कॉलमिस्ट डॉ. नारायण देसाई ने भाषाओं के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि भाषाओं का कोई सीमित दायरा नहीं होता। भाषा सीखना और सिखाना एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, लेकिन आज के समय में इनका संरक्षण एक बड़ी चुनौती बन गया है।डॉ. देसाई ने कहा कि भाषा संस्कृति का वाहक है। भाषा संस्कृति के बिना जीवित नहीं रह सकती और भाषा के बिना इंसान की पहचान अधूरी है। उन्होंने छात्रों से जीवन में अपने विकल्प तलाशने, दूसरों की आँख बंद करके नकल न करने, शिक्षा के नए रास्ते तलाशने और सवाल करने की आदत डालने का आग्रह किया। रोजगार की पागल दौड़ में, मातृभाषाएँ अक्सर हाशिए पर रह जाती हैं, जबकि भाषा सभी स्तरों पर जीवन का मूल आधार है।

उन्होंने सांकेतिक भाषाओं के बीच आपसी संबंध को समझने और उनके साथ सार्थक बातचीत स्थापित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भाषा सिर्फ संवाद का जरिया नहीं है, बल्कि इसमें ज्ञान, संस्कृति और सामाजिक चेतना भी होती है। इस मौके पर डॉ. राम मनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष अभिषेक रंजन सिंह ने कहा कि हमें किसी भी हालत में अपनी मातृभाषा नहीं छोड़नी चाहिए। उन्होंने अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति प्रेम के महत्व पर भी बल दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ज्ञान-विज्ञान के विस्तार के लिए दूसरी भाषाओं का ज्ञान जरूरी है, लेकिन अपनी भाषा से जुड़ना हमारी इच्छाशक्ति पर निर्भर करता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. किशोर सोरन ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के मुंडारी विभाग के डॉ. बीरेंद्र कुमार सोय ने किया। संगोष्ठी में टीआरएल के पूर्व संकाय सदस्य डॉ. हरि उरांव, डॉ. बीरेंद्र कुमार सोय, डॉ. बीरेंद्र कुमार महतो, डॉ. रेजो नायक, डॉ. बंदे खलखू, डॉ. करम सिंह मुंडा, शकुंतला बेसरा समेत बड़ी संख्या में संकाय सदस्य, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र छात्रों को उच्च शिक्षा में मुख्यमंत्री भागीदारी सुनिश्चित करेंः इमरान

संवाददाता । रांची

युवा एकता मंच के अध्यक्ष श्री इमरान हसन के अध्यक्षता में आज दिशोम गुरू शिबू सोरेन इंजीनियरिंग खएए एवं मेडिकल ठएएळ कोचिंग संस्थान समारोह के अवसर पर झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन से मुलाकात किया इस अवसर पर श्री इमरान हसन ने मांग की है कि उक्त संस्थान में अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र छात्रों को भी नामांकन लिया जाए आगे श्री इमरान हसन ने कहा कि संस्थान अल्पसंख्यक बहुल इलाका में है और अल्पसंख्यक को उचित सम्मान मिलना चाहिए तथा अल्पसंख्यक छात्रों के लिए कम से कम 30% सीट सुरक्षित होना चाहिए इमरान हसन के साथ युवा एकता मंच के प्रतिनिधि मंडल में सरपरस्त अतिकुर रहमान, मो0 मेराज अख्तर, मो0 साजिद, मो0 अशफाक बब्लू, राशिद अहमद, सरताब आलम, मोजम्मिल अंसारी, आदि मुख्य रूप से उपस्थित हुए।

106.4 एफएम का ग्रैंड क्रिसमस कार्निवल, मूविंग कैंटर वैन रवाना, 25 दिसंबर को बिगेस्ट केक कटिंग

संवाददाता । रांची

रांची : 106.4 एफएम इस क्रिसमस पर राजधानी रांची के लोगों के लिए खुशियों और जश्न से भरा क्रिसमस कार्निवल सेलिब्रेशन लेकर आया है। इसी क्रम में प्रतीक ऑटोमोबाइल पटेल चौक, रांची से एक विशेष मूविंग कैंटर वैन को झंडा दिखाकर रवाना किया गया। यह कैंटर वैन राजधानी रांची के विभिन्न इलाकों, सोसायटी और पार्कों में घूमेगा, जहाँ सैंटा क्लॉज बच्चों के बीच चॉकलेट और गिफ्ट्स बांटकर क्रिसमस की खुशियाँ साझा करेंगे। इस पूरे कार्यक्रम को आर.जे. राजेश्वरी और आर.जे. सावन होस्ट कर रहे हैं। इस अवसर पर 106.4 एफ.एम. के लोकेशन हेड (झारखंडझबिहार) अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि, कैंटर वैन के माध्यम से हम क्रिसमस की खुशियाँ सीधे शहरवासियों तक पहुँचाना चाहते हैं। इसका मुख्य आकर्षण 25 दिसंबर को दोपहर 2 बजे मॉल ऑफ रांची में आयोजित होने वाला बिगेस्ट सेरेमोनियल केक कटिंग कार्यक्रम होगा। इसके साथ-साथ कई मजेदार गेम्स, सरप्राइज एक्टिविटीज और शानदार क्रिसमस कैरोल परफॉर्मेंस भी होंगी। कैंटर वैन के फ्लैग-ऑन कार्यक्रम में, अनूप हेतमसरिया (निर्देशक, प्रतीक ऑटोमोबाइल), अनूप शुक्ला (जीएम, प्रतीक ऑटोमोबाइल) सहित 106.4 एफएम की पूरी टीम और अन्य लोग उपस्थित रहे। इस भव्य क्रिसमस कार्निवल को सफल बनाने में सहयोगी पार्टनर्स के रूप में प्रतीक ऑटोमोबाइल (प्रेसेंटिंग स्पांसर), बैंक ऑफ बड़ौदा (पावर्ड बाय), कैच मसाला (स्पाइस पार्टनर), मेधा दूध (डेयरी पार्टनर), मॉल ऑफ रांची (वेन्यू पार्टनर), द केक शॉप बेकरी (बेकरी पार्टनर), बालाजी मीडिया (प्रिंट पार्टनर), नेचुरल सैलून (मेकअप पार्टनर), यूथेलेनियम मीडिया सॉल्यूशन (इवेंट पार्टनर) तथा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, क्युरेस्टा हेल्थ, मरियम गार्डन, उज्जीवन स्माल फाइनेंस बैंक, फ्लोरेंस ग्रुप ऑफ नर्सिंग कॉलेज, विकास हॉस्पिटल, मेडिफर्स्ट हॉस्पिटल, केतकी सुजुकी, सर्वदा ज्वेलर्स, ए.एच इंफर्टिलिटी रिसर्च सेंटर (क्श्ऋ), गजानन ज्वेलर्स मुख्य सहयोगी के रूप में जुड़े हैं।106.4 एफएम एक बार फिर रांचीवासियों के लिए मनोरंजन, संगीत और सामाजिक जुड़ाव का अनोखा मंच बनकर क्रिसमस को यादगार बनाने जा रहा है। आइये और हिस्सा बनिए।

अबुआ सरकार में दिकू प्रशासन पर लगाम जरूरी हैः पुष्कर महतो

3 जनवरी को रांची में मुख्यमंत्री आभार यात्रा में भाग लेने का आह्वान

संवाददाता । रांची

लातेहरः झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा लातेहार जिला के तत्वावधान में आज झारखंड आंदोलनकारियों को न्याय के साथ सम्मान राजकीय मान सम्मान अलग पहचान पुत्र पुत्री को रोजी - रोजगार ,नियोजन की सौ प्रतिशत गारंटी तथा जेल जाने की बाध्यता समाप्त करते हुए सभी को सम्मान पर पेंशन राशि 50-50 हजार रु सरकार से देने की मांग को लेकर मांग को लेकर माको जिला परिसर डाक बंगला से जुलूस निकला गया. जुलूस मुख्य पथ होते हुए समाहरणालय परिसर में सभा का रूप लिया. सभा के पश्चात अपनी मांगों के समर्थन में राज्यपाल, मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सोपा गया.इस अवसर पर मुख्य अतिथि झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक पुष्कर महतो ने आह्वान किया कि 3 जनवरी 2026 को मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती के अवसर पर लातेहार जिला से बड़ी संख्या में आंदोलनकारी गण भाग लेकर मुख्यमंत्री आभार यात्रा को सफल बनाएं. उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी अपने बाल-बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव सजग रहें. उन्होंने कहा कि अबुआ सरकार में दिकू प्रशासन पर लगाम जरूरी है.

दिकू प्रशासन ही झारखंड आंदोलनकारियों व झारखंडी जनमानस को अपमनित कर रहे हैं.हमारे बाल बच्चों के अधिकारों का हकमारी कर रहे हैं. सरकार के आदेशों का उल्लंघन कर रहे हैं.विशिष्ट अतिथि दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल की अध्यक्ष श्रीमती रोजलीन तिर्की ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी पूरी तन्मयता के साथ संघर्ष करें. अभी राज्य सरकार ने आंदोलनकारी के आश्रितों के लिए 5 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण, प्रमण पत्र दिया है जिसे लेकर 3 जनवरी 2026 को मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर मुख्यमंत्री आभार यात्रा किया जाएगा. इस आभार यात्रा में राज्य के लगभग 40 हजार आंदोलनकारी गण भाग लेंगे. लातेहार जिला से भी सैकड़ो की संख्या में रांची पहुंचे ,अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें.

लहू बोलेगा रक्तदान संगठन को रांची सदर अस्पताल ने छठी बार सम्मानित किया..

संवाददाती

आज रांची जिला अस्पताल/सदर अस्पताल ब्लड बैंक रांची के द्वारा रांची जिलें के दर्जनों रक्तदान आयोजकों/रक्तदान संगठनों को हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सम्मान समारोह-2025 में सदर अस्पताल ऑडिटोरियम, रांची में सम्मानित किया गया।वहीं ₹लहू बोलेगा₹ रक्तदान संगठन रांची को भी इस वर्ष भी छठी बार संस्थापक रक्तवीर नदीम खान को रांची सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार, उपाधीक्षक डॉ बिमलेश सिंह,ब्लड बैंक प्रभारी डॉ रंजू सिन्हा,ईएनटी प्रभारी डॉ प्रीतिश प्रमेय,डॉ अखिलेश झा,पैथोलॉजी प्रभारी वेणु वंदना ने स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।₹लहू बोलेगा₹ बेहद अभारी है सिविल सर्जन रांची डॉ प्रभात कुमार सर और डॉ उपाधीक्षक डॉ बिमलेश सिंह सर समेत सदर अस्पताल रांची एवं सदर ब्लड बैंक की पूरी टीम का।लहू बोलेगा के नदीम खान,सनम करीम खान, अकरम राशिद,बुलंद अख़्तर सम्मान समारोह में शामिल थे।

ब्रीफ न्यूज

एक्टर देवेश खान के आंख का सफल ऑपरेशन हुआ

संवाददाता ।

रांची। बॉलीवुड एक्टर देवेश खान का आंख का आपरेशन लालपुर स्थित शार्प साइट आई हॉस्पिटल में सफल रहा । हॉस्पिटल के पूरी टीम ने देवेश खान को बधाई दी है। देवेश खान ने बताया डॉ लखन राठी ने सफल आपरेशन किया । वहां का मैनेजमेंट काफी अच्छा है । पूरी टीम का बर्ताव काफी अच्छा रहा ।इस मौके पर आशीष प्रकाश , सोनी कुमारी, संजीदा खातून, अमन कुमार, किशोर कुमार पांडे, अनुराग बक्शी, अंजलि कुमारी, खुशबू कुमारी आदि मौजूद रहे ।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने बिहार के मुख्यमंत्री के हिजाब पहनी एक मुस्लिम महिला के साथ व्यवहार की कड़ी निंदा की और मुख्यमंत्री से माफी की मांग की।

संवाददाता ।

नई दिल्ली, 22 दिसंबर, 2025 जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा हिजाब पहनी एक मुस्लिम महिला का नकाब हटाने और उसके बाद सांप्रदायिक तत्वों द्वारा दिए गए समर्थन और यहां तक ??कि भड़काऊ और नफरत भरे बयानों पर गहरी चिंता और गहरा अफसोस जताया है। मौलाना मदनी ने कहा कि हिजाब सिर्फ कपड़ों का मामला नहीं है बल्कि यह सीधे तौर पर व्यक्तिगत और धार्मिक स्वतंत्रता जैसे मौलिक संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा है, जिसकी पूरी गारंटी भारत के संविधान द्वारा दी गई है। ऐसे संवेदनशील मामले में संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा ऐसा व्यवहार न केवल उक्त महिला का अपमान है बल्कि इससे पूरे देश की भावनाओं को भी गहरा ठेस पहुंची है। मौलाना मदनी ने कहा कि इस घटना का सबसे काला पहलू यह है कि सभी वर्गों की महिलाएं, खासकर मुस्लिम महिलाएं, अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। ऐसी घटनाओं से न सिर्फ. यह बढ़ेगा बल्कि यह भी डर है कि छोटे ओहदे के अफसर और कर्मचारी भी हिजाब पहनने वाली महिलाओं के साथ और भी ज्यादा गलत, बेइज्जती करने वाला और गुस्सैल बर्ताव करने की हिम्मत कर सकते हैं। मौलाना मदनी ने साफ किया कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद लगातार इस बात पर जोर देता रहा है कि धार्मिक पहचान और निजी आजादी से जुड़े मामलों को राजनीतिक फायदे या बेकार और गैर-ज़िम्मेदाराना बर्ताव के लिए कुर्बान नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि देश की गंगा-यमुनी तहजीब और आपसी सम्मान की मांग है कि सभी नागरिकों के धार्मिक और संवैधानिक अधिकारों का पूरा सम्मान पक्का किया जाए। मौलाना मदनी ने मांग की कि नीतीश कुमार इस घटना के दूरगामी सामाजिक असर पर गंभीरता से विचार करके तुरंत माफी मांगें और यह पक्का करें कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

मो साहेब को पुलिस की तलाश

संवाददाता ।

राँची। जिले के लोअर बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत एक ओला कैब ड्राइवर को लूटने के इरादे से दो युवकों द्वारा लगभग 2 घंटे तक पूरे शहर में घुमाने और उनसे 34 हजार रुपये जबरन वसूली का मामला सामने आया है। रविवार को 10.45 बजे लोअर बाजार थाना क्षेत्र के करबला टैंक रोड से फरहान अंसारी और मो साहब नामक दो युवकों ने एक ओला कैब बुक की, कैब में सवार होने के बाद, दोनों युवकों ने ड्राइवर को लगभग दो घंटे तक पूरे राँची शहर में घुमाया और उन्हें लूटने की कोशिश की।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरा पिस्तौल के साथ भागने में सफल रहा जिसकी तलाश में छापेमारी जारी है। तलाशी के दौरान फरहान अंसारी के पास से एक मोबाइल फोन और 8 एमएम की एक जिंदा गोली बरामद हुई है।

नवाचार और विघटनकारी प्रौद्योगिकियों ने बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान मेसरा में जटिल प्रणालियों के अनुकरण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन दिवस को किया चिह्नित

’संवाददाता

रांची, 22 दिसंबर 2025ःबिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), मेसरा में आयोजित जटिल प्रणालियों के अनुकरण की कला और विज्ञानः चुनौतियाँ एवं अवसर विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (एएसएसआईसीएसह्न25) के तीसरे एवं अंतिम दिन वैश्विक विशेषज्ञता, अंतःविषय अनुसंधान तथा तकनीकी नवाचारों का प्रभावशाली प्रदर्शन देखने को मिला।दिन का शुभारंभ कोरिया गणराज्य स्थित डेगू कैथोलिक विश्वविद्यालय के डॉ. योन सू ली के व्याख्यान से हुआ। उन्होंने कृत्रिम कूल्हा प्रत्यारोपण के पश्चात अनुवर्ती अध्ययनों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोगों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इसके पश्चात भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर के डॉ. प्रभात के. जायसवाल ने चरण-क्रमण प्रणालियों में प्रतिरूप निर्माण एवं गतिकी पर व्याख्यान दिया। वहीं संस्थान की डॉ. कोएल मुखर्जी ने संगणकीय अनुकरण के माध्यम से प्रोटीन की कार्यक्षमता और स्थिरता का विश्लेषण प्रस्तुत किया।

इसके अतिरिक्त डॉ. रविंद्र कुमार एवं डॉ. पवन के. तिवारी ने पदार्थों के प्लाज्मा प्रसंस्करण में वेग एवं ऊर्जा वितरण फलनों पर अपने शोध निष्कर्ष साझा किए। प्रोफेसर अभय एम ने जल शोधन के क्षेत्र में ग्राफीन तथा उसके व्युत्पन्नों की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला। प्रातःकालीन सत्र का समापन प्रोफेसर सत्यकी दास के व्याख्यान से हुआ, जिसमें उन्होंने एल नीनो तथा सामान्य वर्षों के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप में वायुमंडलीय ऊर्जागतिकी में होने वाले मौसमी परिवर्तनों का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत किया। इसके पश्चात चाय अवकाश एवं पोस्टर सत्र आयोजित किया गया।

दोपहर के सत्र में साइप्रस संस्थान के डॉ. विजय कानवाडे ने एरोसोल विज्ञान में गहन अधिगम (डीप लर्निंग) एल्गोरिद्म के अनुप्रयोगों पर व्याख्यान दिया। इसके बाद प्रोफेसर ब्यूटी भाद्र ने अगली पीढ़ी के अनुप्रयोगों के लिए क्वांटम डॉट आधारित फोटोनिक उपकरणों में हुई प्रगति पर प्रस्तुति दी। शैक्षणिक कार्यक्रम का समापन प्रोफेसर मृनमोय कायाल के सत्र के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने बांग्ला भाषा में आत्मघाती तथा गैर-अवसादग्रस्त अभिव्यक्तियों की पहचान हेतु प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण आधारित मशीन अधिगम ढांचे पर विस्तार से चर्चा की।

सम्मेलन का औपचारिक समापन वैलेडिक्टरी सत्र के साथ हुआ, जिसमें तीन दिनों तक चले अत्याधुनिक अनुसंधान, वैश्विक सहयोग तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान का उत्सव मनाया गया। इस अवसर ने एक बार फिर शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में संस्थान की अग्रणी एवं नवोन्मेषी भूमिका को सुदृढ़ किया।

‘बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता का संरक्षण’ विषय पर सेमिनार का आयोजन

जमशेदपुर, संवाददाता

जिला जनसंपर्क कार्यालय द्वारा प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर के सहयोग से साकची स्थित होटल कैनेलाइट में सोमवार बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता का संरक्षण विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता पूर्व संपादक एवं लेखक अनुज सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि भ्रामक खबर का व्यक्ति, समाज और देश पर व्यापक असर पड़ता है। यदि सोशल मीडिया पर आधारित रिपोर्टिंग होगी तो इसका असर नकारात्मक होगा और जो सभी के लिए दुष्प्रभावी होगा। उन्होंने कहा कि रिपोर्टर एवं अखबार की विश्वसनीयता होती है और हर पेशेवर से गलती हो सकती है। लेकिन जान-बूझकर गलती पर गलती नहीं होनी चाहिए। ऐसे में धैर्य और संयम के साथ साथ चौकस होकर दबाव मुक्त रहकर तथ्य की जांच कर लें तो गलती की गुंजाइश नहीं रहेगी। काम इस तरह से करना है कि आने वाली पीढ़ी आप पर गर्व करें और परिवार को शर्मिंदगी न उठानी पड़े। वहीं विशिष्ट अतिथि अपर उपायुक्त भगीरथ प्रसाद ने कहा कि किसी भी व्यक्ति कि यह सोच गलत है कि वही सच्चा है। पत्रकार का सैद्धांतिक और राष्ट्रीय दायित्व होता है और इसका पालन किया जाना चाहिए। साथ ही संपादक गणेश मेहता ने कहा कि पत्रकार और मीडिया पर पाठक निर्भर है और ऐसे में विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए खुद को समय-समय पर तराशने की जरूरत है। इसी तरह संपादक उदित अग्रवाल ने बताया कि पत्रकार सोशल मीडिया पर निर्भर हो गए हैं। वास्तव में सोशल मीडिया भ्रामक मीडिया का आधार बन जाता है और यह जर्नलिज्म के लिए सही नहीं है। जबकि करीम सिटी कॉलेज मास कॉम की विभागाध्यक्ष डॉ नेहा तिवारी के अनुसार अखबार और मीडिया किसी भी सूचना की पुष्टि का अंतिम स्रोत होता है और ऐसे में एआई पर निर्भर नहीं रहा जा सकता है। वहीं संपादक जयप्रकाश ने कहा कि समय के साथ बहुत बदलाव हुआ है और फेक न्यूज बड़ी चुनौती है। लेकिन अनुभव धैर्य और संयम के आधार पर इसे पार पाना कोई बड़ी बात नहीं है। संपादक बृजभूषण के अनुसार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ में भी समय के साथ गिरावट आई है। परंतु आज भी लोग आशा भरी नजरों से देख रहे हैं और लोगों के विश्वसनीयता को बनाए रखना हमारा धर्म है। जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पंचानन उरांव ने स्वागत संबोधन एवं विषय प्रवेश कराते हुए डिजिटल दौर में पत्रकारिता की वर्तमान चुनौतियों पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन संपादक संजय मिश्रा ने दिया और अतिथियों का स्वागत शॉल ओढ़ाकर एवं मोमेंटो देकर प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर के अध्यक्ष संजीव भारद्वाज तथा महासचिव विकास श्रीवास्तव ने किया। मौके पर डॉ प्रियंका झा की पुस्तक तथा विकास श्रीवास्तव द्वारा बाल कवियों का संग्रह पुस्तक 'उड़ान' का विमोचन भी किया गया। इस सेमिनार में प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर दिवंगत पत्रकार मनीष सिन्हा, स्वतंत्र पत्रकार सिद्धनाथ दुबे एवं चाकुलिया के पत्रकार अजय पांडे को मरणोपरांत सम्मानित भी किया गया। जहां उनके परिजनों ने सम्मान ग्रहण किया। वरिष्ठ पत्रकारों में डॉ राजेश कुमार लाल दास, देवाशीष सरकार, अरविंद सिंह, कुलविंदर सिंह एवं संतोष कुमार कालिंदी को सम्मानित किया गया।

लोन दिलाने के नाम पर ठगी का मामला उजागर, 6 लाख नगद बरामद

लातेहार, संवाददाता

कर्ज दिलाने के नाम पर सैकड़ों ग्रामीणों से लाखों रुपये के फर्जी कंपनी चला रहे तीन ठगों को लाखों रुपए नगद के साथ बालूमाथ पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, सोमवार को बालूमाथ पुलिस ने जनता की गाढ़ी कमाई की ठगी करने वाले फाइनेंस सलूशन सेंटर नमक कंपनी के गिरोह का भंडाफोड़ किया है, इस फर्जी संस्था में तीन लोगों को 6 लाख 10 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन सहित कई कागजी दस्तावेज बरामद किया, साथ ही इस गोरखधंधे से जुड़े बैंक खातों को सीज कर दिया, बालूमाथ थाना में एक प्रेस वार्ता कर बालूमाथ डीएसपी विनोद रवानी ने बताया कि लातेहार पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली कि बालूमाथ थाना क्षेत्र के मुरपा रोड स्थित दिनेश साव के मकान में फाइनेंस सलूशन सेंटर नाम से एक कार्यालय संचालित हो रहा है, जहां सरकारी योजनाओं के अंतर्गत सब्सिडी पर लोन दिलाने के नाम पर जिले के विभिन्न प्रखंडों से 300 से अधिक लोगों से करीब 18-20 लाख रुपये की ठगी की जा चुकी है, प्रत्येक व्यक्ति से 5 से 8 हजार रुपये लिए जा रहे हैं, बालूमाथ पुलिस ने जब छापामारी की तो मौके पर मौजूद कर्मियों ने स्वीकार किया कि यह सब कंपनी के मालिक गौरव सिंह के निर्देश पर किया जा रहा था, जांच के दौरान कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया और मालिक का फोन भी बंद था, इस संबंध में बालूमाथ थाना कांड संख्या 138/25, दिनांक 21.12.2025, धारा 316(2)/318(4)/338/336(3)/340(2)/61(2) इठर के तहत मामला दर्ज किया गया है, प्रारंभिक जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि उक्त कंपनी द्वारा धनबाद, रामगढ़, रांची व लातेहार सहित कई जिलों में करोड़ों रुपये की ठगी की जा चुकी है,

गिरफ्तार आरोपी:

अब्दुल कुदुस अंसारी, पिता गुलाम नबी, ग्राम लपंगा, थाना पतरातु (भदानी नगर ओपी), जिला रामगढ़

पियुष कुमार अग्रवाल, पिता कैलाश अग्रवाल, नेहरू नगर रोड, शिव नगर मंदिर के पास, रामगढ़

अजय कुमार उरांव, पिता स्व. नागदेव उरांव, ग्राम रोन्हे, थाना बारियातु, जिला लातेहार

मौके पर पुलिस निरीक्षक परमानन्द बिरूआ, बालूमाथ पु०अ०नि० सह थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार, बालूमाथ पु०अ०नि० धीरज कुमार सिंह, देवेंद्र कुमार, अशोक कुमार (अनुसंधानकर्ता), गौतम कुमार समेत कई पुलिस मौजूद थे,

संक्षिप्त खबर

हुसैनाबाद में अवैध चलंत चिमनी ईंट भट्ठा पर कार्रवाई, ईंट मिट्टी के अवैध खनन व निर्माण मामले में नामजद आरोपी पर प्राथमिकी दर्ज

हुसैनाबाद/पलामू : हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित अस्थायी चलंत चिमनी ईंट भट्ठों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज कर ली है। गुप्त सूचना के आधार पर दिनांक 19 दिसंबर 2025 को खान विभाग एवं हुसैनाबाद थाना पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि ईंट भट्ठा संचालकों द्वारा बिना वैध अनुमति के ईंट मिट्टी का उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन कर अवैध रूप से चिमनी ईंट भट्ठों का संचालन किया जा रहा था। इन भट्ठों में ईंट पथाई, बोझाई एवं पकाई का कार्य भी नियमों की अनदेखी करते हुए किया जा रहा था। स्थानीय लोगों एवं भट्ठों में कार्यरत मजदूरों से पूछताछ में अवैध खनन में ग्राम टेंटा निवासी रंजन सिंह सहित अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आई है। छापेमारी के दौरान ईंट निर्माण में प्रयुक्त सामग्री को पंचायत पथरा के मुखिया नरेश पासवान के सुपुर्द किया गया। खान विभाग के अनुसार यह कृत्य खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 (संशोधित 2015), झारखंड लघु खनिज समनुदान नियमावली 2004 (संशोधित 2019) तथा झारखंड खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम) नियमावली 2017 का उल्लंघन है। उक्त धाराओं के तहत नामजद आरोपियों, भूमि मालिकों एवं अवैध ईंट निर्माण व व्यापार में संलिप्त के खिलाफ हुसैनाबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। और पुलिस आगे कार्रवाई मे जुट गयी है, इस कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध ईंट भट्ठा संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है।

पलामू में गांव-गांव जनसंपर्क अभियान पर निकलेंगे लक्ष्मी नारायण तिवारी, जरूरतमंदों को बांटेंगे कंबल

मेदिनीनगर : झारखंड कांग्रेस कमिटी के प्रदेश सचिव लक्ष्मी नारायण तिवारी मंगलवार से पलामू जिले में गांव की यात्रा पर निकलेंगे। इस दौरान वे ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क करेंगे तथा ठंड से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से अति गरीब एवं जनजातीय परिवारों के बीच कंबल का वितरण भी करेंगे। बताया गया कि कंबल वितरण का कार्य निजी खर्च पर किया जा रहा है। यात्रा के पहले दिन श्री तिवारी रामगढ़ प्रखंड के उलदण्डा और ढुलुआ गांवों में पहुंचकर अति गरीब जनजातीय समुदाय के लोगों के बीच कंबल वितरित करेंगे। इस अभियान का उद्देश्य जरूरतमंदों को ठंड से राहत पहुंचाने के साथ-साथ ग्रामीणों की समस्याओं से सीधे संवाद स्थापित करना है।

कोडरमा जिला चेस एसोसिएशन के द्वारा 123 कोडरमा जिला इंटर स्कूल चेस चैंपियनशिप 2025- 26 का हुआ आयोजन

कोडरमा : संत जेवियर्स हाईस्कूल केटीपीएस में कोडरमा जिला चेस एसोसिएशन के द्वारा 123 कोडरमा जिला इंटर स्कूल चेस चैंपियनशिप 2025 – 26 का आयोजन किया गया। वहीं प्रतियोगिता में 200 से अधिक छात्रों को विभिन्न स्कूलों से भाग लेने का अवसर मिला। कार्यक्रम का उद्घाटन कोडरमा पूर्व जीप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता, जिला खेल पदाधिकारी तुषार राय, एसोसिएशन के अध्यक्ष तौफीक हुसैन के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। वहीं खेल में जीत दर्ज करने वाले छात्रों कों पुरुस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। जबकि कार्यक्रम का संचालन प्रीति काना हांसदा द्वारा किया गया। इस दौरान चेस प्रतियोगिता को लेकर छात्रों में काफी उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में छात्रों का उत्साह बढ़ाते हुए। कोडरमा जिला पूर्व जीप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता ने कहा की इस प्रकार के आयोजन से छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। जिला खेल पदाधिकारी तुषार राय ने कहा की छात्रों का बेहतर प्रदर्शन प्रतियोगिता में रहा। जबकि इस दौरान एसोसिएशन के अध्यक्ष तौफीक हुसैन ने कहा की इस प्रकार के आयोजन से छात्रों कों अपने अंदर छिपी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। और हमारी संस्था के द्वारा इन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए प्लेटफार्म दिया गया है। जो छात्र बेहतर प्रदर्शन करेंगे उन्हें राज्य स्तर के खेल में भी भाग लेने के लिए यथासंभव मदद किया जाएगा। एसोसिएशन के सचिव सुनील साव ने प्रतिभागी छात्रों का उत्साह बढ़ाया। समापन डिप्टी कमांडेड कोबरा के प्रवीण कुमार द्वारा किया गया मौके पर संत जेवियर स्कूल के निदेशक दिवेश राज प्राचार्य अजय शुक्ला समाजसेवी दिनेश सिंह अशोक वर्णवाल संदीप सिंह धर्मेंद्र सिंह विजय साहू विशाल सिंह आकाश सेठ अमित कुमार अरशद खान नवनीत ओझा प्रिंस मिश्रा राकेश पांडे सहित कई अन्य मौजूद रहे।

जनहित के मुद्दों पर जनता की आवाज बनकर प्रशासन से संवाद जारी रहेगा : शालिनी गुप्ता

कोडरमा : विधानसभा कोडरमा नेत्री शालिनी गुप्ता ने सोमवार को केटीपीएस के मुख्य अभियंता संजय कुमार से भेंट कर बिजली समस्या पर विस्तार से चर्चा की केटीपीएस (कोडरमा थर्मल पावर स्टेशन) की 500 मेगावाट क्षमता वाली एक यूनिट के मरम्मत कार्य के कारण क्षेत्र में उत्पन्न विद्युत आपूर्ति की समस्या को लेकर पूर्व क्षेत्रवासियों ने पूर्व जीप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता के आवास पर पहुंच कर एवं फोन पर भी अपनी समस्याओं से अवगत कराया था। समस्या को देखते हुए शालिनी गुप्ता ने अपनी ओर से समस्या समाधान दिशा में कार्य की लगातार बिजली कटौती से आम नागरिक, विद्यार्थी, बुजुर्ग, महिलाएं, छोटे व्यवसायी और किसान सभी परेशान हैं। भीषण ठंड के मौसम में बिजली की अनियमित आपूर्ति ने जनजीवन को प्रभावित किया है। इस विषय को गंभीरता से लेते हुए। शालिनी गुप्ता ने अधिकारियों से शीघ्र समाधान, वैकल्पिक व्यवस्था और मरम्मत कार्य में तेजी लाने की मॉंग की। मुख्य अभियंता महोदय ने आश्वस्त किया कि तकनीकी सुधार एवं मरम्मत कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है, ताकि जल्द से जल्द पूर्ण क्षमता के साथ विद्युत उत्पादन बहाल हो सके और क्षेत्रवासियों को राहत मिले। वहीं उन्होंने मिडिया के सवालों पर शालिनी गुप्ता ने कहा कि जनहित के मुद्दों पर जनता की आवाज बनकर प्रशासन से संवाद जारी रहेगा। क्षेत्र की समस्या का समाधान मेरी प्राथमिकता है।

भाकपा (माले) ने कॉमरेड मनु सिंह को निरसा प्रखंड मिडिया प्रभारी नियुक्त किया

धनबाद, संवाददाता

भाकपा माले निरसा कार्यालय सह गुरुदास भवन में जिला कमेटी के सम्मानित सदस्य कॉमरेड मनु सिंह को निरसा प्रखंड मिडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। यह नियुक्ति निरसा प्रखंड सचिव कॉमरेड टूनटून मुखर्जी ने की। औपचारिक नियुक्ति पत्र सौंपते हुए पार्टी के राज्य कमेटी सदस्य एवं निरसा विधानसभा संयोजक कॉमरेड आगम राम ने कहा कि वर्तमान दौर में सत्ता और माफिया के गठजोड़ एवं शोषित जनता की आवाज को दबाने की साजिशों को बेनकाब करना सबसे बड़ी चुनौती है। कॉमरेड आगम राम ने विश्वास व्यक्त किया कि कॉमरेड मनु सिंह अपनी निर्भीकता और समर्पण से मजदूरों, किसानों, विस्थापितों एवं सभी शोषित-पीड़ित वर्गों के मुद्दों को सड़कों से लेकर मिडिया तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएंगे और जनसंघर्षों को नई ताकत देंगे। नियुक्ति के इस अवसर पर पार्टी कार्यकताओं ने जनसंघर्षों को तेज करने और शोषण के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का संकल्प दोहराया। उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने कॉमरेड मनु सिंह को हार्दिक बधाई दी एवं नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की।

रेलकर्मियों के अधिकारों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : श्रीवास्तव

धनबाद, संवाददाता

रेलकर्मियों के अधिकारों को सुनिश्चित करना और सुरक्षित रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए हम आखिरी सांस तक संघर्ष करते रहेंगे। उक्त बातें ईसीआरकेयू के महामंत्री एस एन पी श्रीवास्तव ने लखनऊ में आयोजित ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन की 101 वीं वार्षिक अधिवेशन में कही । मंच से अपने संबोधन में उन्होंने उपस्थित विशाल जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि मान्यता प्राप्त करने हेतु हुए पिछले चुनाव में जिस यूनियन को ईसीआर में वहां के रेलकर्मियों ने जीत दिलाई है आज वह एक वर्ष बीत जाने के बाद भी अपने मुख्य कामों से हटकर अभी तक विजय जश्न में डूबा हुआ है। आज ईसीआर जोन में ट्रेकमेन्टेनर, लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर सहित सभी विभागों के कर्मचारियों पर प्रशासन द्वारा काम का बोझ बढ़ा दिया गया है।

दूसरी तरफ रेलकर्मियों के वाजिब अधिकारों की रक्षा और समस्याओं का निराकरण के लिए वर्तमान यूनियन चुप्पी साधे हुए है। यह बड़ी पीड़ादायक स्थिति है । रेल कर्मचारी पछतावा कर रहा है कि हमने किस यूनियन पर भरोसा जताया है जहां उनकी पीड़ा को सुनने वाला कोई नेतृत्व कर्ता नहीं है। मौके पर से अधिवेशन में भाग ले रहे ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री सह एआईआरएफ वर्किंग कमिटी मेम्बर मो ज्याऊद्दीन ने बताया कि ईसीआरकेयू के लड़ाकू साथी बिना मान्यता प्राप्त किए ही रेलकर्मियों के सुख दुःख में उनके साथ अभी भी खड़े हैं।

ईसीआरकेयू अपने अधिकतम ताकत के साथ हर मुश्किल में ईसीआर के रेलकर्मियों के साथ रहा है और आगे भी रहेगा। धनबाद मंडल में ईसीआरकेयू के मिडिया प्रभारी एन के खवास ने बताया कि उक्त अधिवेशन में धनबाद मंडल से मो ज्याऊद्दीन के अलावा केन्द्रीय संगठन मंत्री नेताजी सुभाष, उमेश कुमार सिंह, सुनील कुमार सिंह, आर एन चौधरी, बी के साव सहित कई प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

जीरो एक्सीडेंट की दिशा में बोकारो, उपायुक्त ने दिए सख्त निर्देश

बोकारो, संवाददाता

जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर सोमवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि सड़क सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और बोकारो को जीरो एक्सीडेंट की ओर ले जाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने सड़क किनारे अवैध एवं बेतरतीब पार्किंग पर सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए पेटरवार चौकझजोधाड़ीह मोड़ और बालीडीहझजैनामोड़ को संवेदनशील क्षेत्र बताया। बिना हेलमेट व सीट बेल्ट वाहन चलाने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने, रात्रि में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने तथा रैश ड्राइविंग और अनावश्यक हार्निंग पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने सड़क निर्माण कार्य से पूर्व वैकल्पिक यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने, व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने और सड़क सुरक्षा में अच्छा कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करने पर भी बल दिया।

स्कॉलरशिप मुद्दे पर जेएलकेएम का डिजिटल वॉर, निकाय चुनाव को लेकर रणनीति स्पष्ट

बोकारो : झारखंड में छात्रों की दो वर्षों से लंबित स्कॉलरशिप को लेकर सियासत तेज हो गई है। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने सरकार के खिलाफ डिजिटल वॉर छेड़ने का एलान किया है। पार्टी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय महासचिव विजय सिंह ने कहा कि करोड़ों छात्रों का भविष्य अधर में लटका है, लेकिन राज्य और केंद्र सरकार मौन साधे हुए हैं। अब सोशल मीडिया, ऑनलाइन अभियान और डिजिटल जनदबाव के जरिए सरकार को जवाब दिया जाएगा। इस मौके पर डॉ जयदेव महतो ने कहा कि स्कॉलरशिप गरीब और पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए जीवनरेखा है। इसे रोकना सामाजिक अन्याय है। वहीं रेखा महतो ने कहा कि छात्र और अभिभावक आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, सरकार को अविलंब बकाया राशि का भुगतान करना चाहिए। पार्टी ने नगर निकाय चुनाव को लेकर भी अपनी रणनीति साफ कर दी है। राज्य के 48 नगर निकायों में जेएलकेएम पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगी। चास नगर निगम के सभी 35 वार्डों में पार्टी समर्थित उम्मीदवार उतारने की तैयारी है। साथ ही 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया गया है।

झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन एवं एनटीएफ संयुक्त कमेटी की बैठक

गरिब, शोषित ,वंचित, किसान, मजदूर, व बेरोजगारों की आवाज को मुखरता से उठाने के लिए ही यूनियन का हुआ गठन : चेतलाल

बोकारो, संवाददाता

रविवार को डुमरी रांगामाटी पंचायत भवन में प्रखंड यूनियन अध्यक्ष राजेंद्र यादव की अध्यक्षता में झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन एवं एनटीएफ संयुक्त कमेटी की बैठक हुई , जिसका संचालन केंद्रीय उपाध्यक्ष भगतु रविदास उर्फ रवि कुमार ने किया,बैठक में मुख्य अतिथि ठ.ळ.ऋ प्रदेश अध्यक्ष चेतलाल महतो, यूनियन केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो मुख्यरुप से उपस्थित थे । मौके पर केंद्रीय अध्यक्ष चेतलाल महतो ने सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि यूनियन एवं ठ.ळ.ऋ के नितियों एवं सिद्धान्तों से अवगत कराया और साथ ही कहा कि गरिबों शोषितों वंचितों किसानों मजदूरों व बेरोजगारों की आवाज को मुखरता से उठाने के लिए ही यूनियन का गठन किया गया है कहा कि क्षेत्र में सरकार की विकास योजनाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ धरातल पर उतारने के लिए सभी सदस्यों को पुरी तरह से सजक रहना होगा, क्योंकि बिचौलियों के कारण सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों को नहीं मिल पाती है। बैठक में केंद्रीय महासचिव रवींद्र कुमार, केंद्रीय महासचिव मदन मोहली दिलीप कुमार, केंद्रीय सह संयोजक रुपलाल महतो, केंद्रीय सदस्य विरेन्द्र प्रसाद यादव, प्रवीण मुखर्जी, जहाना खातून, रुपलाल तुरी, जगदीश मोहली, फुलमनी देवी, रोनक राणा,नुरेशा खातून, अमित यादव, प्रीत शर्मा, आर्यन शर्मा, तेबुन खातून, संगठन मंत्री निरंजन शर्मा,महिला मोर्चा प्रखंड महासचिव समिना खातून,देबु साव, सीता राम ठाकुर, उस्मान अंसारी, अकबर अंसारी, अनवर अंसारी, शांति देवी, टुपली देवी, खिरिया देवी, आशा देवी,पेमिया देवी, सुकरी देवी, बुधनी देवी, गंगा देवी ,विसन सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

बोकारो भाजपा जिलाध्यक्ष अध्यक्ष की जंग शुरू, पुर्व अध्यक्ष सहित मैदान में 10 योद्धा खड़े

बोकारो, संवाददाता

बोकारो में भाजपा के अध्यक्ष पद के लिए जंग शुरू हो गई है। 10 योद्धा मैदान में होने की चर्चा क्षेत्र में है । दीपांजलि पैलेस के मैदान में 18 दिसम्बर को बोकारो भाजपा के सैकड़ों कार्यकताओं के बीच नेताओं ने अपनी - अपनी राय लिफाफा में बंद कर भाजपा से रायशुमारी के लिए आए नेताओं को सौंपी। इसके साथ ही इस पद पर विराजमान होने की जंग का आगाज हो गया। भाजपा सूत्रों से जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार वर्तमान जिला अध्यक्ष जयदेव राय, पूर्व जिला अध्यक्ष भरत यादव, भाजपा नेता लक्ष्मण कुमार नायक, संजय सिन्हा, धीरज झा, वीरभद्र, संजय त्यागी, मुकेश राज रॉय ,महेन्द्र महतो और अनिल स्वर्णकार इस रेस में शामिल हैं। इन सभी ने 18 दिसंबर 2025 को बोकारो के भाजपा नेताओ के बीच अपने - अपने पक्ष में अपना मत या राय देने के लिया गुपचुप तरीके से प्रयास किया है। हर भाजपा नेता और कार्यकर्ता को इस पद पर दावेदारी करने का अधिकार है। फिलहाल तो बोकारो जिला अध्यक्ष पद के लिए 10 योद्धा मैदान में हैं। इसमें 05 योद्धा चास अनुमंडल तो 05 बेरमो अनुमंडल से हैं। बेरमो से भरत यादव, लक्ष्मण नायक, संजय सिन्हा ,महेन्द्र महतो और अनिल स्वर्णकार तो चास से जयदेव राय, धीरज झा, वीरभद्र, संजय त्यागी और मुकेश राय। वर्तमान के अध्यक्ष जयदेव राय चास अनुमंडल से हैं तो बेरमो से भरत यादव इस अध्यक्ष पद पर बेहतर तरीके से कार्य कर चुके हैं। इन 10 में से दो को इस पद पर कार्य करने का अनुभव है। शेष 08 भाजपा नेताओं को जिला अध्यक्ष पद पर तो नहीं लेकिन पार्टी के विभिन्न पदों पर वर्षों से कार्य करने का अनुभव है,अगर पार्टी इन 08 में से किसी को भी मौका देती है तो यह इनके और संगठन दोनों के लिए नया अनुभव होगा। अंत में, बीजेपी के काम करने का जो तरीका है, उस आधार पर यह भी संभव है कि इनमें से किसी को भी शायद पार्टी मौका न दे और कोई और डार्क हॉर्स साबित हो लेकिन फिलहाल ये 10 अध्यक्ष पद के लिए चर्चा में हैं।

मनसा देवी मंदिर में पूजनोत्सव के 25 वर्ष पूरे, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मना रजत जयंती समारोह

बोकारो, संवाददाता

मनसा देवी मंदिर सेक्टर 2डी में पूजनोत्सव के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छोटानागपुर सांस्कृतिक महोत्सव समिति के बैनर तले रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक बिरंची नारायण थे। समिति के अध्यक्ष शंकरलाल गोप एवं सचिव गौतम सिंह ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि वर्ष 2001 में पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी तथा पूर्व मंत्री स्व. समरेश सिंह की उपस्थिति में मंदिर की स्थापना की गई थी। बीते 25 वर्षों में यह मंदिर बोकारो के आध्यात्मिक और सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। समारोह में सचिव गौतम सिंह चौधरी, प्रकाश चटर्जी, के.के. मंडल, रामेश्वर सिंह, बनबिहारी गोराई, संतोष कुमार महती, निर्गल महतो, उमेश चंद्र बाउरी, मुकुल कुमार, प्रकृत लाल महतो, जर्नादन मित्रा, शक्ति मित्रा, निमाई महतो, राघु महतो, घनश्याम हजाम, मोतीलाल महतो सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु व गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

शिमला से भी ठंडा राजगीर, पारा 7°C से नीचे लुढ़का

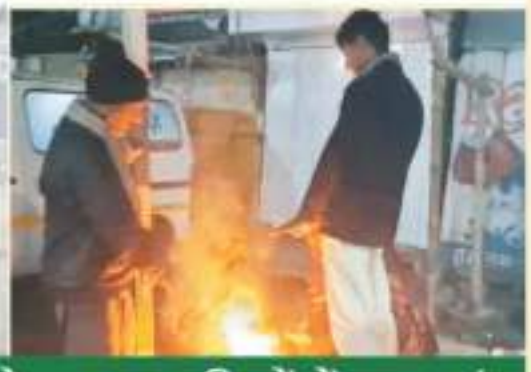

बिहार के 5 जिलों का तापमान 10°C से नीचे; कोल्ड-डे के कारण 9 जिलों में स्कूल बंद

पटना। बिहार में लगातार ठंड बढ़ रही है। पिछले 4 दिनों से आधे से ज्यादा बिहार में सूरज नहीं निकला है। पछुआ हवा ने कनकनी बढ़ा दी है। इधर, पटना से सटे राजगीर में शिमला, देहरादून, रांची और भोपाल से भी ज्यादा ठंड पड़ रही है। शिमला का तापमान 7°C है, जबकि नालंदा के राजगीर में पारा 7°C से लुढ़क कर 6.6°C हो गया है। बिहार के 5 जिलों का तापमान 10डिग्री से कम है।बिहार में ठंड को लेकर सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को 23 दिसंबर तक बंद किया दिया गया है। बिहार में कड़ाके की ठंड और गिरते तापमान को देखते हुए पूर्णिया, अररिया, सीवान, भोजपुर, गोपालगंज और सीतामढ़ी में 24 दिसंबर तक सभी स्कूल बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। वहीं मुजफ्फरपुर में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। गोपालगंज में भी स्कूलों को 24 दिसंबर तक स्कूल बंद किए गए हैं।मौसम विभाग ने आज यानी सोमवार को प्रदेश के 24 जिलों में घने कोहरे और कोल्ड-डे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में घना कोहरा भी छाया रहेगा। सोमवार की सुबह, पटना,नालंदा, औरंगाबाद और छपरा में घना कोहरा छाया रहा। नालंदा में विजिबिलिटी 20 मीटर से भी कम है।मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, आने वाले एक हफ्ते में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज हो सकती है, जिससे ठंड और ज्यादा बढ़ेगी। पिछले 24 घंटे के दौरान बिहार के कई जिलों में सुबह और देर रात घना कोहरा छाया रहा। गयाजी में का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, 25 दिसंबर के बाद पूरे बिहार में कोल्ड-डे की स्थिति बन सकती है। इस दौरान दिन के समय में भी तापमान सामान्य से काफी नीचे रहेगा। इससे दिन-रात हाड़ कंपाने वाली ठंड महसूस की जाएगी। कोहरे के कारण तीन फ्लाइट रद्द, 13 लेट कोहरे की वजह से विमानों और ट्रेनों की लेटलतीफी जारी है। विजिबिलिटी कम होने से रविवार को एअर इंडिया की पटना-दिल्ली और इंडिगो की पटना-कोलकाता एवं पटना-चेन्नई की फ्लाइट रद्द रही। वहीं 13 जोड़ी विमान लेट रहे। एयरलाइंस सूत्रों के अनुसार, मौसम विभाग ने सोमवार को सुबह भी पटना में घने कोहरे का पूर्वानुमान जारी किया है। ऐसे में सुबह की दिल्ली और कोलकाता की एक-एक फ्लाइट रद्द हो सकती है। 10 जोड़ी विमानों का ऑपरेशन 1 से 2 घंटे तक देरी से हो सकता है। अपने विमान का समय देख कर ही घर से निकलें।मौसम वैज्ञानिक गौरव कुमार के अनुसार, निचले क्षोभमंडल में घने कोहरे की परत जमा है। साथ ही उच्चस्तरीय बादल रहने के कारण सूर्य की किरणें धरती तक नहीं पहुंच पा रही हैं। इसी वजह से दिन में अधिकतम तापमान नहीं बढ़ने से कोल्ड डे की स्थिति बनी हुई है। फिलहाल राज्यभर में अधिकतम तापमान सामान्य से 4 से 6 डिग्री सेल्सियस कम है। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि, पश्चिमी उत्तर भारत में समुद्र तल से 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर 125 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिमी जेट स्ट्रीम सक्रिय है। साथ ही 25 दिसंबर से एक पश्चिमी विक्षोभ हिमालय क्षेत्र में विकसित हो रहा है। इसका असर बिहार के मौसम पर भी पड़ेगा और ठंडी पछुआ हवाओं के कारण तापमान में गिरावट जारी रहेगी। आगे कैसा रहेगा मौसम23 दिसंबर- उत्तर और दक्षिण-पश्चिम के जिलों के एक-दो स्थानों पर घना कोहरा छाएगा। अगले तीन दिनों के दौरान राज्य के शेष भागों के कुछ स्थानों में हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा छाए रहने की संभावना है। पटना में कैसा रहेगा मौसम राजधानी पटना में आने वाले दिनों में सुबह और रात के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान में गिरावट के कारण यहां भी कोल्ड-डे की स्थिति बन सकती है। दिन में धूप निकलने की संभावना कम है, जिससे ठंड का असर बना रहेगा।मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के अनुसार, पछुआ हवा की गति कम होने और वातावरण में अधिक नमी के कारण ठंड और कोहरे की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने बताया कि जब हवा शांत रहती है और नमी अधिक होती है, तब तापमान दिन में भी नहीं बढ़ पाता। इसी कारण कोल्ड-डे जैसी स्थिति बन रही है। आने वाले कुछ दिनों तक ठंड और कोहरे का असर बना रह सकता है।

अररिया, सीवान, भोजपुर, गोपालगंज और सीतामढ़ी में स्कूल बंद

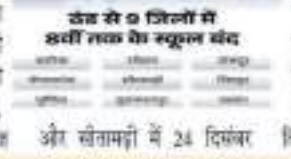

बिहार में ठंड को लेकर सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को 23 दिसंबर तक बंद किया दिया गया है। बिहार में कड़ाके की ठंड और गिरते तापमान को देखते हुए पूर्णिया, अररिया, सीवान, भोजपुर, गोपालगंज और सीतामढ़ी में 24 दिसंबर तक सभी स्कूल बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। वहीं मुजफ्फरपुर में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। गोपालगंज में भी स्कूलों को 24 दिसंबर तक स्कूल बंद किए गए हैं।

हिजाब विवाद के बीच मोदी-शाह से मिले नीतीश

PM से 30 मिनट तक बातचीत; मंत्रिमंडल विस्तार और पॉलिसीज के फाइनेंशियल इशू पर चर्चा

पटना। PM से 30 मिनट तक बातचीत; मंत्रिमंडल विस्तार और पॉलिसीज के फाइनेंशियल इशू पर चर्चासीएम नीतीश कुमार ने हिजाब विवाद के बीच सोमवार को दिल्ली में पीएम मोदी और अमित शाह से मुलाकात की है। पीएम और नीतीश कुमार के बीच करीब 30 मिनट तक बातचीत हुई। नीतीश के साथ केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी मौजूद रहे। तीनों एक ही कार से पीएम हाउस पहुंचे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को पटना से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। बिहार विधान सभा चुनाव में भारी जीत के बाद ये उनका पहला बिहार दौरा है।हिजाब विवाद को लेकर मोदी और शाह नीतीश कुमार से बात कर सकते हैं। हिजाब हटाने के बाद से नुसरत परवीन ने अब तक नौकरी जॉइन नहीं की है। देश से लेकर विदेशों में नीतीश कुमार को लेकर बयानबाजी हो रही है। टआला नहीं चाहेगी की 2026 में होने वाले बंगाल चुनाव पर इसका कोई असर पड़े।मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर भी नीतीश मोदी और शाह से चर्चा कर सकते हैं। हाल ही में नितिन नबीन ने मंत्री पद से इस्तीफा दिया है। उनके पास 2 विभागों की जिम्मेदारी थी। पॉलिसीज के फाइनेंशियल इशू को लेकर भी मोदी और शाह से बात हो सकती है। महिला रोजगार योजना के तहत दिए जाने वाले 10-10 हजार को लेकर भी चर्चा संभव है। नीतीश ने अमित शाह से भी की मुलाकात पीएम मोदी से मुलाकात करने के बाद नीतीश कुमार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पहुंचे। शाह और नीतीश कुमार की लगभग 20 मिनट तक मुलाकात हुई। बताया जाता है कि, इस दौरान दोनों के बीच राज्यसभा सीट और बिहार के विकास के रोड मैप पर बात हुई। दरअसल, 15 दिसंबर को CM नीतीश कुमार आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र बांट रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने एक महिला डॉक्टर नुसरत को पहले तो नियुक्ति पत्र दे दिया। इसके बाद उसे देखने लगे। महिला भी मुख्यमंत्री को देखकर मुस्कुराई। CM ने हिजाब की ओर इशारा करते हुए पूछा कि ये क्या है जी। महिला ने जवाब दिया, हिजाब है सर। CM ने कहा कि हटाइए इसे। इसके बाद मुख्यमंत्री ने खुद अपने हाथ से महिला का हिजाब हटा दिया। इस दौरान डिप्टी CM सम्राट चौधरी नीतीश कुमार को रोकने के प्रयास में उनकी आस्तीन खींचते हुए नजर आए। हिजाब हटाने से महिला थोड़ी देर के लिए असहज हो गई। आसपास मौजूद लोग हंसने लगे। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों ने महिला को नियुक्ति पत्र फिर थमाया और जाने का इशारा किया। महिला फिर वहां से चली गई।

पटना में नाव से शराब की तस्करी डिलीवरी से पहले खेप बरामद

पटना। क्रिसमस और न्यू ईयर सेलिब्रेशन को लेकर शराब तस्कर एक्टिव है। अलग अलग तरीके से शहर में शराब की खेप लाई जा रही है। रविवार देर रात पटना पुलिस ने गंगा नदी किनारे रेड की है। जिसमें नाव के साथ 15 बोरा देसी शराब पकड़ी गई है। पुलिस को तस्करी की खबर जैसी मिली, रात में करीब 12 बजे लाइफ जैकेट पहनकर रेड करने पहुंच गई। पुलिस को देखते ही तस्करों ने गंगा में छलांग लगा दी। अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। TOP प्रभारी शमशाद अहमद ने बताया कि गंगा पार दियारा से शराब लाई जा रही थी। इनपुट के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची। मौके से जनरेटर नाव, 15 बोरा देसी शराब पकड़ी गई है। पटना में इसकी डिलीवरी होने वाली थी।सचिवालय थाने की पुलिस ने रविवार को स्टेशन के पास से भी शराब बरामद की थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ अज्ञात लोग ट्रेन से शराब उतारकर बाइक से ले जा रहे हैं। इसी सूचना के आधार पर जब पुलिस वहां पहुंची तो तस्कर भागने लगे। पकड़कर तलाशी ली गई तो उनके पास से 8 बैग में 82.89 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई। पकड़े गए तस्करों में जक्कनपुर निवासी शुभम कुमार और गर्दनीबाग के अंशु कुमार, पवन कुमार, अभिजित कुमार शामिल हैं। एक नाबालिग की भी इसमें संलिप्तता है। 3 बाइक और 5 मोबाइल इनके पास से बरामद किए गए हैं। बढ़ाई गई पेट्रोलिंग पुलिस एक तरफ शराब पकड़ने के लिए पेट्रोलिंग बढ़ाई है। तो दूसरी तरफ तस्कर भी नए नए हथकंडे अपना रहे हैं। लगातार शराब पटना पहुंचने के बाद बरामद हो रही है। तस्करों में पुलिस से पकड़े जाने का खौफ ट्रेंड के हिसाब से नहीं दिख रहा है।

गर्लफ्रेंड ने भाइयों के साथ मिलकर बॉयफ्रेंड को मार डाला

किशनगंज। में एक युवक की ईंट-पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी गई। हत्या करने के बाद आरोपियों ने 5 बार शरीर को गाड़ी से रौंदा, फिर शव को सड़क किनारे फेंक दिया। इस मामले में पुलिस ने मृतक की गर्लफ्रेंड और उसके दो भाइयों समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि मृतक युवक जुल्फकार(25) का गिरफ्तार लड़की से अफेयर चल रहा था। 19 दिसंबर की रात लड़की ने जुल्फकार को अररिया जिले के पहरिया गांव से मिलने के लिए बुलाया। दोनों किसी सुनसान जगह पर मिल रहे थे, तभी भाइयों ने देख लिया। फिर पीट-पीटकर उसको मार डाला। हत्या को एक्सीडेंट में बदलने के लिए गाड़ी से रौंद दिया। लड़की ने पुलिस को बताया, 18 दिसंबर को जुल्फकार से फोन पर बात की। उसको मिलने के लिए बुलाया, लेकिन उसने 19 दिसंबर को आने की बात कही। हम दोनों ने घर के पीछे मिलने प्लानिंग। हमारी बात भाइयों ने सुन ली और फिर हत्या की साजिश रच दी।20 दिसंबर को देर रात 12 बजे जुल्फकार घर के पीछे मिलने पहुंचा। हम दोनों आपत्तिजनक स्थिति में थे, तभी मेरे दोनों भाई मो.आदम और सहजाद आलम ने देख लिया। गुस्साए भाइयों ने जुल्फकार को पकड़कर घसीटते हुए घर के पास ले गए। मैं अपने भाइयों से छोड़ने की गुहार लगाती रही। हमने कहा- हम दोनों की शादी करवा दीजिए। हमारी रिक्वेस्ट को दोनों दोनों भाई और माता-पिता ने स्वीकार कर लिया। करीब 10 मिनट तक मौके पर सन्नाटा पसरा हा, इस के बाद जुल्फकार ने धीमी आवाज में कहा, मैं शादी नहीं कर सकता, क्योंकि मैं पहले से ही शादीशुदा हूं। मेरी 3 साल पहले शादी हो चुकी है। 2 साल का बच्चा भी है। ये बात सुनते ही मैं हैरान रह गई। जुल्फकार की शादी की बात जानकर मैं गुस्से में आ गई और भाइयों से पीटने को कहा। इसके बाद हम, हमारे दोनों भाई और उसके एक साले ने जुल्फकार की बेहरमी से पिटाई की। लाठी-डंडे से सिर पर हमला किया। इस दौरान उसकी मौत हो गई। हत्या को दुर्घटना दिखाने के लिए शव को घर से करीब 2KM दूर सड़क पर ले गए। इसके बाद भाइयों ने गाड़ी से जुल्फिकार की बॉडी को पांच बार रौंदा, फिर शव को सड़क किनारे फेंक कर मौके से निकल भागे। 8 महीने पहले दोनों की हुई थी पहली मुलाकात हत्याकांड का खुलासा करते हुए SP सागर कुमार ने बताया, जुल्फकार और खुशबू 8 महीने पहले मई 2025 में एक पार्टी में मिले थे। इस दौरान दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। 2 महीने बाद जुलाई 2025 में एक बार फिर किसी रिश्तेदार की शादी में मिले, जहां दोनों ने एक-दूसरे से अपना नंबर एक्सचेंज किया। करीब 6 महीने से दोनों के बीच अफेयर चल रहा था। दोनों अक्सर छिप-छिपकर मिला करते थे। जुल्फकार 15-15 दिनों पर खुशबू से मिलने के लिए अररिया से किशनगंज आता था।घटनास्थल से मृतक की मोटरसाइकिल बरामद की गई, लेकिन उस पर किसी प्रकार की खरोंच नहीं थी। इससे पुलिस को संदेह हुआ। मृतक की पत्नी हसने आरा ने टेढ़ागाछ थाने में लिखित शिकायत देकर अज्ञात लोगों पर हत्या का आरोप लगाया। इसके आधार पर टेढ़ागाछ थाना कांड संख्या 234/25 दर्ज कर जांच शुरू की। सुबह 4 बजे के करीब आरोपी मृतक को बीच सड़क पर छोड़कर फरार हो गए थे। घटना किशनगंज के टेढ़ागाछ थाना क्षेत्र की है। मामला 20 दिसंबर 2025 का है। आरोपियों की पहचान कर ली गई है।

संक्षिप्त डायरी

1.5 लाख रुपए और 5 लाख के गहने छीने

जहानाबाद। में काको सड़क पर अलगाना मोड़ के पास एक आभूषण दुकानदार से लूट की घटना हुई है। 2 मोटरसाइकिल पर सवार 4 अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर दुकानदार से डेढ़ लाख रुपए नगद और 5 लाख रुपए के जेवरात लूट लिए। पीड़ित दुकानदार अनिल कुमार काको थाना क्षेत्र के मिश्र बीघा गांव के निवासी हैं और जहानाबाद शहर के निजामुद्दीन पर मोहल्ले में आभूषण की दुकान चलाते हैं। रविवार रात को वह अपनी दुकान बंद कर घर जा रहे थे। उनके पास दुकान की बिक्री के डेढ़ लाख रुपए नगद और 5 लाख रुपए के जेवरात एक बैग में थे। जैसे ही अनिल कुमार अलगाना मोड़ के पास पहुंचे, दो मोटरसाइकिल सवार अपराधी उनके पास आए और उन्हें घेर लिया। जब उन्होंने भागने का प्रयास किया, तो अपराधियों ने उन्हें पकड़ लिया और उनकी मोटरसाइकिल गिरा दी। अपराधियों ने बैग छीनने की कोशिश की, जिस पर दुकानदार और उनके बीच हाथापाई हुई। इसी दौरान, दूसरी तरफ से दो और अपराधी मोटरसाइकिल पर पहुंचे। उन्होंने हथियार निकाल कर दुकानदार पर तान दिया। हथियार देखकर आभूषण दुकानदार अपनी जान बचाने के लिए वहां से भाग गए। इसके बाद अपराधी बैग लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। SDPO संजीव कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है। संजीव कुमार ने बताया कि एक आभूषण दुकानदार से नकदी और जेवरात की लूट हुई है। पुलिस अपने स्तर पर मामले की जांच कर रही है। आसपास लगे CCTV फुटेज खंगाले जा रहे हैं और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। SDPO ने जल्द से जल्द अपराधियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है।

दाखिल खारिज में भूमिहार लिख दिया गया, पहले भूमिहार-ब्राह्मण था

मुजफ्फरपुर। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने जमीन से जुड़े मामलों को लेकर एक्शन में हैं। सोमवार को वो मुजफ्फरपुर पहुंचे। यहां उन्होंने लोगों की शिकायतें सुनी और अधिकारियों को फटकार लगाई।जनता दरबार में एक शख्स शिकायत लेकर आया कि उसके खतियान में भूमिहार लिखा गया है। यहां ज्यादातर लोग ब्राह्मण भूमिहार जाति के लोग आए हैं। इस पर विजय सिन्हा ने कहा कि, ये किसी जाति की बैठक नहीं, बिहारियों की बैठक है। बिहारियों के कल्याण के लिए हम यहां बैठे हैं। इस पर फरियादी ने कहा कि, आपके विभाग ने पर्ची बांटी है। हमारे खतियान में भूमिहार ब्राह्मण लिखा था, अब केवल भूमिहार कर दिया गया है। डिप्टी डट ने कहा, जो खतियान में लिखा गया है वो सही होगा। भूमिहार ब्राह्मण ही लिखा जाएगा। पहले जो चलता था वही चलेगा उसमें कोई बदलाव नहीं होगा। इसमें कोई गड़बड़ी नहीं करेगा।विजय सिन्हा ने कहा कि, सरकारी जमीन में गलत तरीके से दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) किया गया या किसी भी तरह की हेराफेरी हुई। तो एक्शन केवल बर्खास्तगी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि ऐसे दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों की संपत्ति भी जब्त की जाएगी।विजय सिन्हा ने लोगों से अपील की कि किसी भी समस्या के लिए वे सबसे पहले-अंचल कार्यालय और थाने में शिकायत दर्ज करें इसके बाद मामला अनुमंडल पदाधिकारी और जिलाधिकारी तक ले जाएं अगर फिर भी समाधान न मिले तो मंत्री स्तर पर सुनवाई की जाएगी उन्होंने कहा कि जिन लोगों की कहीं भी सुनवाई नहीं हुई, उनकी शिकायतें प्राथमिकता पर ली जाएंगी।पटना में गुरुवार को ज्ञान भवन में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने भूमि सुधार जनकल्याण कार्यशाला का आयोजन किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा एक उड के खराब प्रदर्शन पर नाराज दिखे। उन्होंने लापरवाही बरतने वालों को चेतावनी दी। कहा कि, सभी उड को अपने काम में सुधार के लिए सिर्फ एक मौका दिया जाएगा। इसके बाद भी कार्यशैली में सुधार नहीं हुआ तो ऐसे अधिकारियों को बाढ़ के दौरान फील्ड में नहीं रहने दिया जाएगा

'मां-बेटी की जोड़ी सिर्फ कथावाचक से रुपए ऐंठना चाहती हैं

दरभंगा। महिला विकास मंच की राष्ट्रीय संरक्षक वीणा मानवी ने कहा है कि दरभंगा के महंत और कथावाचक पर रेप और अबॉर्शन का आरोप लगाने वाली नाबालिग और उसकी मां सिर्फ रुपए ऐंठना चाहती हैं। उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा कि दोनों पक्षों की तीन बार काउंसिलिंग हुई है। काउंसिलिंग में मामला 25 लाख के सेटलमेंट पर आ गया था। लेकिन जब कथावाचक तय समय पर जब पैसा देने आए, तो नाबालिग और उसकी मां ने 1 करोड़ रुपए और दरभंगा में एक कट्ठा जमीन की डिमांड कर दी। वीणा मानवी ने कहा कि आरोप पैसे ऐंठने के लिए लगाए गए हैं। उन्होंने वीडियो में कहा कि 20 अगस्त को मेरे पास नाबालिग की ओर से एक आवेदन दिया गया था। आवेदन में नाबालिग की ओर से कहा गया था कि शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण किया गया है। आरोपी एक कथावाचक हैं। आवेदन मिलने के बाद मैंने दोनों पक्षों को एक साथ बैठाया। कथावाचक अपनी टीम के साथ आए थे, जबकि नाबालिग अपनी मां के साथ आई थी। दोनों पक्षों की तीन बार काउंसिलिंग की गई। दरअसल, 3 दिसंबर को दरभंगा के लहेरियासराय महिला थाना में पहुंची 17 साल की एक नाबालिग ने दरभंगा के कथावाचक 31 साल के श्रवण दास पर शादी का झांसा देकर रेप और दो बार अबॉर्शन का आरोप लगाया था। मामले में 19 दिसंबर को पोक्सो और संबंधित धाराओं के तहत आरोपी कथावाचक के खिलाफ FIR दर्ज की गई थी। हालांकि, इससे पहले 8 दिसंबर को कथावाचक की ओर से एक वीडियो जारी कर खुद को निर्दोष बताया गया था। फिलहाल, आरोपी कथावाचक फरार है। अब इस मामले में महिला विकास मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष वीणा मानवी का वीडियो सामने आया है।वीणा मानवी ने कहा कि गलतियां हुई हैं या नहीं, ये जांच का विषय है, क्योंकि एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कथावाचक नाबालिग को माला पहना रहे हैं, सिंदूर लगा रहे हैं। हालांकि, इस बारे में कथावाचक का कहना है कि उन्होंने खुद की इज्जत बचाने के लिए ये सब किया है। लेकिन काउंसिलिंग में मामला 25 लाख रुपए की सेटलमेंट पर आ गया।

दूसरी काउंसिलिंग में पैसा देने की बात थी। लड़की की मां से मेरी बातचीत भी हुई। कथावाचक भी अपनी टीम के साथ पैसा लेकर आए थे। लेकिन बाद में दूसरी काउंसिलिंग में ही नाबालिग की मां ने कहा कि हमें 25 लाख रुपए नहीं एक करोड़ रुपए और दरभंगा में एक कट्ठा जमीन चाहिए, तब मामला रफा-दफा करेंगे। नहीं तो कथावाचक शादी करके मेरी बेटी को अपने साथ रखें।महिला विकास मंच की संरक्षक ने कहा कि अब सवाल ये है कि आखिर 2 साल बाद तक नाबालिग और उसकी मां कहां थी। अगर नाबालिग के साथ रेप हुआ, अबॉर्शन कराया गया, तो उसने उस वक्त शिकायत क्यों नहीं की। जैसे ही नाबालिग की मां ने 25 लाख से 1 करोड़ की डिमांड की, मुझे समझ आ गया कि सारा मामला सेटलमेंट का है, पैसे के खेल का है।नाबालिग को शादी का झांसा देकर रेप और अबॉर्शन के मामले में 20 दिसंबर को आरोपी कथावाचक श्रवण दास महाराज उर्फ श्रवण ठाकुर के खिलाफ महिला थाना में पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। FIR में श्रीराम जानकी मंदिर और पचाढ़ी स्थान के महंत राम उदित दास उर्फ मौनी बाबा को भी आरोपी बनाया गया है। नाबालिग की मां की ओर से दर्ज कराई गई FIR में आरोप लगाया गया है कि कथावाचक ने नाबालिग को शादी का झांसा देकर एक साल तक शारीरिक शोषण किया। नाबालिग जब प्रेग्नेंट हो गई, तो आरोपी ने दो बार उसे अबॉर्शन की दवा भी खिलाई।

योगी बोले : देश में दो नमूने, एक दिल्ली, दूसरा लखनऊ में

अखिलेश ने कहा: यह आत्मस्वीकृति, भाजपा की आपसी खींचतान चौराहे पर न लाएं

लखनऊ। यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र का आज दूसरा दिन है। प्रश्न काल के दौरान सीएम योगी ने कफ सिरप मामले में सपा के आरोपों पर कहा- प्रश्न क्या है, मुद्दे क्या उठाए जा रहे हैं। पूरा अध्ययन करके आना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कोडीन के मुद्दे को उठाया है, लेकिन मैं आपकी इस मजबूरी को समझता हूं। एक कहावत है- चोर की दाढ़ी में तिनका। उन्होंने नाम लिए बिना कहा- देश के अंदर दो नमूने हैं, एक दिल्ली में और एक लखनऊ में बैठते हैं। जब देश में कोई चर्चा होती है तो वो देश छोड़कर चले जाते हैं। मुझे लगता है कि यही आपके बबुआ के साथ भी होता है। वह फिर इंग्लैंड सैर सपाटे पर चले जाएंगे और आप यहां चिल्लाते रहेंगे। योगी के बयान के 40 मिनट बाद ही अखिलेश ने पलटवार किया। पर लिखा- आत्म-स्वीकृति... किसी को उम्मीद नहीं थी कि दिल्ली-लखनऊ की लड़ाई यहां तक पहुंच जाएगी। संवैधानिक पदों पर बैठे लोग मर्यादा की सीमा न लांघें। भाजपाई अपनी पार्टी के अंदर की खींचातानी को चौराहे पर न लाएं। इससे पहले योगी ने कहा- प्रदेश में कोडीन कफ सिरप से कोई मौत नहीं हुई है। 2016 में इसके सबसे बड़े होल सेलर को सपा ने ही लाइसेंस दिया था। पढ़ाई-लिखाई से आपका कोई वास्ता है नहीं, इस कारण आप इस तरह की बात करते हैं। अखिलेश के सिरप माफियाओं पर बुलडोजर चलाने के चैलेंज पर कहा कि चिंता मत कीजिए। समय आने पर बुलडोजर एक्शन भी होगा। उस समय चिल्लाना नहीं। कोडिन कफ सिरप मामले पर योगी ने कहा- विभोर राणा को लाइसेंस समाजवादी पार्टी ने दिया था। आलोक सिपाही (इस मामले में एक आरोपी) की अखिलेश के साथ कुछ गिफ्ट देते हुए तस्वीरें वायरल हुई थीं। हमने एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। हमारी कार्रवाई अभी भी जारी है। हमने अब तक 77 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। किसी को बख्शा नहीं जाएगा। योगी ने विपक्ष से कहा- मैं आपका दर्द समझता हूं। क्योंकि जब सरकार की कार्रवाई अपने आखिरी स्टेज पर पहुंचेगी, तो आप में से कई लोग 'फातिहा' पढ़ने जाएंगे। हम आपको ऐसी हालत में भी नहीं छोड़ेंगे कि आप 'फातिहा' पढ़ सकें। हम ऐसी ही कार्रवाई करेंगे। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय खड़े हुए। उन्होंने कहा- सीएम सदन के सम्मानित नेता हैं, लेकिन उनकी वाणी देखिए। आपने कहा कि दो नमूने हैं- एक अखिलेश और दूसरा राहुल गांधी। इस पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि सीएम ने किसी का नाम नहीं लिया है, आप क्यों खुद पर ले रहे हैं। यह सुनते ही सपा विधायक हंगामा करने लगे। समझाने पर भी नहीं माने तो सतीश महाना ने कहा कि एक आदमी नारा लगा रहा था। आप गलत बयानी कर रहे हैं। आप कह रहे हैं कि सैकड़ों मौतें हुई तो नाम बताइए। इसके बाद सपा ने वॉकआउट कर लिया। इससे पहले विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही सपा विधायकों ने कोडीन सिरप कांड पर चर्चा की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया। मंजूरी नहीं मिली तो विधायक भड़क गए और वेल में आकर नारेबाजी करने लगे। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा- कोडीन सिरप से यूपी में एक भी मौत नहीं हुई है। विपक्ष माहौल खराब कर रहा है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा- सरकार के पक्ष से यदि मैं संतुष्ट नहीं होता हूं तो जरूर चर्चा कराऊंगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा- अगर आप लोग अपनी सीट पर वापस नहीं गए तो मुझे कार्रवाई करनी पड़ेगी। उन्होंने सपा के विधायकों से वेल से अपनी सीट पर जाने का आग्रह किया। इसके बाद विधायक अपनी-अपनी सीट पर लौट गए। मंत्री संजय निषाद ने कहा कि वंदेमातरम का सम्मान करना किसी दल का एजेंडा नहीं। अंग्रेज जल मार्ग से आए थे और हमारे निषाद समाज के लोगों ने सबसे पहले उनका विरोध किया था। अंग्रेजों की 300 नाव को कानपुर के पास डुबोकर हमारे समाज के लोगों ने मारा था। सपा विधायक अतुल प्रधान ने कहा कि वंदेमातरम की बात आती है, तो अंदर देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत हो जाते हैं। मैं खुद को सौभाग्यशाली समझता हूं कि इस चर्चा में शामिल होने का मौका मिला। सुखद संयोग है कि 1857 क्रांति का उद्गम हुआ, वहीं से हमें भी आवाज बनने का मौका मिला। ये दूसरे के नेताओं और महापुरुषों को अपना नाम देने का काम करते हैं। संविधान सभा ने सर्वसम्मति से वंदेमातरम को अपनाया। सपा विधायक रागिनी सोनकर ने कहा- जिस समय देश का हर गुलाम अंग्रेजों की गुलामी कर रहा था, बंगाल के कोने से आवाज आई वंदेमातरम। आजादी की लड़ाई का हथियार बना। ये किसी जाति विशेष या धर्म विशेष के लोग नहीं थे। आज राष्ट्रगीत के 150 साल पूरे होने पर चर्चा करा रहे हैं। क्या सरकार इसकी मान-मर्यादा समझती है? इस सरकार में आई लव कृष्ण कह सकते हैं। आई लव मोहम्मद कहने पर बच्चों को गिरफ्तार किया जाता है। क्या ये है वंदेमातरम? इसके बाद रागिनी सोनकर ने गाना गाया- मैं शब्द चढ़ाती हूं, हिंद जिनकी जान था, नाम हिंदुस्तानी, जिनका मजहब हिंदुस्तान था...। बसपा विधायक उमाशंकर सिंह ने कहा- वंदेमातरम को राष्ट्रगीत के रूप अपनाने का निर्णय संविधान सभा ने लिया था। नुक्कड़ सभाओं पर इस तरह की चर्चा होती है। माता प्रसाद पांडे अध्यक्ष हुआ करते थे, उनसे सीखते हैं। संस्कृत और बांग्ला भाषा में लिखा गया था। कई बार प्रतिबंधित किया गया। अंग्रेज इससे डरते थे, उतना ही क्रांतिकारियों के दिलों में आग जलती थी। इस पर कोई विवाद तो होना ही नहीं चाहिए। राजनीतिक फायदा नहीं लेना चाहिए। हम कहेंगे कि सार्थक चर्चा होनी चाहिए, जिससे युवा पीढ़ी इस गीत के महत्व को समझे। सदन के सबसे बुजुर्ग सपा विधायक आलमबदी ने कहा कि ये सदन एक परिवार है। किसी दल या जाति के रूप में नहीं जाना। इस तरह की खींचाकशी होती है, तो अच्छा नहीं लगता। ये कंट्रोवर्सी मामला रहा है। 1997 में भाजपा की सरकार बनी। भाजपा के शिक्षामंत्री ने सर्कुलर जारी कर दिया था कि स्कूलों में क्लास शुरू होने से पहले लागू किया जाए।

फूल माला से जेडीयू विधायक पप्पू पाण्डेय का हुआ जोरदार स्वागत

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बिहार प्रांत के गोपालगंज जिले के कुचाय कोट से लगातार छठवीं बार विधायक व जनता दल युनाइटेड के वरिष्ठ नेता बाहुबली विधायक अमरेंद्र पाण्डेय उर्फ पप्पू पाण्डेय का कुशीनगर आगमन पर जोरदार स्वागत किया गया। रविवार की देर शाम विधायक श्री पांडेय कसया गांधी चौक पहुंचे जहां नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल व पूर्व ब्लाक प्रमुख डॉ. प्रियेश त्रिपाठी सहित युवाओं ने अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा समर्थक दल के प्रदेश उपाध्यक्ष गुफरान बख्शी के नेतृत्व में माल्यार्पण किया गया। श्रीराधा - कृष्ण का चित्र व बुके देकर स्वागत किया। साथ ही अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा सहित विभिन्न दलों के सैकड़ो समर्थक व कार्यकर्ताओ ने श्री लोकप्रिय विधायक का स्वागत किया। स्वागत से अभिभूत विधायक श्री पांडेय ने सभी के प्रति धन्यवाद व शुभकामनायें व्यक्त की। विधायक श्री पाण्डेय रविवार को दिल्ली से विमान द्वारा गोरखपुर एयरपोर्ट पर आए और सड़क मार्ग से कुशीनगर पहुंचे। उनका कुशीनगर स्थित होटल पथिक निवास, गाँधी चौक आदि जगहों पर स्वागत किया गया। ' स्वागत के दौरान एड. विपिन तिवारी, सभासद टिंकू मिश्रा, दिनेश तिवारी भोजपुरिया, बलराम सिंह, धन्नू पाण्डेय, अरमान खान, अमरुद्दीन अंसारी, बलराम सिंह, अनूप तिवारी, राहुल सिंह, राणा शाह, मणिकेश तिवारी, सरफराज सिक्को,सरफराज अंसारी सभासद प्रतिनिधि, सलीम अंसारी, अमन खान, सोनू जायसवाल, इरफान बख्शी, युसूफ अंसारी मौजूद रहें।

शौर्य सिंह की विस्फोटक पारी से लखनऊ सेमीफाइनल में

संवाददाता

कुशीनगर। जनपद के पावानगर स्थित महावीर इंटर कॉलेज के राज मालती स्टेडियम में आयोजित 20 वीं अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे मैच में क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बोधगया इलेवन बिहार को 53 रनों से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। लखनऊ के शौर्य सिंह को उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। सोमवार को सुबह 10 बजे शुरू हुए मुकाबले में बिहार के कप्तान विजय कुमार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ टीम की शुरुआत अच्छी रही, हालांकि निचले क्रम के बल्लेबाज जल्दी आउट होते चले गए। इसके बावजूद लखनऊ की टीम ने निर्धारित 25 ओवरों के मैच में 21 ओवर की अंतिम गेंद पर सभी विकेट खोकर 234 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। लखनऊ की ओर से शौर्य सिंह ने महज 27 गेंदों पर सात छक्के और छह चौकों की मदद से 75 रनों की आतिशी पारी खेली। कुशाग्र सिंह ने 16 गेंदों पर दो छक्के और चार चौकों की मदद से 30 रन बनाए। वहीं संकित मौर्य ने 27 गेंदों पर एक छक्का और चार चौकों की मदद से 30 रन जोड़े। प्रियांशु पाण्डेय और समीर अंसारी ने भी 27व27 रनों का योगदान दिया। बिहार की ओर से गेंदबाजी में अतुल प्रकाश ने पांच ओवर में 55 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि निकू लालमणि कुमार ने दो विकेट झटके। राहुल कुमार, आदित्य राज और गौतम विजय कुमार को एक-एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बोधगया इलेवन बिहार की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और 28 रन पर हीमें उसके तीन विकेट गिर गए। चार बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके। पूरीसार टीम 23वें ओवर की चौथी गेंद पर 178 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। बिहार की ओर से गौतम विजय कुमार ने 62 गेंदों पर चार छक्के और चार चौकों की मदद से 57 रन बनाए। आदित्य राज ने 20 गेंदों पर चार छक्के और छह चौकों के साथ 50 रन, जबकि अतुल प्रकाश ने 29 गेंदों पर तीन छक्के और तीन चौकों की मदद से 34 रनों का योगदान दिया। लखनऊ की ओर से गेंदबाजी में कप्तान हसन अख्तर, मनीष शर्मा और सत्यम पाण्डेय ने दो-दो विकेट लिए, जबकि आकाश श्रीवास्तव, अतीफ साजीद और कुलदीप चौहान को एक-एक सफलता मिली। शौर्य सिंह को उनकी शानदार 75 रनों की पारी के लिए मुख्य अतिथि भाजपा नेता जितेन्द्र प्रताप राव ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार स्वरूप पांच हजार रुपये नकद एवं ट्रॉफी प्रदान की। मैच में अंपायरिंग यूपीसीए के अंपायर संतोष सिंह और सतीश पाण्डेय ने की, जबकि थर्ड अंपायर एपी सिंह रहे। स्कोरिंग अंतरराष्ट्रीय स्कोरर एसपी सिंह ने की। कमेंट्री मोहम्मद आलम,एक गुड्डू पाण्डेय और आईपीएल कमेंटेटर सुमित कुमार मिश्रा ने की। मैच का लाइव प्रसारण एचडी और सचिन की टीम द्वारा किया गया। ने इस अवसर पर आयोजन समिति के संरक्षक रिटायर्ड आरटीओ अजय त्रिपाठी, अधिवक्ता अभय त्रिपाठी, डा. रामानुज पाण्डेय, कुंवर शाही, सत्यम त्रिपाठी, शुभम त्रिपाठी, टीएन राय, शिवसंकर तिवारी, डा. केपी सिंह, राजन शुक्ला, भाजपा नेता मनोज चौबे, विनीत कुमार बंटी, आजाद अंसारी, प्रदीप सिंह, उदयभान सिंह, कबीन्द्र सिंह, गुड्डू चौहान, पिंटू राव, मनीष ओझा, राहुल सिंह, चन्दन दुबे, सुनील प्रजापति, सऊद अली, गोविंद यादव, दरोगा, अशरफ अंसारी, खुर्शीद आलम, पिंटू सिंह, भास्कर राय, पंकज ओझा, गोनू इराकी, राजन मिश्रा सहित खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

नपाप कुशीनगर में पहली बार कर पर 10% छुट

कार्यालय
नगर पालिका परिषद कुशीनगर
जनपद - कुशीनगर

संवाददाता

कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर द्वारा बीते शनिवार को नपा बोर्ड की बैठक में लिए गए निर्णय के तहत नगर वासियों को राहत देते हुए कर जमा करने पर 10 प्रतिशत की छुट दी गई है। यह करदाताओं के लिए स्वर्णिम अवसर है। इसके लिए बकायेदार 22 दिसंबर से 31 जनवरी 2025 तक अपना फॉर्म भरकर छुट का लाभ उठा सकते हैं। उक्त जानकारी एक विज्ञप्ति के माध्यम से देते हुए नपाप कुशीनगर की अधिशासी अधिकारी अंकिता शुक्ला ने बताया कि कर के बकायेदार या जिन्होंने अबतक फार्म नहीं भरा है। वह अपना फॉर्म भरकर लाभ उठा सकते हैं।

आजादी के आंदोलन में कविता की भूमिका विषयक गोष्ठी आयोजित

संवाददाता

कुशीनगर। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कवियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। अपनी ओजस्वी, राष्ट्रप्रेरक और जनजागरण से भरपूर कविताओं के माध्यम से कवियों ने जन-जन में गुलामी के खिलाफ खड़े होने और देश की आजादी के लिए सर्वस्व बलिदान करने का जज्बा पैदा किया। यह विचार कस्बे के जूनियर हाई स्कूल परिसर में सामाजिक संस्था सजग प्रहरी द्वारा आयोजित ह्यआजादी के आंदोलन में कविता की भूमिकाह्न विषयक गोष्ठी को संबोधित करते हुए भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राधेश्याम पाण्डेय ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में कविताओं ने पूरे देश में देशप्रेम की लहर पैदा की, जिसके परिणामस्वरूप विदेशी हुकूमत को हर स्तर पर विरोध का सामना करना पड़ा और अंततः भारत आजाद हुआ। गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे समाजसेवी कुंवर उपेंद्र सिंह ने कहा कि कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से आजादी के लिए ऐसा जुनून पैदा किया, जिसका प्रभाव जन-जन में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। विशेषकर राष्ट्रवादी कवियों ने पूरे देश को गुलामी के खिलाफ खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि माखनलाल चतुर्वेदी, सुभद्रा कुमारी चौहान और रामधारी सिंह दिनकर जैसे कवियों का योगदान हिंदुस्तान कभी नहीं भूलेगा। विशिष्ट अतिथि केदार सिंह ने कहा कि कवियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से भारत में राष्ट्रवाद की भावना का संचार किया, जिसका प्रतिफल देश की आजादी के रूप में सामने आया। आयोजक नंदलाल विद्रोही ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कवि सम्मेलन में कवियों ने अपनी ओजस्वी रचनाएं सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर रविन्द्र सिंह, राजेश सिंह, महबूब मंजर, हीरालाल गुप्ता, रामेश्वर कुशवाहा, असगर अली, शंकर सिंह, जटाधारी सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्व. पं. वंश बहादुर तिवारी की पुण्यतिथि पर सम्मानित हुए लोकतंत्र रक्षक सेनानी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर स्थित गांधी घर परिसर में प्रसिद्ध समाजसेवी, लोकतंत्र रक्षक सेनानी, पत्रकार स्व. पं. वंश बहादुर तिवारी की 19 वीं पुण्यतिथि शिद्दत के साथ मनाई गई। इस अवसर पर स्व. पं. तिवारी के चित्र पर गणमान्य जनों ने पुष्प अर्पित कर उनके विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। सोमवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राजेश पाण्डेय उर्फ गुड्डू पांडेय ने श्रद्धांजलि सभा आयोजन को लेकर उनके परिजनों को धन्यवाद देते हुए कहा कि स्व. तिवारी की स्मृति मेरे परिवार से जुड़ी है। वह सामाजिक परिवर्तन और सुधार के लिए चिंतित रहते थे। उनके बताए मार्ग पर चलना सच्ची श्रद्धांजलि होगी। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि समाज में उपेक्षित कष्ट मय जीवन जी रहे बुजुर्गों के चेहरे पर मुस्कान कैसे आए उसपर चिंतन करना होगा और उनकी समस्याओं का समाधान करना होगा।उपजिलाधिकारी डॉ संतराज सिंह बघेल ने स्व. तिवारी के विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया। यही स्व. तिवारी जी की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल ने स्व. तिवारी के साथ बीते पल की स्मृतियों को साझा करते हुए बताया कि उनके विचारों को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। लोकतंत्र रक्षक सेनानी दीनानाथ यादव, नन्द किशोर मिश्र, बांका सिंह ने स्व. तिवारी के साथ आपातकाल के संघर्ष के दौरान की स्मृतियों को सुनाया। इसी क्रम में पूर्व विधायक नन्द किशोर मिश्र, पं. वीरेंद्र तिवारी, एड. बद्री नारायण दूबे, बार संघ अध्यक्ष ओंकार नाथ पांडेय, अधिवक्ता फूल बदन यादव, केदार नाथ सिंह, शैलेन्द्र दत्त शुक्ला आदि ने संबोधित किया। इस मौके पर भजन कीर्तन और कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। स्व. तिवारी की पत्नी और परिजनों ने जनता इंटर कालेज धुरिया में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि श्री पांडेय सहित अतिथियों ने लोकतंत्र सेनानियों का माल्यार्पण कर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया। अतिथियों का स्वागत रामवती देवी, सुपुत्र दिनेश कुमार तिवारी भोजपुरिया ने किया जबकि संचालन सुपुत्र एड. कृष्ण कुमार तिवारी ने किया। इस दौरान तहसीलदार धर्मराज सिंह, एड. उपेंद्र तिवारी, एड. केदार राव, अमरचंद जायसवाल, सुरेश गुप्ता, राजू मद्धेशिया, पुष्प प्रकाश तिवारी, धीरज राव, अमित गुप्ता, डॉ संजय सिंह, संतोष सिंह, कुश मद्धेशिया, संतोष पाठक, सचिन पाठक, किरन सिंह, डॉ. सीमा गुप्ता, नीतीश यादव, राजेश मद्धेशिया, आदित्य तिवारी सहित ब्रह्मा कुमारी बहनें और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

प्रतियोगिताओं से बच्चों में होता है ऊर्जा का संचार: अजय लल्लू

संवाददाता

कुशीनगर। डॉ सी वी रमन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में 221बच्चों को पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कार साइकिल अंशिका महर्षिया संस्कृति पब्लिक स्कूल द्वितीय पुरस्कार सीलिंग फैन जीएस एजुकेशनल एकेडमी साखोपार तथा तृतीय पुरस्कार सरस्वती ज्ञान मंदिर साखोपार में दिया गया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अजय कुमार लल्लू ने कहा कि बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता के लिए प्रतियोगिताओं से ऊर्जा का संचार होता है। विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष कांग्रेस रविन्द्र विश्वकर्मा उर्फ राधे ने कहा कि प्रतियोगिता से बच्चों के व्यक्तित्व में निखार आता है। महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती वृंदा प्रजापति ने नारी शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया। संचालन धीरज राय ने किया। आयोजक बृजेश जायसवाल ने स्वागत गीत के माध्यम से धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष कांग्रेस मनोज सिंह कसया ब्लाक अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह, सीमा भारती, प्रबंधक मनीष सिंह, प्रिंसिपल राजन गुप्ता, राजा सर, अजीत सिंह अवधेश राय, सह आयोजक रोहित गोंड, अनीश सर, भोला, आकाश कुमार गोंड, अध्यापक, अभिभावक, बच्चे उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत विज्ञान क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

संवाददाता

हमीरपुर। गोहांड में महानिदेशक स्कूल शिक्षा राज्य परियोजना निदेशक, उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों में जिज्ञासा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने, वैज्ञानिक मनोवृत्ति का विकास करने, प्रयोग के मौके देने के साथ ही विज्ञान/गणित और प्रौद्योगिकी को लोगों तक पहुंचाने के मकसद से शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने अविष्कार अभियान कार्यक्रम के तहत विज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विकास खण्ड गोहांड के उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बालक, बालिकाओं ने हिस्सा लिया। विज्ञान क्विज प्रतियोगिता खण्ड शिक्षा अधिकारी गोहांड शैलेश कुमार के दिशा निर्देश में ए.आर.पी. राम जीवन, महेन्द्र कुमार आयोजित की गई। प्रतियोगिता में चयनित शिव उच्च प्राथमिक विद्यालय रावतपुरा स्थान प्रथम, नैनपो उच्च प्राथमिक विद्यालय सहँक द्वितीय स्थान, मुस्कान उच्च प्राथमिक विद्यालय जखेड़ी तृतीय स्थान प्राप्त किया इनके अतिरिक्त 40 अन्य बाल वैज्ञानिक शील्ड, पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र पाकर चेहरे खिल उठे कार्यक्रम के दौरान संजय सिंह, राजा बाबू, सौरभ त्रिपाठी,डालचन्द्र सहित सभी सीआरसी स्टॉफ मौजूद रहा।

फतेहपुर में बोलीं राज्यपाल आनंदीबेन: एसआईआर का विरोध न करें, घुसपैठियों को बाहर निकाला जा रहा

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सोमवार को फतेहपुर पहुंचीं, जहां उन्होंने सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया। इसके बाद आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट वितरित की गई, महिलाओं को पोषण किट दिए गए और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। आंगनबाड़ी व्यवस्था पर बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि शून्य से छह वर्ष तक के बच्चों के लिए आंगनबाड़ी केंद्र सबसे महत्वपूर्ण आधार हैं, लेकिन लंबे समय तक इन पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े कॉलेज, विश्वविद्यालय और अधिकारियों के भवन तो सुविधाओं से युक्त हैं, लेकिन जहां छोटे बच्चे पढ़ते और आते हैं, वहां आवश्यक सुविधाओं का अभाव रहा। इसी कमी को दूर करने के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाने की पहल की गई। राज्यपाल ने बताया कि वर्ष 2019 में पदभार संभालने के बाद आंगनबाड़ी और प्राथमिक विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान यह सामने आया कि अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है। बजट की सीमाओं को देखते हुए जनसहयोग के माध्यम से कार्य शुरू किया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 50 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों में 22 से 25 हजार रुपये मूल्य के करीब 22 प्रकार के आवश्यक संसाधन पहुंचाए जा चुके हैं। उन्होंने अपने संबोधन में बेटियों को एचपीवी वैक्सीन दिए जाने के अभियान का भी उल्लेख किया।

आग में लिपटा बच्चा 100 मीटर तक भागा

अलीगढ़। रविवार रात एक बच्चा आग की लपटों में घिरा हुआ गली में 100 मीटर तक भागता रहा। उसकी चीख सुनकर आसपास के लोग दौड़े। लोगों ने पहले उसके कपड़े फाड़कर फेंक दिए। फिर अपने कपड़ों से उसकी आग बुझाई। बच्चा दर्द से कराहता रहा। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया। इलाज के बाद उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। दरअसल, कड़ाके सर्दी की वजह से थाना रोरावर क्षेत्र के मोहल्ला मासूद नगर में गली के कोने पर कुछ लोगों ने लाव जलाया था। काफी देर तक लोग वहां अलाव तापते रहे। बाद में जाते समय वो आग बुझाना भूल गए। पास में आग सुलगाने के लिए रखी एक पेट्रोल की बोतल भी पड़ी रह गई। तभी गली में दो मासूम बच्चे खेलते-खेलते अलाव तक पहुंच गए। उन्होंने खेल-खेल में पेट्रोल की बोतल उठाई और अलाव पर रख दिया। इस दौरान तेज धमाका हुआ और बच्चा आग की चपेट में आ गया। देखते ही देखते बच्चा आग की लपटों में घिर गया। आग का गोला बना बच्चा जान बचाने के लिए भागने लगा। वह गली में करीब 100 मीटर तक चीखता हुआ भागा। तभी आसपास के लोगों ने उसे पकड़ लिया और आग बुझाकर उसे अस्पताल ले गए। घटना का पूरा मंजर पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। मासूद नगर के निवासी सादेब ने बताया- रविवार रात 8 बजे गली में कुछ लोगों ने अलाव जलाकर रखा था। एक घंटे तक आग तापने के बाद वे वहां से चले गए। आग जलती रही। तभी मेहंदी का बेटा फैजान (5) और अकील की बेटी सिदरा (5) वहां खेलते हुए पहुंचे। वे अपने मामा के निकाह में शामिल होने आए थे।पास में आग जलाने के लिए पेट्रोल की बोतल रखी थी। फैजान ने बोतल को उठाया और आग पर रख दिया। जोर से धमाका हुआ। आग की ऊंची लपटें उठीं।

भारत-न्यूज़ीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होने की ऐतिहासिक घोषणा......जाने क्या होगा सस्ता, क्या मंहगा

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के द्विपक्षीय संबंधों में सोमवार को एक नया अध्याय जुड़ गया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने फोन पर चर्चा के दौरान एक व्यापक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) के संपन्न होने की ऐतिहासिक घोषणा की। यह समझौता न केवल दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों को मजबूती देगा, बल्कि आने वाले वर्षों में निवेश और रोजगार के अभूतपूर्व मौके पैदा करेगा। पीएम लक्सन की मार्च 2025 में हुई भारत यात्रा के दौरान एफटीए पर बातचीत शुरू हुई थी, जिसे मात्र 9 महीनों के रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया। उम्मीद है कि अगले तीन महीनों के भीतर इस पर औपचारिक हस्ताक्षर हो जाएंगे और अगले साल से लागू होगा।

दोनों नेताओं ने भरोसा जताया कि समझौते के लागू होने के बाद अगले 5 वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होगा। न्यूज़ीलैंड ने वादा किया है कि वह अगले 15 वर्षों में भारत में करीब 20 अरब डॉलर का निवेश करेगा। वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच वस्तु और सेवा व्यापार करीब 2.4 अरब डॉलर रहा। वर्तमान में भारत का पलड़ा भारी है और यह व्यापार अधिशेष की स्थिति में है। भारतीय व्यापारियों के लिए यह समझौता गेम-चेंजर साबित होगा। समझौते के तहत न्यूज़ीलैंड भारत के 100 फीसदी निर्यातों पर जीरो ड्यूटी मार्केट एक्सेस देगा।

बात करें कि भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के बाद भारत में कुछ चीजें सस्ते होने की उम्मीद है। न्यूज़ीलैंड भारत को बहुत सा कच्चा माल आपूर्ति करता है, जो भारतीय विनिर्माण क्षेत्र के लिए बहुत जरूरी है। इस आयात बास्केट में सबसे बड़ा योगदान लकड़ी और उससे जुड़े उत्पादों का है। न्यूज़ीलैंड से बड़ी मात्रा में लॉग्स, चिरी हुई लकड़ी और वुड पल्प भारत आता है, जो हमारे घरेलू फर्नीचर, कागज निर्माण और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए अनिवार्य कच्चा माल है। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के बाद इन प्रोडक्ट पर अगर भारत आयात शुल्क घटाएगा, तब घरेलू बाजार में फर्नीचर आदि सस्ता हो सकता है। न्यूज़ीलैंड अपनी प्रीमियम गुणवत्ता के एग्री प्रोडक्ट लिए भारतीय बाजारों में खास पहचान बना चुका है। विशेष रूप से कीवी और सेब की मांग भारतीय शहरी मध्यम वर्ग के बीच काफी अधिक है।

अब एमएसएमई ऋण देने में डिजिटल डेटा आधारित निर्णय लेने लगे सरकारी बैंक

- 2,61,281 आवेदन स्वीकृत हुए और 23,541 करोड़ जारी किए गए

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026 के 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर तक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने डिजिटल फुटप्रिंट आधारित क्रेडिट मूल्यांकन मॉडल के तहत 28,724 करोड़ रुपये एमएसएमई को ऋण के रूप में मंजूर किए। इस अवधि में कुल 5,60,655 ऋण आवेदन जांचे गए, जिनमें से 2,61,281 आवेदन स्वीकृत हुए और 23,541 करोड़ रुपये जारी किए गए। लगभग 1,88,999 आवेदन अभी प्रक्रिया में हैं। बैंकों की कुल अस्वीकृति दर लगभग 20 प्रतिशत रही। बैंक ऑफ महाराष्ट्र में यह दर कम रही, जबकि बैंक ऑफ इंडिया और यूको बैंक में अधिक आवेदन अस्वीकृत किए गए। अधिकारियों ने कहा कि यह अस्वीकृति डिजिटल डेटा आधारित वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन को दर्शाती है, न कि विवेकाधीन निर्णय। यह मॉडल 2024-25 के केंद्रीय बजट में पेश किया गया और मार्च 2025 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लॉन्च किया गया। बैंक अब जीएसटी फाइलिंग, आयकर रिटर्न, बैंक खाते की जानकारी और अन्य प्रमाणित डिजिटल रिकॉर्ड का उपयोग करके ऋण प्रस्तावों का मूल्यांकन कर रहे हैं। इस पहल का लक्ष्य एमएसएमई तक औपचारिक ऋण पहुंच बढ़ाना, गिरवी आधारित ऋण की निर्भरता कम करना और कर्ज देने की प्रक्रिया को तेज व पारदर्शी बनाना है।

2025 में विलय-अधिग्रहण में रिकॉर्ड तेजी

- ओपन ऑफर 2008 के बाद सबसे ज्यादा

नई दिल्ली। साल 2025 विलय और अधिग्रहण (एमएंडए) के लिहाज से काफी सक्रिय रहा। प्राइमडेटाबेस डॉट कॉम के अनुसार, इस साल कुल 121 खुली पेशकशें हुईं, जो पिछले 17 वर्षों में सबसे अधिक है। यह संख्या 2008 के बाद दूसरी सर्वाधिक है, जब 133 खुली पेशकशें दर्ज हुई थीं। इस साल कुल 41,443.95 करोड़ रुपये की खुली पेशकशें की गईं, जो मूल्य के लिहाज से तीसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। सबसे बड़ी पेशकशों में टॉरेंट फार्मास्युटिकल्स की जेबी केमिकल्स के लिए 6,842.80 करोड़ रुपये, निजी इक्विटी फर्म सीवीसी कैपिटल की इकाई एक्लिप्स हाउस का आधार फाइनेंसियल्स अधिग्रहण 3,682.15 करोड़ रुपये और आईएचएच हेल्थकेयर द्वारा फोर्टिस हेल्थकेयर का अधिग्रहण 3,349.44 करोड़ रुपये शामिल हैं। आम तौर पर, किसी कंपनी में 5 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी हासिल करने वाली संस्थाएं, कुल 25 फीसदी हिस्सेदारी या नियंत्रण में बदलाव के बाद खुली पेशकश करती हैं। अधिकतर पेशकशों का उद्देश्य न्यूनतम 26 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी हासिल करना और मौजूदा शेयरधारकों को बाहर निकलने का अवसर देना होता है। शेयरधारकों को आम तौर पर अधिग्रहण कीमत या 60 दिन से 52 हफ्ते तक के वॉल्यूम-वेटेड प्राइस के आधार पर भुगतान किया जाता है।

प्राइम डेटाबेस के अनुसार अर्थव्यवस्था के बेहतर प्रदर्शन और पारिवारिक व्यवसायों में पीढ़ीगत बदलाव की वजह से निजी इक्विटी कंपनियां अधिक सक्रिय हैं। एक रिपोर्ट में भी नवंबर 2025 में निजी इक्विटी लेनदेन 2022 के बाद उच्चतम स्तर पर दिखाए गए हैं।

वरुण बेवरेजेज ने ट्विज़ा का 1,119 करोड़ में अधिग्रहण किया

- अधिग्रहण के बाद ट्विज़ा, बेवको की स्टेप-डाउन अनुषंगी कंपनी बन जाएगी

नई दिल्ली। वरुण बेवरेजेज लिमिटेड (वीबीएल) जो भारत और दुनिया के कई देशों में पेप्सिको की प्रमुख बॉटलिंग पार्टनर है, ने दक्षिण अफ्रीका की कंपनी ट्विज़ा का पूर्ण अधिग्रहण करने की घोषणा की है। यह अधिग्रहण उनकी स्थानीय अनुषंगी कंपनी, द बेवरेज कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (बेवको) के माध्यम से किया जाएगा। अधिग्रहण का उद्यम मूल्य 209.5 करोड़ दक्षिण अफ्रीकी रैंड यानी लगभग 1,118.7 करोड़ रुपये तय किया गया है, जो पूरी तरह नकद में भुगतान किया जाएगा। वरुण बेवरेजेज के निदेशक मंडल ने इस सौदे को अपनी हाल की बैठक में मंजूरी दी।

ट्विज़ा गैर-अल्कोहलिक ब्रांडेड पेय पदार्थों का निर्माण और वितरण करती है। कंपनी के तीन उत्पादन केंद्र केप टाउन, क्वीनस्टाउन और मिडेलबर्ग की संयुक्त वार्षिक उत्पादन क्षमता 10 करोड़ नग्दी है। अधिग्रहण के बाद ट्विज़ा बेवको की स्टेप-डाउन अनुषंगी कंपनी बन जाएगी। इस अधिग्रहण से वरुण बेवरेजेज को दक्षिण अफ्रीकी बाजार में अपने गैर-अल्कोहलिक पेय पदार्थों के उत्पादन और वितरण में मजबूती मिलेगी। यह कदम कंपनी के वैश्विक विस्तार रणनीति का हिस्सा है और स्थानीय बाजार में उनके कारोबार को और सुदृढ़ करेगा।

स्मॉलकैप ने 2025 में निवेशकों को दिया असाधारण रिटर्न

मुंबई। साल 2025 भारतीय शेयर बाजार के लिए मिला-जुला रहा। निफ्टी 50 ने करीब 10 फीसदी और सेंसेक्स ने लगभग 9 फीसदी का स्थिर रिटर्न दिया। वहीं स्मॉलकैप सेगमेंट के कुछ शेयरों ने निवेशकों को भारी लाभ दिया। शुरुआती निवेशकों को 3,200 फीसदी से 6,000 फीसदी तक रिटर्न मिलने की खबर है। रिपोर्ट के अनुसार, डिफेंस, सेमीकंडक्टर, रिन्यूएबल एनर्जी और एमएसएमई जैसे सेक्टरों में तेजी रही। कंपनियों ने रणनीतिक बदलाव, विदेशी साझेदारी और मजबूत ऑर्डर बुक के जरिए निवेशकों का भरोसा हासिल किया। स्वदेशी इंडस्ट्रीज का शेयर 2.92 से उछलकर 146.40 रुपए पर पहुंच गया। कंपनी ने फिलीपींस की पर्लेस वेल फ्लोरा के साथ रणनीतिक साझेदारी की है और अब एशिया में एमएसएमई इंडस्ट्रियल पार्क और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे हाई-ग्रोथ क्षेत्रों पर फोकस कर रही है। पहले यूरो एशिया एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के नाम से जाने जाने वाली आरपीपी डिफेंस के शेयर 20.31 से बढ़कर 936.30 रुपए हो गए। कंपनी अब डीप-टेक डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग की ओर बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल की मेरेलाइट के साथ करार के बाद महाराष्ट्र में एडवांस्ड वेपन सिस्टम्स की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट बनाई जाएगी। मिडवेस्ट गोल्ड के शेयर 111.57 से बढ़कर 4,048.85 रुपए तक पहुंच गए। 27 नवंबर 2025 को कंपनी ने श्रीलंका में अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी गुड इनर्जी के गठन की जानकारी दी थी। यह इकाई रिन्यूएबल एनर्जी, क्लीन पावर सॉल्यूशंस और बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम पर काम करेगी। स्वान डिफेंस (पहले रिलायंस नेवल एंड इंजीनियरिंग) के शेयर 37.78 से बढ़कर 1,259.70 रुपए पर पहुंच गए।

रुपया सपाट बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया सपाट बंद हुआ। आज सुबह रुपया 22 पैसे की मजबूती के साथ शुरू हुआ। 89.45 प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

शुक्रवार को यह 89.67 पर बंद हुआ था। विदेशी निवेशक भारत में शेयर बाजार और अन्य परिसंपत्तियों में निवेश बढ़ा रहे हैं, जिससे रुपया मजबूत हुआ। कंपनियों का डॉलर में निवेश और ब्रेंट क्रूड की कीमतें लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल होने से निवेशकों का भरोसा बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया सुबह 89.53 पर खुला और बाद में 89.45 तक मजबूत हुआ। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी बढ़कर 98.63 पर रहा। इसका असर रुपये पर सीमित दिखा।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत उन्नत चरण में: पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत के उन्नत चरण में है।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत पूरी होने पर गोयल ने यहां मीडिया से कहा कि हम अमेरिका के साथ अपनी वार्ता में पहले ही उन्नत चरण में हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के उप व्यापार प्रतिनिधि रिक स्विट्ज़र हाल ही में अपने दल के साथ व्यापार वार्ता की समीक्षा के लिए भारत आए थे। दो दिवसीय बातचीत 11 दिसंबर को पूरी हुई। उन्होंने भारत-न्यूजीलैंड के बीच एफटीए होने से भारत और विभिन्न सेक्टर्स के लिए मिलने वाले अभूतपूर्व अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारे व्यापारियों, निर्यातकों, एमएसएमई, किसानों, महिला उद्यमियों, युवाओं और प्रोफेशनल्स को बेहतर अवसर मिलेंगे। गोयल ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह ऐतिहासिक समझौता विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप वैश्विक व्यापार साझेदारी का विस्तार करेगा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने बताया कि भारत, कनाडा के साथ भी व्यापार समझौते के लिए वार्ता दोबारा शुरू करने की प्रक्रिया में है। हम जल्द ही कनाडा के साथ टीओआर (संदर्भ की शर्तों) पर चर्चा शुरू करने जा रहे हैं। इससे विश्व भू-राजनीति में भारत के बढ़ते रणनीतिक महत्व का पता चलता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत अब तक द्याफाइव आइज द्गठबंधन के 3 सदस्यों ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे चुका है। खुफिया जानकारी साझा करने वाले इस नेटवर्क के पांच देशों में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं।

1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे डिजिटल टैक्स नियम

- टैक्स चोरी पर की जाएगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली। 1 अप्रैल 2026 से भारत में नया टैक्स कानून लागू होगा, जो 1961 के इनकम टैक्स एक्ट की जगह लेगा। सरकार का कहना है कि यह बदलाव टैक्स सिस्टम को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए है। डिजिटल दौर में कमाई, निवेश और लेन-देन का बड़ा हिस्सा ऑनलाइन होता है। इसलिए टैक्स चोरी रोकने के लिए डिजिटल मोर्चे पर सख्ती बढ़ाई जा रही है। नए कानून के तहत आयकर विभाग को जरूरत पड़ने पर सोशल मीडिया अकाउंट्स, ईमेल, क्लाउड स्टोरेज और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स तक कानूनी पहुंच मिलेगी। इसका मकसद फर्जी कंपनियों, बेनामी लेन-देन और छुपी हुई आमदनी पर तेजी से कार्रवाई करना है। इस नियम का सबसे ज्यादा असर उन लोगों पर पड़ेगा जो आमदनी छुपाते हैं, फर्जी कंपनियों के जरिए पैसा घुमाते हैं, बेनामी लेन-देन करते हैं और खर्च ज्यादा और टैक्स कम दिखाते हैं। ईमानदार टैक्सपेयर्स के लिए इसका कोई नकारात्मक असर नहीं होगा। इसे लिए आम लोगों को सलाह दी जाती है कि अपनी आमदनी सही-सही दिखाएं, खर्च और निवेश का रिकॉर्ड रखें, टैक्स रिटर्न ईमानदारी से भरें और डिजिटल लेन-देन में पारदर्शिता बनाए रखें।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी वाली रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 638.12 अंक बढ़कर 85,567.48 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 206 अंक की तेजी के साथ ही 26,172 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, बीईएल, सन फार्मा, एचसीएल टेक, मारुति सुजुकी, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व और आईटीसीके शेयर लाभ में रहे जबकि एसबीआई, कोटक महिंद्रा बैंक, एलएंडटी, इंडिगो और बजाज फाइनेंस के शेयर गिरे थे। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बढ़त रही।

वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 505.10 अंक बढ़कर 60,815.25 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 202.70 अंक ऊपर आकर बढ़त के साथ ही 17,593 पर बंद हुए। ऑटो, मेटल, आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, एनर्जी,

इन्फ्रा, कमोडिटी, कंजम्पशन और सर्विसेज सहित अधिकतर इंडेक्स बढ़त पर बंद हुए। बाजार का रुख आज सकारात्मक रहा। आज 2,794 शेयर बढ़त पर जबकि 1,515 शेयर गिरावट पर थे। वहीं 192 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। बाजार जानकारों ने अनुसार भारतीय शेयर मार्केट में तेजी जारी है। इसका कारण फेड की ओर से ब्याज दरों में कमी से आई है। आईटी और मेटल स्टॉक्स में बढ़त बनी है। निवेशकों की नजरें अब भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर टिकी है।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। सुबह सेंसेक्स 446.78 अंकों की मजबूती के साथ 85,376.14 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 50 146.75 अंकों की बढ़त के साथ 26,115.90 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एशिया-पैसिफिक बाजारों में भी तेजी देखने को मिली। चीन के केंद्रीय बैंक द्वारा लोन प्राइम रेट को स्थिर रखने के बाद जापान का निक्केई 225 1.86 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.9 फीसदी चढ़ा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 भी 0.83 फीसदी की बढ़त के साथ खुला, जिससे भारतीय बाजार को भी समर्थन मिला।

भारत का दवा उद्योग 2047 तक 500 अरब डॉलर के लक्ष्य की ओर

- देश का दवा उद्योग पिछले 25 वर्षों में 3 अरब डॉलर से 60 अरब डॉलर तक बढ़ चुका

नई दिल्ली। भारत का दवा उद्योग वर्ष 2026 से अगले पांच साल को निर्णायक चरण मान रहा है, ताकि यह वर्ष 2047 तक 450-500 अरब डॉलर का उद्योग बनते हुए वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित हो सके। यह लक्ष्य वैश्विक व्यापार पुनर्संरचना और शुल्क उतार-चढ़ाव जैसी चुनौतियों के बीच रखा गया है। देश का दवा उद्योग मुख्य रूप से जेनेरिक दवाओं पर आधारित है और पिछले 25 वर्षों में 3 अरब डॉलर से 60 अरब डॉलर तक बढ़ चुका है। अब कंपनियां अगली पीढ़ी की दवाओं और नवाचार की दिशा में तेजी से बढ़ रही है। आगामी सात वर्षों में 300 अरब डॉलर से अधिक मूल्य की दवाओं के पेटेंट समाप्त होंगे, जो भारतीय कंपनियों के लिए

नए उत्पाद हासिल करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़त बनाने का अवसर है। प्रमुख कंपनियां उच्च मूल्य वाले उत्पाद खरीद रही हैं, लाइसेंस समझौते कर रही है और नई दवाओं के लिए नियामक स्वीकृति प्राप्त कर रही हैं। दवा-चिकित्सकीय प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करने वाली पीआरआईपी योजना उद्योग से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त कर रही है। इसके साथ ही बौद्धिक संपदा सुरक्षा, उत्पादन मानकों का उन्नयन और वैश्विक गुणवत्ता मानकों के साथ तालमेल पर सरकार का ध्यान इस संक्रमण को और मजबूत बना रहा है। आईपीए और ओपीपीआई जैसे प्रमुख संगठनों ने माना है कि यह समय नवाचार, गुणवत्ता और पहुंच पर आधारित निर्णायक मोड़ है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र और चिकित्सकीय प्रौद्योगिकी उद्योग भी नए मॉडल और वैश्विक नेतृत्व के अवसर तलाश रहे हैं।

सेबी ने शॉर्ट सेलिंग नियमों में बदलाव की खबर खारिज की

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने स्पष्ट किया है कि शॉर्ट सेलिंग के नियमों में अभी कोई बदलाव नहीं हुआ है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स ने यह गलत खबर फैलाई थी कि नियमों में संशोधन हुआ है, जिसे सेबी ने खारिज किया। सेबी के एक प्रमुख अधिकारी ने नवंबर में कहा था कि नियामक जल्द ही शॉर्ट सेलिंग और सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग (एसएलबी) ढांचे की व्यापक समीक्षा के लिए एक कार्य समूह का गठन करेगा। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि नियम तुरंत बदल गए हैं। शॉर्ट सेलिंग का ढांचा वर्ष 2007 में लागू हुआ था और तब से अधिकांशतः अपरिवर्तित रहा है। वर्तमान में निवेशकों और बाजार प्रतिभागियों को मौजूदा नियमों के अनुसार ही कार्य करना होगा।

इंस्टामार्ट ने हाउ इंडिया इंस्टामार्टेड का पांचवां संस्करण जारी किया

नई : अपने झटके, हरियाली और रचा जीवनशैली के लिए जानी जाने वाली नई अब आधुनिक सुविधा की ओर एक शांत लेकिन निर्णायक बदलाव कर रही है। भारत के अग्रणी क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म इंस्टामार्ट ने जब अपनी सालाना ईयर-एंड रिपोर्ट हाउ इंडिया इंस्टामार्टेड 2025 का पांचवां संस्करण जारी किया, तो नई में नॉन-ग्रोसरी कैटेगरी में जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली। ज्वैलरी और हेयर एक्सेसरीज की करीब 36 गुना बढ़ी, स्पोर्ट्स और फिटनेस कैटेगरी में 29 गुना उछाल आया, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स और अप्लायंसेज में 24 गुना ग्रोथ दर्ज की गई। यह आंकड़े साफ दिखाते हैं कि नई अब सुविधा, स्पीड और वैरायटी के लिए क्विक कॉमर्स वाला शहर बन चुका है। स्विगी के चीफ बिजनेस ऑफिसर हरि कुमार जी ने कहा भारत में क्विक कॉमर्स अब सिर्फ सुविधा तक सीमित नहीं रहा है। यह केवल एक सेवा नहीं, बल्कि आधुनिक भारतीय जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। 2025 में नई ने इंस्टामार्ट से सबसे ज्यादा बार ऑर्डर किया जिससे नई की बढ़ती एक नाले दार सिटी के रूप में मजबूत हुई।

मिलेंगे। गोयल ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह ऐतिहासिक समझौता विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप वैश्विक व्यापार साझेदारी का विस्तार करेगा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने बताया कि भारत, कनाडा के साथ भी व्यापार समझौते के लिए वार्ता दोबारा शुरू करने की प्रक्रिया में है। हम जल्द ही कनाडा के साथ टीओआर (संदर्भ की शर्तों) पर चर्चा शुरू करने जा रहे हैं। इससे विश्व भू-राजनीति में भारत के बढ़ते रणनीतिक महत्व का पता चलता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत अब तक द्याफाइव आइज द्गठबंधन के 3 सदस्यों ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे चुका है। खुफिया जानकारी साझा करने वाले इस नेटवर्क के पांच देशों में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं।

विश्व में शांति स्थापित करने हेतु भारतीय संस्कृति का उत्थान आवश्यक है

प्रहलाद सबनानी

भारतीय संस्कृति में जीवन दर्शन के आधार पर जीवन मूल्य एवं जीवन तत्व निर्धारित होते हैं और इसके बाद समाज की जीवन व्यवस्था भी निर्धारित हो जाती है। भारत में समस्त सांस्कृतिक विधियां, प्रथाएं, पद्धतियां एवं परम्पराएं जीवन व्यवस्था के भाग मानी जाती हैं। कुलधर्म, जातिधर्म, समाजधर्म, पंच महायज्ञ, चार आश्रम, चार वर्ण, जाति व्यवस्था, भारतीय शिक्षा पद्धति भी भारतीय संस्कृति में जीवन व्यवस्था का भाग ही माने जाते हैं।

कहा जाता है कि सतयुग में समाज पूर्णतः एकरस था और उस समय के समाज में भारतीय संस्कृति की झलक स्पष्टतः दिखाई देती थी। एक कहानी के माध्यम से इस बात को बहुत आसानी से समझा जा सकता है। सतयुग के खंडकाल में एक किसान ने अपनी जमीन बेची। जिस व्यक्ति ने यह जमीन खरीदी थी, उसे, उस जमीन की खुदाई के दौरान सोने के सिक्कों से भरा हुआ एक घड़ा मिला। उस घड़े को लेकर यह किसान जमीन के विक्रेता के पास पहुंचा और बोला कि आपकी जमीन में से यह सोने के सिक्कों से भरा हुआ घड़ा मिला है, चूंकि मैंने आपसे केवल जमीन खरीदी है अतः इन सोने के सिक्कों पर मेरा अधिकार नहीं है और आप यह घड़ा अपने पास रख लें, सोने के इन सिक्कों पर आपका अधिकार है। जमीन के विक्रेता ने सोने के सिक्कों से भरे उस घड़े को लेने से यह कहकर साफ इनकार कर दिया कि मैंने तो वह जमीन आपको बेच दी है, अतः बाद में उस जमीन से जो भी वस्तु आप प्राप्त करते हैं उस पर आपका ही अधिकार हैं। उस वस्तु पर मेरा अधिकार कैसे हो सकता है? जब उस जमीन के क्रेता एवं विक्रेता के बीच कोई समझौता नहीं हो सका तो वे सोने के सिक्कों से भरे उस घड़े को लेकर अपने राज्य के राजा के पास पहुंचे और दोनों ने राजा को पूरी बात बताई तथा राजा से आग्रह किया कि सोने के सिक्कों को राजा साहब राज्य के खजाने में जमा करा दें। राजा ने भी सोने के सिक्कों से भरे उस घड़े को राज्य के खजाने में जमा करने से यह कहकर इंकार कर दिया कि राज्य के नियमों में इस प्रकार का कोई प्रावधान नहीं है कि बगैर किसी उचित कारण के प्राप्त धन को राज्य के खजाने में जमा कर दिया जाय। इस सम्बंध में जो नियम निर्धारित हैं उन नियमों के आधार पर यह सोने के सिक्के राज्य के खजाने में जमा नहीं किये जा सकते हैं। ऐसा था, सतयुग का खंडकाल। जो वस्तु हमारी नहीं है उस वस्तु को हम कैसे अपने पास रख सकते हैं? प्रत्येक नागरिक इस भावना के साथ समाज में एकरस भाव से रहता था।

सतयुग के बाद आया त्रेतायुग, इस युग में समाज में समरसता के भाव में कुछ कमी दिखाई दी थी। जैसे एक समाज (दानव) के राजा रावण ने दूसरे समाज (देव) की माता सीता का अपहरण किया और अपने राज्य में कैद कर लिया। प्रभु श्रीराम ने आदिवासियों और वानरों के समूह को एक कर, इन सभी में समरसता का भाव जागृत करते हुए, रावण के राज्य पर आक्रमण किया एवं माता सीता को उस राज्य के चंगुल से छुड़ाकर सकुशल अयोध्या लाने में सफल हुए। प्रभु श्रीराम ने त्रेतायुग में यह संदेश दिया कि सर्व समाज यदि संगठित रहता है तो किसी भी बुराई से पार पाया जा सकता है। अतः त्रेतायुग में संगठन की महत्ता सिद्ध हुई थी।

त्रेतायुग के बाद द्वापर युग आया, इस खंडकाल में तो समाज क्या, बल्कि दो परिवारों के बीच की एकता भी समाप्त हो चुकी थी। कौरव परिवार ने अपने ही पांडव भाईयों को केवल 5 गांव देने से साफ इंकार कर दिया। जिसके कारण आगे चलकर कौरव एवं पांडवों की बीच महाभारत युद्ध हुआ। आज के खंडकाल कलयुग की तो बात ही निराली है। आज पश्चिमी जगत में प्रत्येक व्यक्ति केवल अपने सुख के लिए ही कार्य करता हुआ दिखाई देता है। परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति जैसे उसकी कोई जिम्मेदारी ही नहीं है। आज कलयुग में नागरिक अपने आप में केंद्रित हो गए हैं एवं उन्हें परिवार, समाज, राष्ट्र आदि के प्रति किसी जिम्मेदारी का भाव जागृत ही नहीं होता।

भारतीय संस्कृति में सामाजिक समरसता को अति महत्व दिया गया है। अतः स्वयं के साथ, परिवार, समाज, नगर, राष्ट्र एवं पूरे विश्व को समता के भाव के साथ देखा जाता है। पूरी सृष्टि ही हमारा परिवार है, इस भावना को हृवसुधैव कुटुंबकम्ह्; हृसर्वे भवन्तु सुखिनःह्; हृसर्वजन हिताय सर्वजन सुखायह् के माध्यम से झलकाया जाता है। पूरे विश्व में आज अशांति का माहौल है, कई देश आपस में लड़ रहे हैं तथा कई देशों के अंदर विभिन्न मत पंथों को मानने वाले नागरिक आपस में मार काट मचाए हुए हैं। ऐसे भयंकर समय में केवल और केवल भारतीय संस्कृति ही इस पूरे विश्व में शांति का माहौल पुनः स्थापित कर सकती है।

विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी में सेवा कार्य में संलग्न आदरणीय दीदी निवेदिता रघुनाथ भिड़े ने हृभारतीय संस्कृति - चुनौतियां एवं सम्भावनाएंह् नामक पुस्तक में भारतीय संस्कृति के बारे में जीवन दर्शन की व्याख्या करते हुए बताया है कि हृजिस ज्ञान के द्वारा साधक विभक्त प्राणियों में विभाग रहित एक अविनाशी भाव को देखता है, उस ज्ञान को सात्विक ज्ञान कहा गया है। भारतीय संस्कृति का जीवन दर्शन या जीवन दृष्टि सात्विक ज्ञान से निर्धारित हुई है। ईश्वर, मानव, सृष्टि अलग अलग नहीं है। अतः भारतीय संस्कृति का जीवन दर्शन एकात्म हैह् इसके विपरीत, जिस ज्ञान के द्वारा मनुष्य सम्पूर्ण प्राणियों में अलग अलग अनेक भावों को अलग अलग रूप से जानता है, इस ज्ञान को राजस ज्ञान कहा गया है। क्रिश्चियन एवं इस्लाम पंथ इसी ज्ञान से प्रेरित है। साथ ही, जिस ज्ञान के द्वारा मनुष्य एक कार्य (शरीर) में ही आसक्त हो जाता है, मानों वह (कार्य ही) सब कुछ हो तथा जो (ज्ञान) हेतुरहित (अयुक्तिक), तत्त्वार्थ से रहित तथा संकुचित (अल्प) है, वह (ज्ञान) तामस है। पूंजीवाद, कम्युनिज्म, नक्सलवाद, साम्यवाद, मार्क्सवाद और माओवाद का जीवन दर्शन तामसिक ज्ञान से प्रेरित है। उपरोक्त वर्णित पुस्तक में यह भी बताया गया है कि उक्त जीवन दर्शन के आधार पर ही राष्ट्र में जीवन मूल्य एवं जीवन तत्व निर्मित होते हैं, जिनका अनुपालन उस राष्ट्र के नागरिक करते हैं। भारतीय संस्कृति के कुल 12 जीवन मूल्य बताए गए हैं - (1) सभी के प्रति आदर एवं सम्मान का भाव रखना; (2) प्रत्येक जीव को ईश्वर का रूप माना जाना; (3) इष्टदेव अर्थात ईश्वर अपने अंतःकरण में खोज का विषय है, अतः ईश्वर को बाहर खोजने के स्थान पर अपने अंदर खोजा जाना; (4) विविधता में एकता मानी गई है, जिसके चलते ही सर्व समाज एकरस रहने का प्रयास करता है; (5) चतुर्विध पुरुषार्थ - धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष, अर्थात काम एवं अर्थ सम्बंधी गतिविधियों को धर्म के आधार पर सम्पन्न किया जाता है एवं अंत में मोक्ष प्राप्ति की अपेक्षा की जाती है; (6) महिलाओं का सम्मान - भारतीय संस्कृति में मातृशक्ति को देवी का दर्जा दिया जाता है; (7) उदार एवं समावेशक - शक, हूण, कुषाण, पारसी, यहूदी आदि अन्य देशों से भारत में आए एवं भारत के ही होकर रह गए, भारतीय संस्कृति के संस्कारों को उन्होंने अपने आप में आत्मसात कर लिया। यह केवल भारत में ही सम्भव है; (8) कर्म सिद्धांत - इस मानव जन्म में किए गए कर्मों के आधार पर ही मोक्ष की प्राप्ति अथवा 84 लाख योनियों के चक्र में फिर से फंसने की सम्भावना के बारे में निर्णय होता है; (9) आत्मा की संकल्पना - इस धरा पर जब जब पापों का घड़ा भर जाता है तब तब ईश्वर इस धरा पर अवतार लेकर अवतरित होते हैं; (10) आध्यात्म विकास में नहीं, अनुभूति में और होने में है; (11) यज्ञ का महत्व - समाज की सेवा के माध्यम से भी यज्ञ सम्पन्न किया जा सकता है, अन्य कई प्रकार के यज्ञों का वर्णन भी भारतीय संस्कृति में मिलता है; (12) आत्म संयम - अपना जीवन संयम के साथ जीने की कला भारतीय संस्कृति के जीवन मूल्यों में शामिल है, इसके अंतर्गत किसी अन्य प्राणी का अहित करने के बारे में तो कभी सोचा भी नहीं जाता है।

भारतीय संस्कृति में जीवन दर्शन के आधार पर जीवन मूल्य एवं जीवन तत्व निर्धारित होते हैं और इसके बाद समाज की जीवन व्यवस्था भी निर्धारित हो जाती है। भारत में समस्त सांस्कृतिक विधियां, प्रथाएं, पद्धतियां एवं परम्पराएं जीवन व्यवस्था के भाग मानी जाती हैं। कुलधर्म, जातिधर्म, समाजधर्म, पंच महायज्ञ, चार आश्रम, चार वर्ण, जाति व्यवस्था, भारतीय शिक्षा पद्धति भी भारतीय संस्कृति में जीवन व्यवस्था का भाग ही माने जाते हैं। मुगल काल एवं ब्रिटिश शासन काल में भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का बहुत प्रयास किया गया था। इस खंडकाल में भारतीय नागरिक अपनी महान परम्पराएं भूल गए थे। इसी खंडकाल में वैश्विक स्तर पर ग्रीक, रोमन, फारसी, मिस्र जैसी कई संस्कृतियां विलुप्त हो गई परंतु भारतीय संस्कृति अभी भी कायम है और मुगल काल एवं ब्रिटिश शासन काल में भारतीय संस्कृति को समाप्त नहीं किया जा सका है। उन्हीं कारणों के चलते अब यह कहा जा रहा है कि समस्त विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से वैश्विक स्तर पर भारतीय संस्कृति का उत्थान अति आवश्यक है।

संपादकीय

'गैस चैंबर' राजधानी

देश की राजधानी दिल्ली बीते कई सालों से 'गैस चैंबर' बनी है। यह सिलसिला अक्तूबर में शुरू होता है और फरवरी तक जारी रहता है। 'गैस चैंबर' की टिप्पणी सर्वोच्च अदालत और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की है। देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने बीते दिनों अपनी पीड़ा व्यक्त की थी कि अब दिल्ली में सुबह की सैर करना भी दूभर हो गया है। सांस घुटने लगता है। राजधानी में इतना प्रदूषण है कि जो परिवार 35-40 साल से दिल्ली में बसे थे, दिल्ली में ही कामकाज था, वे या तो दिल्ली छोड़ चुके हैं अथवा छोड़ कर गांव लौटने की तैयारी में हैं। दरअसल स्वच्छ और सेहतमंद हवा कोई 'विलासिता' नहीं है, बल्कि नागरिकों का अधिकार है। नागरिकों पर बलात अत्याचार ढाया जा रहा है। शनिवार को राजधानी दिल्ली के 12 इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 से अधिक था। कहीं-कहीं 450 को भी लांघ गया था। दिल्ली-एनसीआर के नोएडा इलाके में भी एक्यूआई 409 था। नोएडा में तो नाले सूख गए हैं, जिनमें से एक दुर्गंधमयी गैस निकलती है, जो प्रदूषण की बुनियादी कारक है। राजधानी में प्रदूषण की यह जानलेवा स्तर की 'खतरनाक स्थिति' है। बेशक यह 'स्वास्थ्य का आपातकाल' है। स्कूलों में छोटे बच्चों के लिए छुट्टी घोषित की गई है। मंत्री आशीष सूद के मुताबिक, 10000 स्कूलों में एयर प्यूरीफायर लगाए जाएंगे। क्या उनसे प्रदूषण नियंत्रित होगा? 50 फीसदी कर्मचारियों को 'वर्क फ्रॉम होम' के आदेश दिए गए हैं। ऐसे कब तक प्रदूषण से बचेंगे? इस साल के अंत तक बिजली वाली 7000 बसें खरीदी जाएंगी। दिल्ली सरकार के दूसरे मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने चेतावनी जारी की है कि कल से (रविवार से ही) मौसम ज्यादा खराब होगा। इस मंत्री ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि निर्माण-कार्य नहीं रोके गए, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राजधानी दिल्ली ऐसा महानगर है, जो हररोज, हर पल धूल में सना दिखाई देता है। वायु प्रदूषण का यह सबसे खतरनाक स्रोत है। दिल्ली-एनसीआर में 3.3 करोड़ से अधिक वाहन पंजीकृत हैं। अकेली दिल्ली में ही 2.88 करोड़ कारें और दोपहिया वाहन हैं। मानकों के मुताबिक, करीब 51 फीसदी प्रदूषण वाहनों के कारण ही होता है।

चिंतन-मनन

अपने अंदर रहना ही ध्यान

जब हम दुखी होते हैं तो लगता है समय बहुत लम्बा है। जब प्रसन्न होते हैं तो समय का अनुभव नहीं होता है। तो प्रसन्नता या आनन्द क्या है? यह हमारी स्वयं की आत्मा है। यही आत्मतत्व शिव तत्व है या शिव का सिद्धांत है। प्रायः हम जब भगवान की बात करते हैं तो प्रत्येक व्यक्ति तुरन्त ऊपर की ओर देखता है। पर ऊपर कुछ नहीं है। प्रत्येक वस्तु हमारे अन्दर है। अन्दर की तरफ देखना या अपने अन्दर रहना ही ध्यान है। जब तुम अपने किसी नजदीकी व्यक्ति, अपने मित्र या किसी अन्य की तरफ देखते हो तो तुम्हें क्या लगता है? तुम्हारे अन्दर कुछ-कुछ होता है। तुम्हें ऐसा अनुभव होता है कि कोई नई ऊर्जा तुम्हारे अन्दर से होकर प्रवाहित हो रही है। उन महान क्षणों को पकड़ो। यह वही महान क्षण हैं, जो समयशून्य क्षण होते हैं। ईश्वर ने तुमको दुनिया में सभी छोटे-मोटे सुख व आनन्द दिया है, लेकिन चरम आनन्द अपने पास रखा है। उस चरम आनन्द को प्राप्त करने के लिए तुम्हें उस ईश्वर और केवल ईश्वर के पास ही जाना होगा। अपने प्रयासों में निष्ठ रखो। जब तुम इस परम आनन्द को प्राप्त करते हो तो बाकी प्रत्येक वस्तुएं आनन्दमय हो जाती हैं। ईश्वर को अच्छा समय दो, इससे तुम पुरस्कृत होगे। यदि तुम्हारी प्रार्थना स्वीकार नहीं होती तो इसका मतलब है कि तुमने ईश्वर को अच्छा समय नहीं दिया है। सत्संग और ध्यान को अपनी सबसे ऊंची प्राथमिकता दो। भगवान को सबसे महत्वपूर्ण समय दो। इसका तुम्हें अवश्य ही अच्छा पुरस्कार मिलेगा। जब तुम भगवान से कोई वरदान प्राप्त करने की शीघ्रता में नहीं हो तब तुम्हें यह अनुभव होगा कि भगवान तुम्हारा है। सजगता या अभ्यास द्वारा तुम इसी बिन्दु पर पहुंच सकते हो। ईश्वर या देव तुम्हारा है। जब तुम यह जान जाते हो कि तुम पूरे ईश्वरीय सत्ता के ही एक अंश हो, तो तुम उससे कोई मांग करना बन्द कर देते हो। तब तुम जानते हो कि तुम्हारे लिए सब कुछ किया जा रहा है। तुम्हारी देखभाल की जा रही है। मन में शीघ्रता या उतावलापन करना धैर्य की कमी होती है। आलस्य का मतलब आपके क्रिया-कलापों में सुस्ती होती है। इसका सही सूत्र मन में धैर्य और अपने क्रियाकलापों में तेजी होती है।

चौधरी चरण सिंहः ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सूत्रधार और कृषक क्रांति के शिल्पकार

दिलीप कुमार पाठक

हम सब धरती पुत्र ही हैं, परंतु धरती के सबसे प्रिय पुत्र किसान ही होते हैं ' कृषि किसी भी देश की रीढ़ होती है, और उस रीढ़ के रक्षक किसान होते हैं, महापुरुषों ने किसानों को सभ्यता की नींव, देश की रीढ़ और आशावादी बताया है; महात्मा गांधी के अनुसार, उद्धार किसानों से ही संभव है, जबकि थॉमस जेफरसन ने कृषि को सबसे बुद्धिमान कार्य कहा, और जॉन एफ. केनेडी ने किसान को अर्थव्यवस्था का सबसे प्रमुख कारक बताया जो हर चीज थोक में बेचकर और खुदरा में खरीदकर भाड़ा भी भरता है; इनके अलावा कई अन्य विचारकों ने भी किसानों के धैर्य, मेहनत और महत्व को सराहा है, बुकर टी. वॉशिंगटन ने कहा कि खेत जोतना कविता लिखने जितना ही सम्मानजनक है।

कृषि प्रधान देश में जहां देश के किसानों को आंदोलन के जरिए अपनी बात कहने के लिए दिल्ली जाने से रोक दिया जाता है, उसी देश में एक ऐसे महान नेता हुए जिन्हें किसानों का मसीहा कहा गया, देश के प्रधानमंत्री बने परंतु प्रमुख पहिचान उनकी एक किसान के रूप में ही होती है, जिनको दुनिया भारतरत्न चौधरी चरण सिंह के नाम से जानती है ' किसान दिवस भारत के पूर्व पीएम किसानों के मसीहा भारतरत्न चौधरी चरण सिंह की जयंती 23 दिसंबर को मनाया जाता है। चरण सिंह किसानों के सर्वमान्य नेता थे। उन्होंने भूमि सुधारों पर काफी काम किया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में और केन्द्र में वित्तमंत्री के रूप में उन्होंने गांवों और किसानों को प्राथमिकता में रखकर बजट बनाया था। उनका मानना था कि खेती के केन्द्र में है किसान, इसलिए उसके साथ कृतज्ञता से पेश आना चाहिए और उसके श्रम का प्रतिफल अवश्य मिलना चाहिए।

किसान हर देश की प्रगति में विशेष सहायक होते हैं। एक किसान ही है जिसके बल पर देश अपने खाद्यान्नों की खुशहाली को समृद्ध कर सकता है। देश में राष्ट्रपिता गांधी जी ने भी किसानों को ही देश का सरताज माना था। लेकिन देश की आजादी के बाद ऐसे नेता कम ही देखने में आए जिन्होंने किसानों के विकास के लिए निष्पक्ष रूप में काम किया। ऐसे नेताओं में सबसे अग्रणी थे, देश के पूर्व पीएम भारतरत्न चौधरी चरण सिंह। चरण सिंह को किसानों के अभूतपूर्व विकास के लिए याद किया जाता है। चौधरी चरण सिंह की नीति किसानों व गरीबों को ऊपर उठाने की थी। उन्होंने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की कि बगैर किसानों को खुशहाल किए देश व प्रदेश का विकास नहीं हो सकता। चरण सिंह ने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वह गंभीर थे। उनका कहना था कि भारत का संपूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। किसानों के मसीहा चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर, 1902 को उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में हुआ था।

चौधरी चरण सिंह के पिता चौधरी मीर सिंह ने अपने नैतिक मूल्यों को विरासत में चरण सिंह को सौंपा था। चौधरी साहब ने किसानों, पिछड़ों और गरीबों की राजनीति की। उन्होंने खेती और गांव को महत्व दिया। वह ग्रामीण समस्याओं को गहराई से समझते थे और अपने मुख्यमंत्रित्व तथा केन्द्र सरकार के वित्तमंत्री के कार्यकाल में उन्होंने बजट का बड़ा भाग किसानों तथा गांवों के पक्ष में रखा था। वे जातिवाद को गुलामी की जड़ मानते थे और कहते थे कि जाति प्रथा के रहते बराबरी, संपन्नता और राष्ट्र की सुरक्षा नहीं हो सकती है।

आजादी के बाद चरण सिंह पूर्णतः किसानों के लिए लड़ने लगे, चरण सिंह की मेहनत के कारण ही 'जमींदारी उन्मूलन विधेयक' साल 1952 में पारित हो सका। इस एक विधेयक ने सदियों से खेतों में खून पसीना बहाने वाले किसानों को जीने का मौका दिया। जोत अधिनियम1960 जमीन की अधिकतम सीमा तय कर उसे एक समान बनाने के लिए यह कानून लाए। विकेन्द्रीकृत अर्थव्यवस्था और ग्रामीण विकास के प्रबल समर्थक थे। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन में योगदान दिया। मंत्रियों के वेतन और भत्तों में कटौती जैसे जनहितकारी कदम उठाए। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जब वे उप प्रधानमंत्री थे। जमींदारी उन्मूलन, भारत की गरीबी और उसका समाधान, किसानों की भूसंपत्ति जैसी कई किताबें और पुस्तिकाएं लिखीं, जो उनके विचारों को दर्शाती हैं ' दृढ़ इच्छा शक्ति के धनी चरण सिंह ने प्रदेश के 27000 पटवारियों के त्यागपत्र को स्वीकार कर 'लेखपाल' पद का सृजन कर नई भर्ती करके किसानों को पटवारी आतंक से मुक्ति तो दिलाई ही, प्रशासनिक धाक भी जमाई। लेखपाल भर्ती में 18 प्रतिशत स्थान हरिजनों के लिए चौधरी चरण सिंह ने आरक्षित किया था। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना मसीहा मानने लगे थे। उन्होंने समस्त उत्तर प्रदेश में भ्रमण करते हुए कृषकों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में कृषि मुख्य व्यवसाय था। कृषकों में सम्मान होने के कारण इन्हें किसी भी चुनाव में हार का मुख नहीं देखना पड़ा ' भारतरत्न चौधरी चरण सिंह जैसे नेता सदियों में जन्म लेते हैं '

सड़कें, सुरक्षा और सिस्टम में बदलाव के साथ ही विकास की रफ्तार में जान बचाने की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

भारत में सड़कें विकास की धमनियां मानी जाती हैं, लेकिन यही सड़कें हर साल लाखों परिवारों के लिए दर्द और मातम की वजह भी बन रही हैं। देश में हर वर्ष करीब पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें लगभग 1.8 लाख लोगों की जान चली जाती है। यह आंकड़े सिर्फ संख्या नहीं हैं, बल्कि वे सपने हैं जो अधूरे रह जाते हैं। वे परिवार हैं जो जीवनभर का खालीपन झेलने को मजबूर हो जाते हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि इन हादसों में मारे जाने वालों में लगभग 66 प्रतिशत लोग 18 से 34 वर्ष की आयु वर्ग के होते हैं, यानी देश की सबसे युवा, सबसे ऊर्जावान और उत्पादक आबादी। यह स्थिति न केवल सामाजिक चिंता का विषय है, बल्कि आर्थिक और राष्ट्रीय विकास के लिए भी गंभीर चेतावनी है।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इन आंकड़ों को रखते हुए सरकार की चिंता और प्रयासों दोनों को सामने रखा। उन्होंने स्वीकार किया कि सड़क सुरक्षा को लेकर कानून, नियम और सुधारों के बावजूद अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई है। मंत्री ने बताया कि दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या में मौतें इसलिए होती हैं क्योंकि घायलों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। एक आईआईएम के अध्ययन का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यदि सड़क हादसे के बाद घायलों को दस मिनट के भीतर चिकित्सा सहायता मिल जाए, तो हर साल करीब पचास हजार लोगों की जान बचाई जा सकती है। यह आंकड़ा बताता है कि समस्या केवल सड़क की गुणवत्ता या वाहनों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि आपातकालीन स्वास्थ्य व्यवस्था, त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली और प्रशासनिक समन्वय की भी है।

देश में सड़क दुर्घटनाओं की भयावहता को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि युवा वर्ग सबसे अधिक प्रभावित क्यों है। तेजी से बढ़ती मोटराइजेशन, जोखिम भरी ड्राइविंग, तेज रफ्तार, शराब या नशे में वाहन चलाना, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनदेखी, और ट्रैफिक नियमों के प्रति लापरवाही इसके प्रमुख कारण हैं। इसके साथ ही, कई जगहों पर सड़क डिजाइन, साइन बोर्ड, लाइटिंग और ब्लैक स्पॉट्स की अनदेखी भी दुर्घटनाओं को न्योता देती है। सरकार ने इन समस्याओं से निपटने के लिए ब्लैक स्पॉट सुधार, सड़क सुरक्षा ऑडिट, जागरूकता अभियान और कड़े कानून लागू किए हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका असर अभी भी सीमित दिखाई देता है।

सड़क सुरक्षा के साथ-साथ देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की रफ्तार भी एक बड़ा मुद्दा है। मंत्री ने सदन में बताया कि वर्तमान में स्वीकृत 574 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं तय समय से पीछे चल रही हैं। इन परियोजनाओं की कुल लागत करीब 3.50 लाख करोड़ रुपये है, जो अपने आप में बताती है कि देरी का असर केवल निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि अर्थव्यवस्था, रोजगार और क्षेत्रीय विकास पर भी पड़ता है। इन विलंबित परियोजनाओं में से करीब 300 परियोजनाएं एक साल से कम समय से, 253 परियोजनाएं एक से तीन साल से और 21 परियोजनाएं तीन साल से अधिक समय से लंबित हैं। यह स्थिति यह सवाल खड़ा करती है कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में परियोजनाएं समय पर पूरी क्यों नहीं हो पा रही हैं।

मंत्री ने इसके पीछे कई कारण गिनाए। भूमि अधिग्रहण सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है, जहां कानूनी विवाद, मुआवजे को लेकर असहमति और स्थानीय विरोध परियोजनाओं को रोक देते हैं। इसके अलावा, वन और वन्यजीव मंजूरी जैसी पूर्व-स्वीकृतियों में देरी भी बड़ी समस्या है। करीब 133 परियोजनाएं ऐसी हैं, जिनकी लागत कम है, लेकिन वे अभी तक आवश्यक मंजूरियां नहीं मिलने के कारण शुरू ही नहीं हो सकी हैं। धन की उपलब्धता, ठेकेदारों की क्षमता, पर्यावरणीय संतुलन और राज्यों के साथ समन्वय जैसे मुद्दे भी निर्माण की गति को प्रभावित करते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि जहां एक ओर नई सड़कें बनने में देरी होती है, वहीं दूसरी ओर पुरानी और भीड़भाड़ वाली सड़कों पर दुर्घटनाओं का जोखिम बना रहता है।

इन चुनौतियों के बीच सरकार टोल कलेक्शन व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है, जिसे सड़क यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। नितिन गडकरी ने बताया कि 2026 के अंत तक देशभर में सैटेलाइट आधारित टोल कलेक्शन सिस्टम लागू कर दिया जाएगा। यह प्रणाली सैटेलाइट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नंबर प्लेट पहचान तकनीक पर आधारित होगी, जिसमें फास्टैग का भी इस्तेमाल किया जाएगा। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि वाहन बिना रुके, करीब 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से टोल प्लाजा पार कर सकेंगे और स्वचालित रूप से टोल कट जाएगा।

वर्तमान में मैनुअल टोल प्रणाली में जहां तीन से दस मिनट तक का समय लग जाता था, वहीं फास्टैग के आने से यह समय घटकर करीब 60 सेकंड हुआ। नई सैटेलाइट आधारित व्यवस्था का लक्ष्य है कि टोल पर रुकने की जरूरत ही न पड़े। इससे न केवल यात्रियों का समय बचेगा, बल्कि ईंधन की भी बड़ी बचत होगी। मंत्री के अनुसार, इस प्रणाली से हर साल करीब 1,500 करोड़ रुपये के ईंधन की बचत होगी, क्योंकि टोल प्लाजा पर रुकने और दोबारा गति पकड़ने में होने वाला ईंधन खर्च कम हो जाएगा। इसके साथ ही सरकार के राजस्व में भी करीब 6,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होने का अनुमान है।

हालांकि, तकनीक आधारित इस बदलाव के साथ कुछ सवाल और चुनौतियां भी जुड़ी हैं। डेटा सुरक्षा, गोपनीयता, सिस्टम की सटीकता और ग्रामीण तथा दूरदराज इलाकों में इसके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सरकार को विशेष ध्यान देना होगा। साथ ही, यह सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि टोल की गणना पारदर्शी हो और आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े। यदि यह प्रणाली सही ढंग से लागू होती है, तो यह न केवल यात्रा को आसान बनाएगी, बल्कि ट्रैफिक जाम और उससे होने वाली दुर्घटनाओं को भी कम करने में मदद कर सकती है।

सड़क सुरक्षा, निर्माण की गति और टोल व्यवस्था,ये तीनों मुद्दे आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। बेहतर सड़कें और सुव्यवस्थित ट्रैफिक सिस्टम जहां यात्रा को तेज और आरामदायक बनाते हैं, वहीं सुरक्षा उपायों की अनदेखी इन्हें जानलेवा भी बना सकती है। सरकार की नीतियां और योजनाएं तभी सफल होंगी, जब उनके साथ सख्त क्रियान्वयन, जन-जागरूकता और जवाबदेही भी जुड़ेगी। सड़क पर चलने वाला हर व्यक्ति चाहे वह पैदल यात्री हो, दोपहिया चालक हो या भारी वाहन का ड्राइवर ,सुरक्षा नियमों का पालन करे, तभी दुर्घटनाओं में वास्तविक कमी लाई जा सकती है।

आज जरूरत इस बात की है कि सड़क हादसों को केवल आंकड़ों की तरह न देखा जाए, बल्कि हर मौत को एक चेतावनी के रूप में लिया जाए। युवा आबादी का इस तरह सड़क दुर्घटनाओं में खत्म होना देश के भविष्य पर सीधा प्रहार है। समय पर इलाज, मजबूत आपातकालीन सेवाएं, सुरक्षित सड़क डिजाइन, जिम्मेदार ड्राइविंग और आधुनिक तकनीक आदि इन सभी के समन्वय से ही भारत की सड़कें विकास की राह पर चलने के साथ-साथ जीवन की रक्षा भी कर सकेंगी। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो विकास की तेज रफ्तार के बीच इंसानी जानों की कीमत चुकानी पड़ती रहेगी, और यही किसी भी सभ्य समाज के लिए सबसे बड़ी विफलता होगी।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

मैंने प्यार किया फेम भाग्यश्री पर चढ़ा बनारस का रंग

90 के दशक की सुपरहिट फिल्म मैंने प्यार किया फेम भाग्यश्री सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। अभिनेत्री हाल ही में बनारस की सैर पर थीं। शनिवार को अभिनेत्री ने घाट की शानदार तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री गंगा घाट पर आनंद लेती नजर आ रही हैं। उन्होंने पोस्ट कर एक मजेदार कैप्शन लिखा, बनारस की सुबह। यहां की सुबह कुछ अलग ही होती है। यहां पर सुकून और शांति मिलती है, जैसे सभी नदियों में गंगा का पानी सबसे खास हो। यहां आकर इंसान खुद को भूल जाता है और नाविक आपको गंगा पार कराकर आपसे ही आपकी पहचान करा देता है। उन्होंने आगे लिखा, बनारस की हर सुबह अलग होती है। आज मौसम बादलों से घिरा था, इसलिए सूरज की पहली किरणें नहीं दिखीं। फिर भी यह अनुभव बहुत शांत और अद्भुत था। फैंस को अभिनेत्री का ये पोस्ट काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन में खुलकर अपना प्यार लुटा रहे हैं। वहीं एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, गंगा मैया के विस्तृत पत्र, निर्मल पाणी 'गंगा तेरा पानी अमृत, झर झर बहता जाए, युग युग से इस देश की धरती, तुझसे जीवन पाए। अभिनेत्री ने अपने करियर में भले ही कुछ ही फिल्मों में काम किया हो, लेकिन दर्शकों के दिलों में वे आज भी मौजूदगी दर्ज करवाती हैं।

सोनू के टीटू की स्वीटी के इस सीन के अमिताभ बच्चन हुए फैन

कार्तिक आर्यन की सोनू के टीटू की स्वीटी का एक आइकॉनिक वॉकिंग सीन एक बार फिर चर्चा में है और इस बार वजह बने हैं खुद सदी के महानायक अमिताभ बच्चन। सालों पहले फिल्म में दिखा वह शांत लेकिन बेहद असरदार पल अब दोबारा सुर्खियों में आ गया है, जब अमिताभ बच्चन ने 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट पर इस सीन को याद करते हुए कार्तिक की तारीफ की। महानायक ने बातचीत के दौरान फिल्म का जिक्र करते हुए बताया कि कार्तिक का एक खास शॉट उनके जहन में आज भी बसा हुआ है। यह वही आखिरी सीन है, जहां कार्तिक का किरदार बिना एक भी शब्द बोले, सिर्फ खामोशी के साथ वहां से चला जाता है और भावनाएं खुद-ब-खुद सामने आ जाती हैं। उस पल को याद करते हुए अमिताभ बच्चन ने कहा, 'मैं आपको बताऊं, मुझे आपका कौन सा शॉट याद है। आप लास्ट शॉट में एकदम सीरियस होकर खड़े होते हो। बस आपको 'ना' बोलना होता है। पर आप 'ना' नहीं बोलते। आप चुप-चाप चलकर आते हो... और निकल जाते हो।' परफॉर्मेंस की इस सादगी और संयम की तारीफ करते हुए बिग बी ने इसे एक शब्द में समेटते हुए 'असाधारण' बताया। अमिताभ बच्चन की इस टिप्पणी ने दर्शकों के दिल को छू लिया। सोशल मीडिया पर फैंस ने एक बार फिर उस सीन को देखा और उसकी भावनात्मक गहराई की सराहना की। ऐसे दौर में, जहां जोरदार डायलॉग्स और ओवर-द-टॉप क्लाइमेक्स आम हो चुके हैं, कार्तिक का यह साइलेंट मोमेंट यह याद दिलाता है कि कभी-कभी खामोशी ही सबसे ज्यादा बोलती है। भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े आइकॉन से मिली इस खास सराहना के बीच, कार्तिक आर्यन अब अपनी अगली फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की तैयारी में जुटे हैं, जो क्रिसमस पर रिलीज होने वाली है। ऐसे में फेस्टिव सीजन में दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

तमन्ना भाटिया ने 16 साल की उम्र में डेब्यू

आज बॉलीवुड और साउथ की टॉप एक्ट्रेस में शुमार

कातिलाना अदाएं, जबरदस्त अदाकारी और गजब का कॉन्फिडेंस... बॉलीवुड हो या साउथ इंडस्ट्री, हर जगह अपनी पहचान बनाने के लिए इन तीन चीजों की जरूरत पड़ती ही है। ऐसे में किसी ने शब्दों को सच कर दिखाया है तो वो है तमन्ना भाटिया। यूं तो इंडस्ट्री में हसीनाओं की कमी नहीं है, लेकिन तमन्ना ने बेहद कम समय में अपनी एक्टिंग, डांसिंग और बेमिसाल फैशन सेंस से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने सिर्फ साउथ में ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड में भी अपना सिक्का मनवाया है।

तमन्ना का जन्म 21 दिसंबर 1989 को मुंबई में हुआ। बहुत कम उम्र में ही उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। महज 16 साल की उम्र में उन्होंने अपनी पहली हिंदी फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। तमन्ना ने जल्द ही साउथ इंडस्ट्री की ओर रुख किया और वहां अपनी मेहनत और टैलेंट से खुद को साबित किया। तमिल और तेलुगु फिल्मों में उन्होंने कई हिट फिल्में दीं और जल्दी ही टॉप एक्ट्रेस बन गईं। 2013 में उन्होंने बॉलीवुड में 'हिम्मतवाला' से वापसी की। तमन्ना की खूबसूरती, अदाएं और स्टाइल हर किसी के दिल को छू जाती हैं। आज की रात', 'नशा' और 'पिया के बाजार' जैसे आइटम सॉन्ग्स में उन्होंने अपने शानदार डांस मूव्स से दर्शकों को दीवाना बना दिया। इसके अलावा, वह 'बाहुबली' और 'बाहुबली 2' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं, जिनमें उनकी एक्टिंग और प्रेजेंस ने सबका ध्यान खींचा। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी तमन्ना ने अपनी छाप छोड़ी। 'जी करदा' और 'आखिरी सच' जैसी वेब सीरीज में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया। इन दोनों सीरीज के लिए उन्हें बॉलीवुड हंगामा ओटीटी इंडिया फेस्ट में 'बेस्ट फीमेल एक्टर ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड भी मिला।

अनुपम खेर ने इस बात के लिए की करीना कपूर की तारीफ

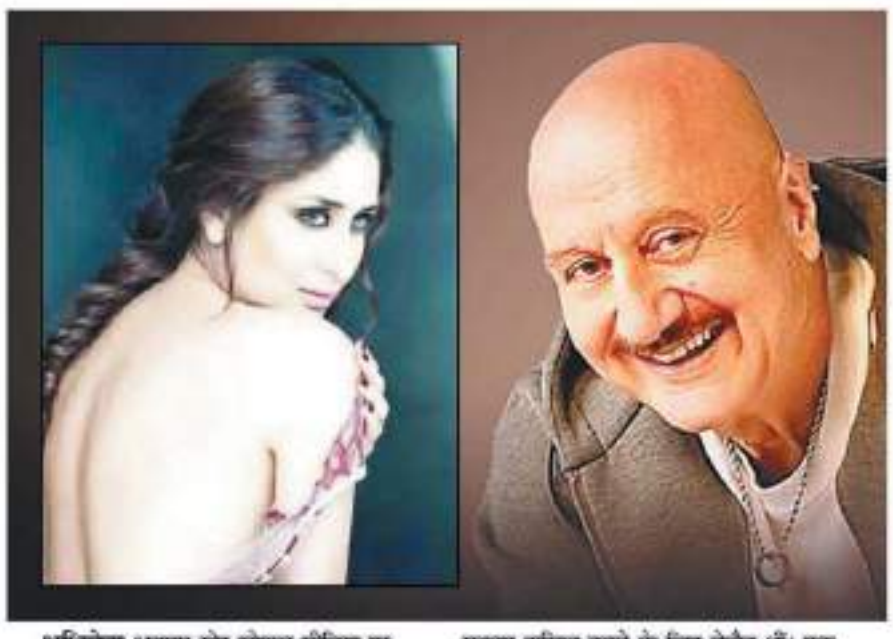

अभिनेता अनुपम खेर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वह अक्सर अपनी जिंदगी से जुड़ी अपडेट साझा करते रहते हैं। हाल ही में वह अभिनेत्री करीना कपूर से एक फ्लाइट में मिले। उन्होंने करीना के साथ तस्वीरें लीं और इसे इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेता ने करीना के बारे में कई बातें लिखी हैं।

करीना कपूर के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए अनुपम खेर ने पोस्ट में लिखा 'फ्लाइट में करीना कपूर के साथ। मैं बेबो से साल 2000 में 'रिफ्यूजी' के सेट पर मिला था। यह उनकी डेब्यू फिल्म थी। वह बेहद खूबसूरत, आत्मविश्वासी होने के साथ-साथ थोड़ी नाजुक भी थीं। वह बड़ा मुकाम हासिल करने के लिए बेचैन थीं। एक इंसान के तौर पर वह कमाल की हैं। कई वर्षों में उन्होंने बहुत तरक्की की है।'

अच्छे रोल की तलाश में करीना कपूर

अनुपम खेर ने आगे लिखा 'बीते कल हम एक ही फ्लाइट में थे। हमने कई चीजों के बारे में बातें कीं। 25 वर्षों के बाद यह जानकर अच्छा लगा कि वह अच्छे रोल की तलाश में हैं। वह एक बेहतरीन इंसान हैं और उन्हें बात करना पसंद है। मेरी तारीफ करने के लिए करीना कपूर आपका बहुत शुक्रिया। इतने वर्षों बाद मैं वैसा ही दिखता हूं। भगवान आपको और आपके परिवार को सुखी रखे। आपको प्यार और आपके लिए दुआएं।'

'शक्तिमान' के लिए मुकेश खन्ना ने रणवीर सिंह को कहा था 'ना'

मुकेश खन्ना ने फिल्म 'शक्तिमान' के लिए रणवीर सिंह को मना कर दिया था, हालांकि अब उनकी फिल्म 'धुरंधर' की कामयाबी के बाद उनकी तारीफ की है। अभिनेता मुकेश खन्ना ने 'धुरंधर' के बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन करने पर तारीफ की है। उन्होंने 'धुरंधर' को परफेक्ट फिल्म बताया है। उन्होंने फिल्म के कलाकारों रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना की भी तारीफ की है। आइए जानते हैं अभिनेता ने फिल्म के बारे में और क्या कहा है? मुकेश खन्ना ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा 'यह परफेक्ट और कमर्शियल फिल्म है, जो जनता को पसंद आएगी। हर डिपार्टमेंट ने अपना बेस्ट काम किया है, चाहे वह अभिनय हो, निर्देशन हो, एक्शन हो, सिनेमैटोग्राफी हो या लेखन हो। सबने अपना बेस्ट दिया है, इसलिए आप इस फिल्म को हर तरह से 'धुरंधर' कह सकते हैं।'

मुकेश खन्ना ने की रणवीर सिंह की तारीफ

रणवीर सिंह की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा 'हां, मैं इस फिल्म 'धुरंधर' के हीरो रणवीर सिंह की तारीफ करना चाहूंगा। आप कहेंगे, 'आपने उन्हें शक्तिमान का रोल नहीं करने दिया'। हो सकता है मैंने उन्हें शक्तिमान का रोल देने से मना किया हो, लेकिन वह एक अच्छे एक्टर हैं। मैं यह हमेशा कहता हूं।' खयाल रहे मुकेश खन्ना बॉलीवुड फिल्मों में अपनी बेहतरीन अदाकारी के साथ टीवी सीरियल 'शक्तिमान' से काफी मशहूर हुए।

उर्मिला मातोंडकर ने छोड़ी एक्टिंग?

51 साल की अभिनेत्री ने अफवाहों पर दिया रिएक्शन

एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने 1977 की फिल्म 'कर्म' में एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर एक्टिंग डेब्यू किया था। 1991 में, उन्होंने 'नरसिम्हा' से लीड रोल में डेब्यू किया। इसके बाद वह 'रंगीला', 'जुदाई', 'कौन', 'भूत' और 'पिंजर' जैसी फिल्मों में नजर आईं। हालांकि, वह कई वर्षों से स्क्रीन से दूर हैं, जिससे दर्शकों को लगता है कि उन्होंने शायद फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी है। फिल्म से दूरी बनाने की अफवाहों पर उर्मिला ने अपनी बात रखी है। फिल्मों से दूरी बनाने की अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए उर्मिला मातोंडकर ने एचटी से कहा, 'जब मेरे काम की बात आती है, तो मैं हमेशा सेलेक्टिव रही हूं। अगर किसी को लगा कि शायद मैं फिल्में नहीं कर रही हूं या कुछ और, तो मैं किसी को दोष नहीं दे सकती। हालांकि ऐसा कभी नहीं था। मैं इस समय सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।'

ओटीटी पर काम करना चाहती हैं उर्मिला

उर्मिला ने यह भी बताया कि वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा 'अब सेट पर वापस जाने और फिर से धमाल मचाने का समय आ गया है।' उर्मिला ने बताया कि वह किस तरह के रोल करना चाहती हैं, 'मैं ऐसे रोल ढूंढ रही हूं जो मैंने पहले नहीं किए हैं, खासकर ओटीटी पर।

शेफाली शाह ने सुनाई वेकेशन की दास्तां

शिफॉन साड़ियां यशराज फिल्म में ही अच्छी लगती हैं

अभिनेत्री शेफाली शाह इन दिनों परिवार के साथ विदेश में छुट्टियां मना रही हैं। शेफाली ने मजाकिया अंदाज में बताया कि ठंड के मौसम में उन्हें मजेदार अनुभव और सबक मिले। शेफाली ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं और साथ में मजेदार अंदाज में छुट्टियों के बारे में भी बताया। शेफाली ने लिखा, 'पहले मैं ठंड में जम गई थी, अब पिघल रही हूं। ठंड में प्यार नहीं, बल्कि थर्मल कपड़े ही गर्म रखते हैं। पुराने थर्मल का साथ कभी न छोड़ें और हां, बर्फ पर गिरने का खतरा ज्यादा होता है। आप ठंड के समय में छुट्टियों पर निकलें और आपके साथ कोई ऐसा शख्स न हो जो दस्ताने, फोन, स्कार्फ संभाल सके, तो मुश्किल और भी बढ़ जाती है।' शेफाली शाह ने यशराज फिल्म्स का जिक्र करते हुए आगे कहा, 'शिफॉन साड़ियां तो यशराज फिल्मों में अच्छी लगती हैं, रियल लाइफ में नहीं, क्योंकि ठंड में उंगलियां जाती हैं। ठंड को हल्के में न लें। यहां कम-ज्यादा नहीं, बल्कि ज्यादा लेयरिंग करें। हो सके तो जैकेट के नीचे 64 थर्मल लेयर पहन लें। जो लोग सर्दी के कपड़ों में स्टाइलिश दिखते हैं, वो शेफाली तो पक्का नहीं हो सकते हैं। अच्छे कपड़े या गर्म रहकर जिंदा रहना, मैंने दूसरे का चुनाव किया। स्नो पैंट स्टाइल के लिए नहीं, बल्कि गीला होने से बचाने के लिए होते हैं, इसलिए जरूर पहनें। एक आउटफिट तैयार करने में तीन घंटे लग जाते हैं - लेयरिंग, जूते के फीते बांधना, दस्ताने उतारना-पहनना और आखिर में पता चलना कि अंदर की थर्मल लेयर भूल गए।' एक्ट्रेस ने आगे बताया,' पुराने स्नो शूज न पहनें, नहीं तो 'सोल लेस' हो जाएंगे। हील वाले बूट सेक्सी हैं, लेकिन भरे कपड़े पहनकर जिंदा रहना बेहतर है। स्टाइलिश कपड़ों में ठंड से बचाव नहीं हो सकता।'

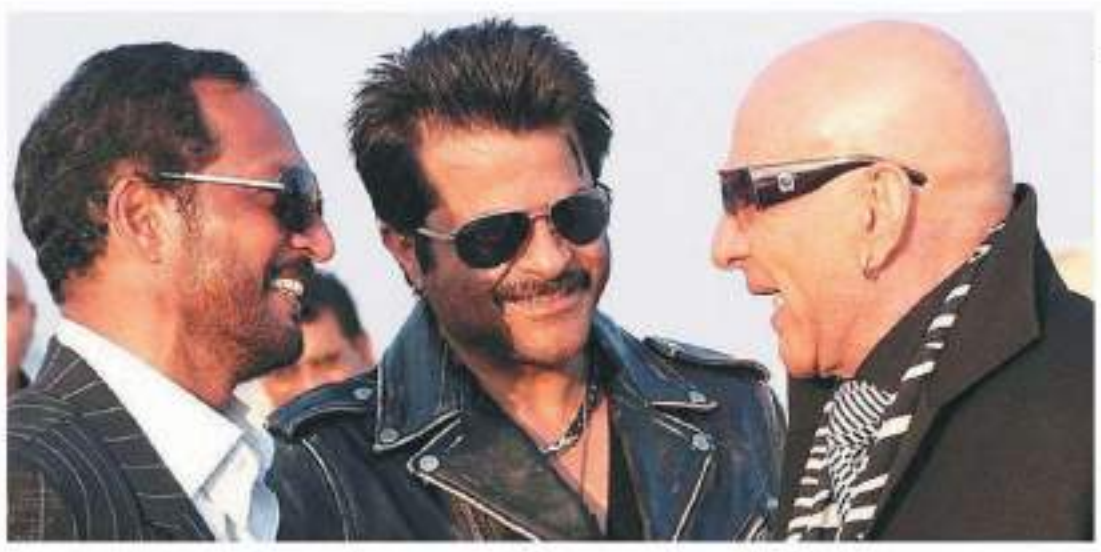

बिना आरडीएक्स के वेलकम अधूरी

फिल्म के 18 साल पूरे होने पर अनिल कपूर ने किया फिरोज को याद

बॉलीवुड की यादगार कॉमेडी फिल्मों में शामिल 'वेलकम' जैसी फिल्म को आज तक याद किया जाता है। मल्टीस्टार कास्ट से सजी इस फिल्म की खासियत यह रही कि हर किरदार ने अपनी अलग पहचान बनाई और अपनी अदाकारी से दर्शकों के दिलों में जगह बना ली। चाहे 'मेरी एक टांग नकली है, मैं हॉकी का बहुत बड़ा खिलाड़ी था' जैसे डायलॉग से हंसी बटोरने वाले मुश्ताक खान हों या फिर 'देखो वो जिंदा है' कहकर याद रह जाने वाली सुस्मिता कार्निक, फिल्म का हर किरदार आज भी लोगों को याद है। अब जब इस कॉमेडी क्लासिक के 18 साल पूरे हो चुके हैं, तो अभिनेता अनिल कपूर ने फिल्म से जुड़े अपने पुराने साथी और दिवंगत अभिनेता-निर्माता फिरोज खान को याद करते हुए उनसे जुड़ी यादों को साझा किया है। वेलकम फिल्म के 18 साल होने पर अनिल कपूर ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा किया है और फिल्म के सुपरहिट होने का श्रेय भी दिवंगत फिरोज खान को दिया है। अभिनेता ने फिल्म की पुरानी फोटोज को शेयर कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'वेलकम के 8 साल। यह फिरोज खान साहब के लिए है। आरडीएक्स के बिना 'वेलकम' अधूरी थी, ठीक वैसे ही जैसे मोगैम्बो के बिना 'मिस्टर इंडिया' अधूरा थी। दोनों की जगह कोई नहीं ले सकता। उन्होंने आगे लिखा, 'मुझे स्क्रिप्ट सुनते समय याद है, मैं सोच रहा था कि यह कैसी बनेगी। पिक्चर यहीं रुक जाती है, बैठ जाती है। अनीस भाई ने कहा, 'चिंता मत करो, फिरोज साहब पिक्चर संभाल लेंगे,' और उन्होंने ऐसा ही किया। आरडीएक्स ने फिल्म को ऊपर उठा दिया।

सागर एजेंसी

ईशान किशन के लिए एक और खुशखबरी, विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के लिए झारखंड की करेंगे कप्तानी

एडिलेड (एजेंसी)। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) ने घोषणा की है कि स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन आगामी विजय हजारे ट्रॉफी एलीट (वीएचटी) 2025/26 सत्र के लिए झारखंड टीम के कप्तान होंगे। वीएचटी 2025/26 सत्र 24 दिसंबर से शुरू होगा, जिसमें झारखंड का पहला मैच अहमदाबाद में कर्नाटक के खिलाफ खेला जाएगा। किशन के अलावा, वीएचटी 2025-26 सत्र के लिए झारखंड टीम में कुमार कुशाग्र, अनुकूल रॉय, रॉबिन मिंज, अभिनव झरण और विराट सिंह भी शामिल हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025/26 के लिए झारखंड टीम: ईशान किशन (विकेटकीपर और कप्तान), विराट सिंह, उत्कर्ष सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर और उप-कप्तान), रॉबिन मिंज, अनुकूल रॉय, शरणदीप सिंह, शिखर मोहन, पंकज कुमार (विकेटकीपर), बालू कृष्ण, एमडी कौनैन कुरैशी, शुभ शर्मा, अमित कुमार, मनीषी, अभिनव शरण, सुशांत मिश्रा, विकास सिंह, सौरभ शेखर, राजनदीप सिंह, शुभम सिंह.

झारखंड के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) 2025/26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ईशान ने टीम को पहली बार एसएमएटी खिताब दिलाया। उन्होंने 10 पारियों में 57.44 के असाधारण औसत से 517 रन बनाए, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। खास बात यह है कि उन्होंने हरियाणा के खिलाफ फाइनल में 101 रनों की मैच-विनिंग पारी खेलकर अपनी टीम को ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

SMAT में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद, किशन को ICC पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम में वापस जगह मिली है। संजू सैमसन के बाद किशन को दूसरे विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में भारतीय टीम में शामिल किया गया है। सूर्यकुमार यादव आगामी टी20 विश्व कप में 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे। टी20आई टीम के उप-कप्तान रहे शुभमन गिल को फिटनेस और फॉर्म संबंधी चिंताओं के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है, और अक्षर पटेल उप-कप्तानी की भूमिका में लौट रहे हैं।

नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स: राफेल नडाल की मौजूदगी में लर्नर टिएन बने चैंपियन

हांगझू (एजेंसी)। जेंडर अमेरिकी युवा टेनिस खिलाड़ी लर्नर टिएन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स का खिताब अपने नाम कर लिया। रविवार को किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी में खेले गए फाइनल मुकाबले में टिएन ने बेल्जियम के अलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 4-3(4), 4-2, 4-1 से हराया। इस खिताबी मुकाबले के दौरान स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल भी स्टेडियम में मौजूद रहे।

पिछले साल खिताब से चूकने के बाद इस बार टिएन ने दमदार वापसी की। टूर्नामेंट की शुरुआत उनके लिए आसान नहीं रही थी। ग्रुप-रॉबिन चरण में स्पेन के राफेल जोडर के खिलाफ पहले मैच में वह चार मैच प्वाइंट का फायदा नहीं उठा सके और सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए ग्रुप स्टेज के बाकी दोनों मुकाबले एक सेट से पिछड़ने के बावजूद जीत लिए।

नॉकआउट चरण में टिएन ने अपने खेल का स्तर और ऊंचा उठाया और एक भी सेट गंवाए बिना फाइनल तक का सफर तय किया। खिताब जीतने के साथ ही वह स्टेफानोस सितसिपास (2018) और कार्लोस अल्काराज (2021) के बाद यह ट्रॉफी जीतने वाले तीसरे टॉप सीड खिलाड़ी बने। इसके अलावा, वह ब्रैंडन नकाशिमा (2022) के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे अमेरिकी खिलाड़ी भी बने।

फाइनल में बाएं हाथ के टिएन ने महज 58 मिनट में सटीक और आक्रामक खेल का बेहतरीन नमूना पेश किया, जिसको झलक कभी 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता राफेल नडाल के खेल में देखने को मिलती थी। हालांकि ब्लॉकक्स ने पहले सेट में एक भी फर्स्ट सर्व मिस नहीं की, लेकिन टाईब्रेक में टिएन ने धैर्य बनाए रखा और पहला सेट अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया और आसानी से खिताब जीत लिया।

खिताब जीतने के बाद टिएन ने कहा, 'मैं पिछले एक साल से इस ट्रॉफी को उठाने का इंतजार कर रहा था। इस साल मैंने कई ऐसे लक्ष्य हासिल किए, जिन्हें मैं पाना चाहता था। मेरे पास लक्ष्यों की एक लंबी सूची थी और उनमें से अधिकतर पूरे कर पाया। मैं वाकई बहुत खुश हूं।'

इसी सप्ताह विजय हजारे ट्रॉफी में उतरेंगे रोहित और विराट

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली इसी माह 24 और 25 दिसंबर से विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आयेंगे। इन दोनों ने ही हाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। अब इन दोनों का लक्ष्य विजय हजारे ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर टीम में अपनी जगह बनाये रखना होगा। भारतीय टीम को अगले साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ भी खेलना है। ये दोनों ही उसमें भी बेहतर प्रदर्शन कर साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए दौड़ में बने रहना चाहेंगे।

इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास के बाद से ही ये दोनों केवल एकदिवसीय में ही खेल रहे हैं। ऐसे में इन दोनों को ही लय में बने रहने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी है। इसी कारण 24 दिसंबर को रोहित मुंबई के लिए जबकि 25 से विराट दिल्ली की तरफ से खेलते नजर आएंगे।

वहीं ये भी कहा जा रहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली एकदिवसीय सीरीज से रोहित और विराट को आराम दिया जा सकता है।

बीसीसीआई ने सारे खिलाड़ियों को लिए घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य कर दिया है। जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं चल रहा हो तो खिलाड़ियों को घरेलू मैच में खेलना होगा। बोर्ड के बनाए नियम में केवल चोटिल खिलाड़ियों को राहत मिलेगी। ऐसे में रोहित और विराट को भी एक दशक से अधिक समय के बाद घरेलू क्रिकेट खेलने को मजबूर होना पड़ा है। इसका एक कारण ये भी है एकदिवसीय मैच काफी कम होते हैं जिससे इन्हें अभ्यास के लिए घरेलू मैच खेलना जरूरी हो गया है।

शुभमन गिल को टी20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर करने पर पूर्व सिलेक्टर हैरान, इसकी उम्मीद नहीं कर रहे थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम के चयन ने क्रिकेट जगत में बड़ी बहस छेड़ दी है। उप-कप्तान शुभमन गिल को 15 सदस्यीय टीम से बाहर किए जाने का फैसला कई दिग्गजों के लिए चौंकाने वाला रहा। भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व चयन समिति अध्यक्ष क्रिस श्रीकांत ने इस फैसले पर खुलकर हैरानी जताई और कहा कि उन्हें चयनकर्ताओं से ऐसे साहसिक कदम की उम्मीद नहीं थी। हालांकि, उन्होंने इसके बावजूद मौजूदा चयन समिति की सराहना भी की।

शुभमन गिल को बाहर करने पर श्रीकांत की हैरानी

क्रिस श्रीकांत ने कहा कि शुभमन गिल को टीम से बाहर किया जाना उनके लिए 'बड़ा झटका' था। उनके मुताबिक जब किसी खिलाड़ी को उप-कप्तान बनाया जाता है, तो यह साफ संकेत होता है कि टीम मैनेजमेंट उस पर भरोसा कर रहा है। ऐसे में बड़े टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर गिल को बाहर करना भारतीय क्रिकेट में बहुत कम देखने को मिलता है। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब शो में कहा कि वह इस फैसले की उम्मीद नहीं कर रहे थे, खासकर तब जब गिल हाल ही में टेस्ट और वनडे टीम में नेतृत्व की जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

चयन समिति के फैसले की तारीफ

हालांकि अपनी हैरानी के बावजूद श्रीकांत ने अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की तारीफ की। उन्होंने कहा कि चयनकर्ताओं ने एक «शानदार» और संतुलित टीम चुनी है, जो आधुनिक टी20 क्रिकेट की मांगों के अनुरूप है। उनका मानना है कि चयन समिति ने भावनाओं से ऊपर उठकर प्रदर्शन और टीम कॉम्बिनेशन को प्राथमिकता दी। श्रीकांत के अनुसार, यह फैसला भले ही कठोर लगे, लेकिन लंबे समय में टीम के लिए फायदेमंद हो सकता है।

टी20 आई में गिल का प्रदर्शन बना कमजोर कड़ी

शुभमन गिल का टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड उनके खिलाफ गया। उन्होंने 15 टी20आई मैचों में 140 से कम के स्ट्राइक रेट से 291 रन बनाए, जो एक टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज से अपेक्षित आक्रामकता नहीं दिखाता। टी20 फॉर्मेट में तेज रन बनने की जरूरत होती है और यहीं पर गिल पिछड़ते नजर आए। उनकी मौजूदगी के कारण भारत को संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सफल ओपनिंग जोड़ी को तोड़ना पड़ा, जो टीम के संतुलन पर असर डाल रहा था।

अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन को बढ़त

श्रीकांत ने साफ कहा कि टी20 क्रिकेट में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन, गिल से आगे नजर आते हैं। अभिषेक शर्मा को उन्होंने 'दुनिया का नंबर वन' तक कह दिया, जबकि संजू सैमसन और ईशान किशन विकेटकीपर-बल्लेबाज का उपयोगी विकल्प देते हैं। उनके मुताबिक, ईशान किशन की वापसी ने टीम को आक्रामक शुरुआत और अतिरिक्त

पलेक्सिबिलिटी दी है, जो बड़े टूर्नामेंट में अहम भूमिका निभा सकती है।

गिल को करना होगा इंतजार

श्रीकांत ने यह भी कहा कि शुभमन गिल की काबिलियत पर कोई शक नहीं है। वनडे और टेस्ट क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड शानदार है, खासकर विदेशी परिस्थितियों में। लेकिन टी20 क्रिकेट में उन्हें अभी खुद को साबित करना होगा। पूर्व कप्तान के अनुसार, गिल को अब धैर्य रखना होगा और जब भी मौका मिले, टी20 फॉर्मेट में अपनी स्ट्राइक रेट और प्रभाव को बेहतर बनाना होगा।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन एशेज के बचे हुए मैचों में नहीं खेल पायेंगे

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के स्टार स्पिनर नाथन लियोन हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए दो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पायेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम 26 दिसंबर से इंग्लैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में उतरेगी। इससे लियोन पूरी तरह से बाहर हो गये हैं। इसका कारण है कि एडीलेड टेस्ट में लियोन की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इसी कारण वह मैच में पूरे समय गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। तीसरे टेस्ट में फील्डिंग करते समय लियोन ने एक गेंद को रोकने के लिए छलांग लगाई। इसके बाद ही उन्हें दर्द शुरु हो गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के एक प्रवक्ता ने कहा कि लियोन की चोट ऑस्ट्रेलिया के लिए एक बड़ा झटका है। लियोन ने तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इंग्लैंड की दूसरी पारी में तीन विकेट और दोनों पारियों को मिलाकर पांच विकेट लिए थे। उन्होंने तब विकेट लिए जब इंग्लैंड की टीम तेजी से 435 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी।

एस्टन विला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर लगातार 10वीं जीत हासिल की

मैनचेस्टर (इंग्लैंड)। मॉर्गन रोजर्स के दो गोल की मदद से एस्टन विला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराकर खुद को इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के खिताब की दौड़ में बनाए रखा। एस्टन विला की यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार दसवीं जीत है। वह ईपीएल की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है और शीर्ष पर काबिज आर्सेनल से केवल तीन अंक पीछे है। रोजर्स ने अपना पहला गोल 45वें और दूसरा गोल 57वें मिनट में किया। यूनाइटेड के लिए एकमात्र गोल मैथियस कुन्हा ने किया। इस तरह से एस्टन विला का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। उसने लीग में अपने पिछले 12 मैचों में से 11 में जीत हासिल की। यह हार यूनाइटेड के लिए एक और झटका है। वह अपने पिछले आठ मैचों में से केवल दो में जीत हासिल कर पाया है और वह तालिका में सातवें स्थान पर है।

हरमनप्रीत 350 मैच खेलने वाली पहली भारतीय व विश्व की दूसरी महिला क्रिकेट बनी

विशाखापट्टनम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 350 मैच खेलने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई है। हरमनप्रीत ने यह उपलब्धि श्रीलंका के खिलाफ पहले ही टी20 मुकाबले में हासिल की। हरमनप्रीत ने साल 2009 में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू किया था और इसके बाद से ही वह वह लगातार आगे बढ़ती रही है। अपनी बल्लेबाजी के साथ ही कप्तानी कौशल से वह भारतीय महिला क्रिकेट की एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभरी हैं। वह महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं सबसे अधिक मैच खेलने का रिकार्ड न्यूजीलैंड की स्यूजी बेट्स के नाम है। बेट्स ने 355 मैच खेले हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी ने 347 मैच खेले हैं। हरमनप्रीत ने अपने करियर में कई मैच विजेता पारियां खेली हैं। उन्होंने साल 2017 विश्वकप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 171 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली थी। इस पारी को महिला क्रिकेट की सर्वश्रेष्ठ पारियों में शामिल किया गया है। इसके अलावा उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने आईसीसी विश्वकप जीता है। हरमनप्रीत ने 350 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 183 टी20, 161 एकदिवसीय और 9 टेस्ट शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने तीनों प्रारूपों को मिलाकर 8 शतक के साथ ही कुल 8000 से ज्यादा रन बनाये हैं। वहीं गेंदबाजी के दौरान इस बल्लेबाज ने 75 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को तीसरे टेस्ट में 323 रनों से हराया, तीन मैचों की सीरीज 2-0 से जीती

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले में मेहमान वेस्टइंडीज को बड़े अंतर से हराया। यह मैच टेस्ट सीरीज का न केवल आखिरी बल्कि निर्णायक मुकाबला भी था। माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान में खेले गए मुकाबले में कीवी टीम ने हर विभाग में शानदार खेल दिखाया और 323 रनों से जीत दर्ज की।

मैच में टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने पहली पारी में 8 विकेट पर 575 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। कप्तान टॉम लैथम ने 137 रन की अहम पारी खेली, जबकि उनके सलामी ओपनर डेवोन कॉन्वे ने शानदार 227 रन बनाए। कॉनवे ने इस पारी में दोहरा शतक लगाया और टेस्ट क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

जवाब में वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 420 रन पर सिमट गई। इस दौरान ब्रेंडन किंग ने शतक लगाकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन बाकी

बल्लेबाज ज्यादा देर टिक नहीं सके। न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में एक बार फिर अपने ओपनिंग बल्लेबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के चलते 2 विकेट खोकर 306 रन बनाए और पारी घोषित कर दी। इस बार भी कप्तान टॉम लाथम ने 101 रन और डेवोन कॉन्वे ने 100 रन की शतकीय पारी खेली, जिससे वेस्ट इंडीज पर दबाव और बढ़ गया। 462 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में सिर्फ 138 रन पर ही ढेर हो गई। इस दौरान जैकब डफी ने पांच विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 42 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। एजाज पटेल ने भी अच्छा साथ देते हुए 32 ओवर में 21 मेडन ओवर फेंके और केवल 23 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

मैच की खास बातें यह रहीं कि डेवोन कॉन्वे ने एक ही टेस्ट मैच में दोहरा शतक और शतक दोनों लगाए। टॉम लैथम ने भी दोनों पारियों में शतक जड़कर कप्तानी पारी खेली। डेवोन कॉन्वे को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। वहीं, वेस्टइंडीज की ओर से ब्रेंडन किंग का शतक ही एकमात्र बड़ी उपलब्धि रहा। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने दोनों पारियों में समय पर विकेट लेकर टीम को आसान जीत दिलाई।

इसके साथ ही न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज को 2-0 से अपने नाम कर लिया है। सीरीज का पहला मैच ड्रा रहा था, जिसके बाद मेजबान टीम ने लगातार दो टेस्ट अपने नाम किए और सीरीज को जीत लिया। पूरी सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए जैकब डफी को प्लेयर ऑफ द सीरीज घोषित किया गया।

अंडर-19 एशिया कप जीतकर मालामाल हुई पाकिस्तान टीम, प्रत्येक खिलाड़ी को मिलेंगे एक-एक करोड़ रुपए

कराची। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने सोमवार को अपने देश की अंडर-19 एशिया कप विजेता टीम के प्रत्येक खिलाड़ी के लिए एक करोड़ रुपए के विशेष नकद पुरस्कार की घोषणा की। पाकिस्तान की युवा टीम ने रविवार को दुबई में खेले गए फाइनल में भारत को 191 रन से हराकर खिताब जीता था। शरीफ ने इस्लामाबाद में टीम और उसके सहयोगी स्टाफ के लिए आयोजित किए गए स्वागत समारोह में यह घोषणा की। टीम के मेंटोर (मार्गदर्शक) और मैनेजर सरफराज अहमद ने स्वागत समारोह के बाद मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री ने प्रत्येक खिलाड़ी को एक करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। इससे पहले रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने एशिया कप जीतने वाली जूनियर टीम के खिलाड़ियों के लिए 50-50 लाख रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

हॉकी इंडिया का बड़ा ऐलान : आगामी लीग के लिए फैंस को मिलेंगे मुफ्त टिकट

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने हॉकी इंडिया लीग (HIL) 2025-26 को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए बताया है कि आगामी सीजन के मुकाबलों के लिए दर्शकों को मुफ्त टिकट उपलब्ध कराए जाएंगे। इसका मकसद देश के अलग-अलग शहरों में हॉकी के प्रति फैंस की भागीदारी बढ़ाना और खेल को और अधिक लोकप्रिय बनाना है। महिला हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत 28 दिसंबर से रांची में होगी और यह टूर्नामेंट 10 जनवरी तक चलेगा। वहीं, पुरुष हॉकी इंडिया लीग का आगाज 3 जनवरी से चेन्नई में होगा, जिसके बाद मुकाबले 11 जनवरी से रांची में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का अंतिम चरण हॉकी के गढ़ माने जाने वाले भुवनेश्वर में 17 से 26 जनवरी के बीच आयोजित होगा। रांची चरण के लिए Hero HIL के टिकट आज सुबह 11 बजे से उपलब्ध करा दिए गए हैं, जबकि चेन्नई में होने वाले पुरुषों के मुकाबलों के टिकट बुधवार सुबह 11 बजे से मिलेंगे। पिछली बार की तरह इस बार भी हॉकी इंडिया देश के हर कोने तक हॉकी पहुंचाने और इसे अधिक सुलभ बनाने के अपने लक्ष्य पर कायम है। हॉकी इंडिया लीग की गवर्निंग कमेटी के चेयरपर्सन दिलीप टिर्की ने कहा, 'हमने एक बार फिर फैसला किया है कि चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में होने वाले सभी मुकाबलों के लिए हॉकी प्रेमियों को मुफ्त टिकट दिए जाएंगे। महिला लीग रांची में होगी, जबकि पुरुषों की लीग तीन शहरों में खेली जाएगी। हमारा उद्देश्य स्टेडियम को उन फैंस से भरना है जो अपने पसंदीदा सितारों को खेलते देखना चाहते हैं। इस सीजन में दुनिया के कई शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे और हमें शानदार हॉकी देखने की उम्मीद है।' गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने भी इसी तरह की बात कहते हुए कहा, 'Hero HIL एक महीने तक चलने वाला हॉकी का उत्सव होगा। हम सभी हॉकी प्रेमियों को #HockeyKaJashn देखने के लिए आमंत्रित करते हैं। हमारा लक्ष्य पूरे देश में हॉकी का फैनबेस बढ़ाना है और हमें उम्मीद है कि इस सीजन में सभी स्टेडियम खचाखच भरे रहेंगे।' इस सत की हॉकी इंडिया लीग में आठ पुरुष टीमें और चार महिला टीमें हिस्सा लेंगी। नए और रिवैम्प्ड फॉर्मेट के साथ दोनों लीग में तेज रफ्तार और रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे, जिससे फैंस को पूरे एक महीने तक शानदार हॉकी का आनंद मिलेगा।

2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में मिली हार से दुखी होकर संन्यास लेना चाहता था: रोहित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है साल 2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में मिली हार से वह हताश थे और उन्होंने खेल से संन्यास का फैसला कर लिया था। तब वह इतने दुखी थे और उन्हें लगा था कि इस खेल ने उनसे सब कुछ छीन लिया है। तब भारतीय टीम ने सभी मैच जीतकर फाइनल में जगह बनायी थी पर वहां उसे ऑस्ट्रेलिया ने हरा दिया था। तब ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने शतक लगाकर भारतीय टीम के हाथ आयी जीत छीन ली थी। रोहित ने एक कार्यक्रम में कहा कि फाइनल के बाद उन्हें लगा था कि अब मुझे नहीं खेलना चाहिये क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया है और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ भी नहीं बचा है। इस सदमे से उबरने में मुझे कुछ समय लगा था। मैं अपने को याद दिलाता था कि यही वह खेल है, जिससे मुझे असल में प्यार है। वह चीज मेरे पास है और मैं इसे इतनी आसानी से नहीं छोड़ सकता। इसके बाद धीरे-धीरे मैं इस झटके से उबर गया। मैंने अपनी खोई हुई ताकत वापस हासिल की और फिर से मैदान पर उतर गया। उन्होंने माना कि उस हार से हर कोई दुखी था और हमें भरोसा नहीं हो रहा था कि अचानक ही क्या हुआ है। मेरे लिए तो कप्तान होने के कारण यह बहुत कठिन दौर था क्योंकि मैंने उस विश्व कप के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया था। विश्व कप से पहले ही नहीं, बल्कि साल 2022 में कप्तानी संभालने के बाद से ही मैं उसके लिए तैयारी कर रहा था।

रोहित ने टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और अब वह एकदिवसीय में ही खेलते हैं। उनका लक्ष्य 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहना और उसे जीतना है।

रोहित ने कहा, 'मेरा एकमात्र लक्ष्य विश्व कप जीतना था, चाहे वह टी-20 विश्व कप हो या 2023 में एकदिवसीय विश्व कप इसलिए जब ऐसा नहीं हो पाया तो मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मेरे शरीर में बिल्कुल भी शक्ति नहीं बची थी। मुझे इससे उबरने और वापसी करने में कुछ माह लग गये थे।'

भारतीय टीम ने इसके बाद उनकी कप्तानी में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए 2024 के टी20 विश्व कप में खिताब जीता था पर वह नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार से इसके बाद भी नहीं उबर पाये।

रोहित ने कहा, 'जब आप किसी चीज को हासिल करने के लिए अपनी सारी ताकत लगा देते हैं और फिर

आपको मनचाहा परिणाम नहीं मिलता है तो दुखी होना एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है. मेरे साथ भी ठीक यही हुआ, लेकिन मुझे यह भी पता था कि जीवन यहीं खत्म नहीं होता, इससे सबक लेते हुए हमने टी20 विश्वकप जीता।'

संक्षिप्त समाचार

पांच मार्च का चुनाव टला तो सड़क पर उतरेगी एनसीपी, पुष्पकमल दहल बोले- तिथियों का स्थगन स्वीकार नहीं

काठमांडु एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और सबसे बड़े कम्युनिस्ट गठबंधन नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के समन्वयक पुष्पकमल दहल प्रचंड ने शनिवार को चेतावनी दी कि अगर किसी भी बहाने से 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव को स्थगित किया गया तो उनकी पार्टी सड़क पर उतरेगी। प्रचंड ने कहा कि एनसीपी ने गठबंधन के घोषणा के समय से ही समय पर चुनाव कराने का पक्ष लिया है। उन्होंने कहा चुनाव तिथियों को स्थगित करने का कोई प्रयास स्वीकार्य नहीं है। प्रचंड ने यह बात काठमांडू के भृकुटीमंडप क्षेत्र में एनसीपी की एक एकता रैली को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने संविधान के उल्लंघन का खतरा जताते हुए सभी से समय पर चुनाव करवाने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने किसी पार्टी या व्यक्ति का नाम नहीं लिया।

भूकंप के तेज झटकों से कांपा पाकिस्तान, डरे सहमे लोग भागे बाहर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्रांत एक बार फिर भूकंप के झटकों से कांप उठा है। रविवार (21 दिसंबर 2025) की सुबह खुजदार जिले में आए इस भूकंप ने लोगों के बीच भारी डर पैदा कर दिया। हालांकि रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता केवल 3.3 मापी गई लेकिन इसके झटके बहुत जोरदार महसूस किए गए। भूकंप के झटके लगते ही खुजदार और आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने घरों और इमारतों से निकलकर खुले मैदानों की ओर भागने लगे। बलूचिस्तान पहले भी विनाशकारी भूकंपों का सामना कर चुका है, इसलिए हल्का झटका भी लोगों को पुरानी यादों से डरा देता है। फिलहाल स्थानीय प्रशासन या आपदा प्रबंधन की ओर से किसी बड़े जान-माल के नुकसान की खबर नहीं मिली है। अधिकारी स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। बलूचिस्तान भौगोलिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील क्षेत्र है क्योंकि यह भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के सक्रिय जंक्शन पर स्थित है। यहां लगातार होने वाली हलचल के कारण छोटे और मध्यम स्तर के भूकंप आते रहते हैं।

असीम मुनीर के प्लान पर खुश हुआ अमेरिका, विदेश मंत्री रुबियो बोले- पाकिस्तान के शुक्रगुजार हैं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा गाजा के लिए पेश की गई 20 सूत्री शांति योजना को लेकर पाकिस्तान की संभावित भूमिका पर अमेरिका ने खुलकर समर्थन जताया है। इस योजना के तहत युद्धग्रस्त फिलिस्तीनी क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल की तैनाती का प्रस्ताव है, जिसमें मुस्लिम बहुल देशों से सैनिक भेजे जाने की बात कही गई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अमेरिका पाकिस्तान का आभारी है कि उसने इस अंतरराष्ट्रीय बल का हिस्सा बनने पर विचार करने की इच्छा जताई है। रुबियो के अनुसार, हम उन सभी देशों की सराहना करते हैं जो गाजा में स्थिरता बहाल करने के लिए जमीन पर मौजूद रहने को तैयार हैं या इस पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। हालांकि अमेरिका के इस प्लान पर आशंका जताई जा रही है कि जरूर कुछ दाल में काला है जो अमेरिका पाकिस्तान की इतनी तारीफ कर रहा है। पाकिस्तान ने अभी तक गाजा में सैनिक भेजने का अंतिम फैसला नहीं किया है। इस्लामाबाद का कहना है कि वह इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर हुसैन अंद्राबी ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में स्पष्ट किया कि ब्रुसेल्स में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर कोई निर्णय अभी नहीं लिया गया है। मार्को रुबियो ने बताया कि पाकिस्तान समेत अन्य संभावित देशों के साथ बातचीत शुरुआती चरण में है। कई अहम सवालों पर सहमति बनना अभी बाकी है। इस बीच, रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर वॉशिंगटन जाकर राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात कर सकते हैं और गाजा स्टेबिलाइजेशन फोर्स इस चर्चा का अहम मुद्दा होगा। हालांकि, पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने इस दावे को खारिज कर दिया। वहीं, व्हाइट हाउस ने भी साफ किया कि फिलहाल ट्रंप और असीम मुनीर के बीच किसी बैठक का कार्यक्रम राष्ट्रपति के कैलेंडर में नहीं है। गाजा के लिए अंतरराष्ट्रीय सैन्य बल का प्रस्ताव पश्चिम एशिया की राजनीति में एक नया मोड़ माना जा रहा है।

3 भारतीय कबड्डी खिलाड़ियों को 11 साल की सजा, खेल का मैदान बना जंग का अखाड़ा

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के ईस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में डर्बी में आयोजित एक कबड्डी टूर्नामेंट हिंसक झड़प में बदल गया, जिसके मामले में तीन भारतीय नागरिकों को कुल 11 साल से अधिक की जेल की सजा सुनाई गई है। यह घटना करीब दो साल पुरानी है, जब टूर्नामेंट के दौरान बड़े पैमाने पर लफड़ा हुआ और हथियार लहराए गए। ब्रिटेन की अदालत ने तीनों को दोषी ठहराते हुए सख्त सजा सुनाई है।

डर्बीशायर पुलिस ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि दमनजीत सिंह (35), बूटा सिंह (35) और राजविंदर लखर सिंह (42) वर्ष 2023 में अल्वास्टन में हुए कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान हुई हिंसक झड़प में शामिल थे। इस झड़प में कई लोग घायल हुए थे। तीनों आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताया था, लेकिन पिछले महीने डर्बी क्राउन कोर्ट में चले मुकदमे के बाद उन्हें दोषी करार दिया गया।

गोली चलने और हथियारों के इस्तेमाल की भी सूचना : पुलिस के अनुसार, 20 अगस्त 2023 को रविवार दोपहर करीब 4 बजे एल्वास्टन लेन के पास गोली चलने और हथियारों से मारपीट की सूचना मिली थी। घटनास्थल से सामने आई वीडियो फुटेज में बूटा सिंह को विरोधी गुट का पीछा करते हुए देखा गया। हालांकि उस समय उसके पास कोई हथियार नहीं दिखा, लेकिन दो दिन बाद जब पुलिस ने उसकी कार रोकी तो बूट से दो मांचेटे बरामद किए गए। फुटेज में दमनजीत सिंह और राजविंदर लखर सिंह को भी झड़प के दौरान बड़े चाकुओं के साथ देखा गया। इसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आरोप तय किए गए।

अलग-अलग अवधि की सजा सुनाई गई : अदालत ने बूटा सिंह को चार साल की जेल की सजा सुनाई है। दमनजीत सिंह को तीन साल और चार महीने, जबकि राजविंदर लखर सिंह को तीन साल और दस महीने की सजा दी गई है। इस तरह तीनों को कुल मिलाकर 11 साल से अधिक की कैद भुगतनी होगी।

दो आरोपी बरी, पहले भी हो चुकी हैं गिरफ्तारियां : इस मामले में हिंसा में कथित भूमिका को लेकर मुकदमे का सामना कर रहे दो अन्य आरोपियों को जूरी ने बरी कर दिया। यह सजा पिछले साल की उस कार्रवाई के बाद आई है, जिसमें इसी हिंसा के सिलसिले में सात अन्य भारतीय मूल के लोगों को जेल भेजा गया था।

पुलिस बोली- झड़प पहले से थी योजनाबद्ध : वरिष्ठ जांच अधिकारी डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर मैट वरुम ने कहा कि यह घटना और इसके बाद की जांच का स्थानीय लोगों और वहां मौजूद दर्शकों पर गहरा असर पड़ा। उन्होंने उन सभी लोगों का आभार जताया जिन्होंने जांच में सहयोग किया। पुलिस के मुताबिक, जांच में यह भी सामने आया कि यह झड़प पहले से योजनाबद्ध थी और एक समूह घटना से पहले डर्बी के बोसविक स्ट्रीट पर इकट्ठा हुआ था।

कभी भी आकर मिल सकते हैं, बेटों ने इमरान खान को लेकर जताई चिंता तो पाकिस्तान ने दिया रिएक्शन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने शनिवार को साफ किया कि अगर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटे देश आते हैं तो उन्हें अपने जेल में बंद पिता से मिलने पर कोई रोक नहीं है। सरकारी अधिकारी ने यह भी कहा कि अगर दोनों भाई उनसे मिलने आना चाहते हैं, तो उन्हें पाकिस्तानी वीजा दिया जाएगा। यह बयान तब आया जब ऐसी खबरें आईं कि अधिकारियों ने इमरान खान से मिलने पर बिना बताए पाबंदियां लगा दी हैं, यह दावा करते हुए कि कुछ मुलाकाती इन मुलाकातों का इस्तेमाल राजनीतिक एजेंडा बढ़ाने के लिए कर रहे थे।

शहबाज सरकार के मंत्री ने क्या कहा : गृह राज्य मंत्री तलाल चौधरी ने पत्रकारों को बताया, सुलेमान खान और कासिम खान पर रावलपिंडी की अदियाला जेल में अपने पिता इमरान खान से मिलने पर कोई रोक नहीं है। चौधरी ने कहा, अगर सुलेमान और कासिम पाकिस्तानी वीजा के लिए अप्लाई करते हैं तो हम उन्हें दे देंगे। हम उन्हें उनके पिता से मिलने से नहीं रोकेंगे; इसलिए, यह प्रोपेगेंडा कि पाकिस्तानी सरकार पिता और बेटों की मुलाकात में रुकावटें डाल रही है, बंद होना चाहिए। उन्होंने उन रिपोर्ट्स को भी खारिज कर दिया कि खान को दिन में 23 घंटे अकेले रखा जा रहा है। इन खबरों के बाद, उनके परिवार के सदस्यों और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने उन हालातों पर चिंता जताई जिनमें उन्हें रखा गया है। सुलेमान और कासिम अभी लंदन में रहते हैं, खान की पहली शादी ब्रिटिश टीवी पर्सनैलिटी जेमिमा गोल्डस्मिथ से हुए बेटे हैं। चौधरी का यह बयान भाइयों के स्काई न्यूज को यह बताने के कुछ दिनों बाद आया है कि उन्हें डर है कि वे अपने जेल में बंद पिता को शायद फिर कभी नहीं देख पाएंगे।

इमरान खान के बेटों ने क्या कहा था : भाइयों ने कहा कि उन्होंने अगस्त 2023 से जेल में बंद पीटीआई के संस्थापक को महीनों से देखा या उनसे बात नहीं की है और उन्होंने उनकी सुरक्षा और सेहत के बारे में चिंता जताई है। अपने इंटरव्यू में इमरान के बेटों ने आरोप लगाया कि उनके पिता को आइसोलेशन में रखा गया है और इन हालातों को साफ तौर पर टॉर्चर की रणनीति बताया।

1971 मुक्ति संग्राम के नायक दूसरे कमांडर खांडकर का निधन, ढाका में ली आखिरी सांस

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की स्थापना के लिए 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मुक्ति वाहिनी के प्रमुख नेता, एयर वाइस मार्शल (सेवानिवृत्त) ए. के. खांडकर का शनिवार को निधन हो गया। वह 95 वर्ष के थे। पांच दशक पहले 16 दिसंबर को जब पाकिस्तानी सैनिकों ने भारत-बांग्लादेश संयुक्त बलों के सामने आत्मसमर्पण किया था तब खांडकर उपस्थित थे। रक्षा मंत्रालय के अंतर-सेवा जनसंपर्क (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, आज (20 दिसंबर) पूर्वाह्न लगभग 10:35 बजे उम्र संबंधी जटिलताओं के कारण खांडकर ने अंतिम सांस ली। उन्होंने 16 दिसंबर, 1971 को ढाका में आयोजित समारोह में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया, जब लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी के नेतृत्व में पाकिस्तानी सैनिकों ने भारत के लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोरा के नेतृत्व वाली भारत-बांग्लादेश संयुक्त सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। वीरता पुरस्कार बीर उत्तम से सम्मानित खांडकर, जनरल एम ए जी उस्मानी के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की मुक्ति युद्ध सेना, मुक्ति वाहिनी के दूसरे शीर्ष कमांडिंग ऑफिसर थे और बाद में देश की वायु शक्ति को बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाने वाले पहले वायु सेना प्रमुख बने। युद्ध प्रयासों में उनके योगदान को मान्यता देते हुए, बांग्लादेश ने उन्हें 2011 में सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, स्वतंत्रता पुरस्कार से सम्मानित किया। अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने अनुभवी सैनिक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, उन्होंने 1971 के मुक्ति युद्ध के दौरान साहस, दूरदर्शिता और नेतृत्व का प्रदर्शन करके स्वतंत्रता प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खांडकर 1952 में तत्कालीन पाकिस्तानी वायु सेना में शामिल हुए थे और 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ मुक्ति युद्ध में शामिल होने से पहले एक लड़ाकू पायलट और प्रशिक्षक के रूप में सेवा की थी। इसके बाद के वर्षों में, उन्होंने भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त और ऑस्ट्रेलिया में राजदूत के रूप में कार्य किया। खांडकर पूर्वोत्तर में स्थित अपने गृह जिले पाबना से अवामी लीग के टिकट पर दो बार संसद के लिए चुने गए थे।

एपस्टीन से जुड़ी 16 फाइलें वेबसाइट से गायब, सच की परत खुलने से पहले हंगामा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में यौन अपराध के दोषी जेफरी एपस्टीन से जुड़े लंबे समय से बंद पड़े सरकारी दस्तावेजों कम से कम 16 ऐसी फाइलें फाइलें शनिवार तक अमेरिकी न्याय विभाग की वेबसाइट से गायब हो गईं। इसमें एक ऐसी भी फाइल शामिल थी, जिसमें ट्रंप की तस्वीरें थीं। दरअसल, अमेरिकी न्याय विभाग ने कांग्रेस द्वारा पारित एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट के तहत हजारों पेज के दस्तावेज और सैकड़ों फोटो जारी किए। इन एपस्टीन की जांच, फ्लाइट लॉग्स, फोटोग्राफ्स और अन्य रिकॉर्ड शामिल हैं।

कौन-कौन था तस्वीरों में : बताया जा रहा है कि गायब हुई ये फाइलें अमेरिका के न्याय विभाग की सार्वजनिक वेबसाइट पर शुक्रवार को अपलोड की गई थी, जिसे शनिवार तक आम लोगों के एक्सेस से हटा दिया गया। गायब हुई फाइलों में ऐसी तस्वीरें शामिल थी, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप, जेफरी एपस्टीन और गिस्लेन मैक्सवेल एक साथ नजर आ रहे थे। इसके अलावा गायब हुई तस्वीरों में नग्न महिलाओं की कलाकृतियों की तस्वीरें और फर्नीचर व दराजों में रखी कई तस्वीरों का एक कोलाज भी शामिल था। हालांकि, अमेरिका के न्याय विभाग ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि इन फाइलों को जानबूझकर हटाया गया है या किसी तकनीकी गलती के वजह से वेबसाइट पर नहीं दिख रही है।

क्या-क्या छुपाया जा रहा है : न्याय विभाग की वेबसाइट से फाइलें गायब होने के बाद से सोशल मीडिया पर अटकलों का दौर तेज हो गया है। अमेरिकी संसद की हाउस ओवरसाइट कमेटी के डेमोक्रेट सदस्यों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर ट्रंप की तस्वीर गायब होने को लेकर सवाल उठाया और पूछा, और क्या-क्या छुपाया जा रहा है? अमेरिकी जनता को पारदर्शिता चाहिए। हाल ही में सामने आई जानकारियों में से एक यह है कि न्याय विभाग ने 2000 के दशक में एपस्टीन के खिलाफ जांच बंद करने का फैसला किया था, जिसके कारण वह राज्य स्तर के उस आरोप में दोषी ठहराए जाने में सक्षम हो गया था, और एक पहले कभी न देखी गई 1996 की शिकायत जिसमें एपस्टीन पर बच्चों की तस्वीरें चुराने का आरोप लगाया गया था। अब तक जारी की गई तस्वीरों में न्यूयॉर्क शहर और अमेरिकी वर्जिन द्वीप समूह में एपस्टीन के घरों की तस्वीरें प्रमुखता से दिखाई गई हैं, साथ ही कुछ तस्वीरें मशहूर हस्तियों और राजनेताओं की भी हैं। पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की पहले कभी न देखी गई तस्वीरों की एक श्रृंखला सामने आई, लेकिन ट्रंप की तस्वीरें बहुत कम थीं।

अमेरिकी सेना की वेनेजुएला पर बड़ी कार्रवाई, समुद्र तट पर नाकाबंदी; एक और तेल टैंकर जब्त

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच जारी तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। ट्रंप लगातार वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर दबाव बढ़ा रहे हैं। अमेरिकी सैनिक लगातार वेनेजुएला के तट के पास कार्रवाई कर रहे हैं। अमेरिकी सैनिकों ने दो सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार वेनेजुएला के तट के पास एक तेल टैंकर को जब्त किया है। दरअसल, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर ट्रंप के बढ़ते दबाव के बीच शनिवार को अमेरिकी सैनिकों ने एक और टैंकर वेनेजुएला के तट के पास से जब्त किया है।

गृह मंत्री ने की पुष्टि : अमेरिकी की गृह मंत्री क्रिस्टी नोएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस कार्रवाई की पुष्टि की है। उन्होंने एक्स पर किए पोस्ट में लिखा कि संयुक्त राज्य अमेरिका प्रतिबंधित तेल की अवैध आवाजाही का पीछा करना जारी रखेगा जिसका उपयोग इस क्षेत्र में नाकों आतंकवाद को वित्त पोषित करने के लिए किया जाता है। यह कार्रवाई अमेरिकी तटरक्षक बल द्वारा पेंटागन के समर्थन से की गई थी और वह वेनेजुएला के तेल निर्यात को बाधित करने और मादुरो पर पद छोड़ने के लिए दबाव डालने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। अल जजीरा के सूत्रों से नाम न छापने की शर्त पर बात करने वाले तीन अधिकारियों ने ऑपरेशन के स्थान का खुलासा नहीं किया, लेकिन बताया कि तटरक्षक बल इस अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। दो अधिकारियों ने भी इस ऑपरेशन की पुष्टि की। एक अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई सहमत बोर्डिंग थी, जिसमें टैंकर स्वेच्छा से रुका और अमेरिकी सेना को उस पर चढ़ने की अनुमति दी। अल जजीरा के अनुसार, पिछले सप्ताह अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के तट पर एक प्रतिबंधित तेल टैंकर को जब्त किए जाने के बाद से प्रभावी रूप से एक प्रतिबंध लागू है।

उस्मान हादी की मौत के बाद ढाका विश्वविद्यालय ने बंगबंधु हॉल का बदला नाम, गृह मंत्रालय को 24 घंटे का अल्टीमेटम

ढाका, एजेंसी। इंकलाब मंच के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद से बांग्लादेश में भारी बवाल देखने को मिल रहा है। इस बीच ढाका विश्वविद्यालय ने बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान हॉल का नाम बदलकर शहीद शरीफ उस्मान हादी हॉल कर दिया है। दरअसल, इंकलाब मंच के प्रवक्ता और प्रमुख छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी का ढाका में गोली लगने के बाद सिंहापुर में इलाज चल रहा था। इस दौरान 18 दिसंबर 2025 को उसकी मौत हो गई। उसकी मौत के बाद से ही बांग्लादेश में भारी बवाल देखने को मिल रहा है। उस्मान हादी की मौत के बाद शुक्रवार को ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों और हॉल यूनियन के नेताओं ने शेख मुजीबुर रहमान हॉल की पुरानी नेमप्लेट को हटाकर उस पर नया नाम शहीद उस्मान हादी हॉल लिख दिया। बीडी न्यूज के अनुसार, उन्होंने हॉल के गेट पर बैनर भी लगाए। शनिवार को अधिकारियों ने पुराने साइनबोर्ड को हटा दिया, और इमारत से शेख मुजीबुर रहमान का नाम हटाने और दीवारों पर उनके द्वारा लिखे गए भित्तिचित्रों पर पेंट करने के लिए एक क्रेन का इस्तेमाल किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शनिवार देर रात के दौरान उनकी दो भित्तिचित्रों पर भी पेंट कर दिया गया। इस फैसले ने ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच विरोध और बहस छेड़ दी है, जिनमें से कुछ ने फेसबुक समूहों में अपने विचार व्यक्त किए हैं। बंगबंधु, एक सम्मानित उपाधि जिसका अर्थ है बंगाल का मित्र या बंगालियों का मित्र, बांग्लादेश के संस्थापक पिता और पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर रहमान को राष्ट्र को स्वतंत्रता दिलाने और बंगाली अधिकारों की पैरवी करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए प्रदान की गई थी। शनिवार को बांग्लादेश के ढाका विश्वविद्यालय परिसर में मारे गए इंकलाब मंचो के संयोजक शरीफ उस्मान हादी के अंतिम संस्कार की प्रार्थना संपन्न होने के बाद संगठन शाहबाग क्षेत्र की ओर बढ़ा और देश के गृह मंत्रालय को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए उस्मान हादी के हत्यारों की गिरफ्तारी की प्रगति पर रिपोर्ट की मांग की। अंत्येष्टि के बाद, मोनचो ने बांग्लादेश के गृह मामलों के सलाहकार, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल जहांगीर आलम चौधरी और गृह मंत्रालय में मुख्य सलाहकार के विशेष सहायक, खुदा बख्श चौधरी से हादी के हत्यारों की गिरफ्तारी की प्रगति पर एक रिपोर्ट प्रदान करने की मांग की और चेतावनी दी कि जवाब देने में विफल रहने पर उन्हें इस्तीफा देना होगा।

मुनीर के गले की फांस बनी अमेरिका की दोस्ती, गाजा में सेना भेजने का प्रेशर; अपने ही जाल में कैसे फंसा पाकिस्तान?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान इस समय अमेरिका से दोस्ती मजबूत करने की कोशिश में लगा हुआ है। इस बीच अमेरिका पाकिस्तान पर गाजा में शांति सेना भेजने का दबाव बना रहा है। जिसको लेकर असीम मुनीर मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। दरअसल, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गाजा शांति समझौते को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिससे पाकिस्तान में सत्ता हिल रही है। उन्होंने पाकिस्तान को गाजा स्टेबिलाइजेशन फोर्स में शामिल होने की पेशकश या विचार करने के लिए आभार जताया। मार्को रुबियो ने कहा कि हम पाकिस्तान के बहुत आभारी हैं कि उन्होंने इसका हिस्सा बनने का प्रस्ताव दिया है या कम से कम इसका हिस्सा बनने पर विचार करने को कहा है। बता दें कि मार्को रुबियो ट्रंप के गाजा पीस प्लान के तहत पाकिस्तानी सेना को गाजा भेजने की बात कर रहे थे। लेकिन पाकिस्तानी सेना इस मुद्दे पर बंटी हुई दिखाई दे रही है। फील्ड मार्शल असीम मुनीर के खिलाफ पाकिस्तान के लोग सड़कों पर उतर आए। राजनीतिक दलों और खासकर मुनीर को इतना ताकतवर बनाने वाली सरकार भी इससे सहमत नहीं है। ऐसे में असीम मुनीर मुश्किल में घिरते नजर आ रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बयान के बाद पाकिस्तान में ऐसी खबरें फैलने लगीं कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर निकट भविष्य में वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने वाले हैं। इसके बाद से पाकिस्तान की जनता, मीडिया, सेना, सरकार और अन्य राजनीतिक दल इसका विरोध कर रहे हैं।

हमारा काम नहीं... बढ़ता विवाद देख शनिवार को पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा कि पाकिस्तान को सैन्यकर्मी भेजने के लिए नहीं कहा गया है और न ही देश ने अभी तक कोई निर्णय लिया है। इससे पहले, विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा था कि जब तक आईएसएफ के कार्यक्षेत्र स्पष्ट नहीं हो जाते, पाकिस्तान कोई निर्णय नहीं ले सकता और साथ ही यह भी कहा था कि हमास को निरस्त्र करना हमारा काम नहीं है।

मुस्लिम देश को फिलिस्तीनी समूहों से नहीं लड़ना चाहिए : पाकिस्तानियों की मानें तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की योजना मुस्लिम देशों को हमास और अन्य प्रतिरोधक समूहों के साथ टकराव के रास्ते पर धकेलने का है। पाकिस्तानी अखबार द डॉन ने अपने संपादकीय में लिखा है, अमेरिका वह करने की कोशिश कर रहा है, जो इजरायल करने में विफल रहा। हमारा मानना है कि किसी भी मुस्लिम देश को फिलिस्तीनी समूहों से नहीं लड़ना चाहिए। शायद गाजा योजना के इसी अप्रिय पहलू के कारण कई देशों ने सेना भेजने से इनकार कर दिया है। संपादकीय में लिखा है कि इजरायल पर भरोसा नहीं किया जा सकता, और उसने पहले ही संकेत दे दिया है कि वह कब्जे वाले गाजा के महत्वपूर्ण हिस्सों में बने रहने का इरादा रखता है। इसलिए मुस्लिम और अरब देशों को कब्जे को जारी रखने की अमेरिकी-इजरायली योजना में भागीदार नहीं बनना चाहिए।

मुश्किल में फंसे मुनीर : एक तरफ जहां अमेरिका पाकिस्तान के असीम मुनीर पर गाजा में अपनी सेना भेजने का दबाव बना रहा है, वहीं दूसरी ओर यह फैसला असीम मुनीर को मुश्किलों में घेर रहा है। गौरतलब है कि असीम मुनीर ने पाकिस्तान में सत्ता पर खुद को मजबूत करने के लिए उन्होंने अमेरिका से ज्यादा ही नजदीकी बढ़ा ली है। इससे चीन भी नाराज चल रहा है, लेकिन अब वो अगर पाकिस्तानी सेना को गाजा नहीं भेजते हैं तो ट्रंप भी नाराज हो जाएंगे। ऐसे में एक तरफ जहां अमेरिका पाकिस्तान के असीम मुनीर पर गाजा में अपनी सेना भेजने का दबाव बना रहा है, वहीं दूसरी ओर यह फैसला असीम मुनीर को मुश्किलों में घेर रहा है। अगर मुनीर अमेरिका की बातों में आते हैं तो जनता के आक्रोश के साथ पाकिस्तानी सेना में भी विद्रोह की संभावना है।

योगी सरकार ने शीतकालीन सत्र में अनुपूरक बजट पेश किया

लखनऊ (एजेंसी)। योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में दोनों सदनों में अनुपूरक बजट पेश किया। अनुपूरक बजट में विकासपरक क्षेत्रों को प्राथमिकता मिली है। योगी सरकार ने कैबिनेट से पास कराने के बाद वित्तीय वर्ष 2025-26 का पहला अनुपूरक बजट पेश किया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में बजट प्रस्तुत किया, जिसका कुल आकार 24,496.98 करोड़ रुपये है। यह मूल बजट (आठ लाख, आठ हजार करोड़ रुपये) का करीब 3.03 प्रतिशत है। अनुपूरक बजट को कैबिनेट से पास कराने के बाद दोपहर में सदन में पेश किया। अगले वर्ष होने वाले पंचायत चुनाव के मद्देनजर अनुपूरक बजट में सरकार ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं के लिए धनराशि दी है। एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के कार्यों के लिए भी धनराशि के साथ लोक निर्माण विभाग को भी सड़क परियोजनाओं के लिए राशि प्रदान की। ग्राम्य विकास, धर्मार्थ कार्य व पर्यटन स्थलों के विकास के लिए भी सरकार अनुपूरक बजट में धनराशि दी है। इस अनुपूरक बजट का मुख्य उद्देश्य मौजूदा योजनाओं में अपर्याप्त प्रावधानों को पूरा करना, नई आवश्यकताओं को पूरा करना और विकास कार्यों को बिना रुकावट के आगे बढ़ाना है। इसमें राजस्व व्यय के लिए 18,369.30 करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय के लिए 6,127.68 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

साइबर ठगों ने वाहन चालान के नाम पर लगाया 2.37 लाख का चूना

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। साइबर फ्रॉड गिरोह के शातिर बदमाशों ने बलतपुरपट्टी निवासी सुजीत कुमार के खाते में सेंध लगा दी। साइबर ठगों ने वाहन चालान के नाम एक संदिग्ध एपीके फाइल भेजा। इस पर क्लिक कर मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद शातिरों ने उनके फ्लिपकार्ट अकाउंट और क्रेडिट कार्ड का उपयोग कर करीब 2.37 लाख की ऑनलाइन शापिंग कर डाली। पीड़ित के अनुसार, उनके मोबाइल पर वाहन चालान कटने का एक संदेश आया था। संदेश के साथ एक लिंक दिया गया था, इसे आधिकारिक समझकर जैसे ही उन्होंने क्लिक किया, मोबाइल काम करना बंद कर दिया। मोबाइल हैक करने के बाद शातिरों ने क्रेडिट कार्डों का विवरण हासिल कर खरीदारी शुरू कर दी। क्रेडिट कार्ड से 1 लाख 36 हजार 248 और 70 हजार 298 रुपये की दो बार में शॉपिंग की। इसके बाद दूसरे क्रेडिट कार्ड से 30 हजार 286 की शॉपिंग की। तीसरे क्रेडिट कार्ड से 70 हजार 298 की शॉपिंग की गई। ऑर्डर कैंसिल होने के कारण यह राशि वापस आ गई। 2.37 लाख रुपये ठगी के बाद पीड़ित ने साइबर थाने में प्राथमिकी कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ट्रांजेक्शन डिटेल्स के जरिए शातिरों तक पहुंचने की कोशिश में जुटी है।

गणतंत्र दिवस समारोह के चलते सुरक्षाबलों ने चलाया स्टेडियम के पास तलाशी अभियान

जम्मू (एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने बख्शी स्टेडियम के आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। बख्शी स्टेडियम कश्मीर में गणतंत्र दिवस समारोह का मुख्य आयोजन स्थल है। अमीराकदल और महाराजा बाजार के घनी आबादी वाले व्यावसायिक क्षेत्रों की कुछ आवासीय इकाइयों में विस्फोटक, हथियार और गोला-बारूद की तलाश के लिए खोजी कुत्तों और मेटल डिटेक्टर की मदद ली गई है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया कि अब तक सुरक्षा बलों को तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि तोड़फोड़ विरोधी जांच और तलाशी अभियान बख्शी स्टेडियम के पास स्थित क्षेत्रों में चलाए गए जो कश्मीर में गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस समारोह का मुख्य स्थल है। लाल चौक स्थित ऐतिहासिक क्लॉक टावर अमीराकदल से कुछ ही दूरी पर स्थित है जहां तलाशी अभियान चलाया। क्लॉक टावर पिछले चार सालों में एक पर्यटन केंद्र में बदल गया है।

भारतीय नौसेना की जासूसी करने के मामले में तीसरा आरोपी भी पकड़ाया

बेंगलुरु (एजेंसी)। उडुपी पुलिस ने मालपे कोचीन शिपयार्ड से जुड़े कर्मचारियों ने भारतीय नौसेना से संबंधित संवेदनशील जानकारी लीक करने के मामले में तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि तीसरे आरोपी की पहचान गुजरात के आणंद जिले के कैलाश नगरी निवासी भरत कुमार खदयाट के पुत्र हिरेंद्र कुमार (34) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों पर अवैध वित्तीय लाभ के बदले नौसेना संचालन और प्रतिष्ठानों से संबंधित गोपनीय जानकारी को पाकिस्तान स्थित अपने संचालकों को भेजने का शक है। इससे पहले 21 नवंबर को पुलिस ने इस मामले में यूपी के रहने वाले रोहित और सत्री को गिरफ्तार किया था। तीनों आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस इनसे पूछताछ कर जानकारी हासिल करेगी कि इन्होंने संवेदनशील जानकारी किसको पहुंचाई।

यूक्रेनी सेना की कैद में भारतीय छात्र... मां को भेजा वीडियो संदेश, पीएम मोदी से मदद की गुहार

अहमदाबाद (एजेंसी)। यूक्रेनी सेना की कैद से गुजरात के एक छात्र साहिल मोहम्मद हुसैन ने वीडियो संदेश भेजा है। इसमें भारतीय युवाओं से किसी भी परिस्थिति में रूसी सेना में शामिल न होने की अपील की गई है। भारतीय छात्र हुसैन का आरोप है कि रूस में एक झूठे ड्रग्स मामले में फंसाकर ब्लैकमेल किया और जबरन रूसी सेना में शामिल होने के लिए मजबूर किया। हुसैन को यूक्रेन में अभी कहां रखा गया है इसकी कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। यूक्रेनी सुरक्षा बलों ने हुसैन के वीडियो गुजरात में उसकी मां को भेजा। इसके बाद मां ने बेटे की सुरक्षित वापसी के लिए दिल्ली की अदालत में याचिका दायर की है। इस मामले की अगली सुनवाई फरवरी में होगी। वीडियो में हुसैन कह रहा है कि मैं 2024 में पढ़ाई के लिए रूस आया था। लेकिन आर्थिक और वीजा संबंधी समस्याओं के कारण मैं कुछ रूसियों के संपर्क में आया, जो बाद में नशीले पदार्थों के धंधे से जुड़े निकले। रूस में कम से कम 700 लोगों को ड्रग्स के आरोप में जेल में डाला गया। लेकिन जेल प्रशासन ने सिर्फ मुझे ही ऑफर दिया कि अगर मैं रूसी सेना में शामिल होता हूं, तब ड्रग्स केस वापस ले लिया जाएगा। मैंने उनकी बात मानकर 15 दिनों के प्रशिक्षण के बाद सीधे युद्ध के मोर्चे पर भेज दिया गया। मोर्चे पर पहुंचते ही मैंने सबसे पहले यूक्रेनी सेना के सामने आत्मसमर्पण किया। अब मैं उनके कब्जे में हूं। लेकिन रूस आने वाले युवाओं के लिए मेरा संदेश है, 'सावधान रहें'। यहां बहुत से ठग हैं जो आपको झूठे ड्रग्स केस में फंसा सकते हैं। मैं भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करता हूं, कृपया मेरी मदद करें। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हाल ही में भारत आए थे। मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि मेरी सुरक्षित घर वापसी के लिए पुतिन से बात करें।

हिमाचल में बदला मौसम: ऊंची चोटियों पर बर्फबारी, मैदानी इलाकों में घने कोहरे ने घेरा

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मौसम में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है, जिससे समूचा प्रदेश कड़ाके की ठंड की चपेट में आ गया है। रविवार को राज्य के ऊंचाई वाले इलाकों, विशेष रूप से रोहतांग दर्रा, अटल टनल के आसपास के क्षेत्रों और शिंकुला दर्रा पर हल्की बर्फबारी दर्ज की गई। इस ताजा हिमपात ने जहां पहाड़ों पर चांदी जैसी सफेदी बिखेर दी है, वहीं निचले इलाकों में भी मौसम काफी खराब बना हुआ है। पर्यटन नगरी मनाली, कुल्लू और राजधानी शिमला सहित कई स्थानों पर दिन भर बादलों का डेरा रहा, जिससे धूप की तपिश कम हो गई और ठिठुरन बढ़ गई। मैदानी जिलों जैसे बिलासपुर और ऊना में घने कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम रही, जबकि मंडी जिले के कुछ हिस्सों में भी धुंध का असर देखा गया। राज्य के कम से कम 25 प्रमुख शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर चुका है।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने आगामी दिनों के लिए चेतावनी जारी करते हुए बताया है कि प्रदेश में मौसम और बिगड़ने की संभावना है। 22 दिसंबर को किन्नौर और लाहौल-स्पीति जिलों के कुछ स्थानों पर मध्यम से तेज बर्फीली हवाएं चलने का अनुमान है, जिसके लिए विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही चंबा, लाहौल-स्पीति और किन्नौर के कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है। कांगड़ा, मंडी, शिमला और कुल्लू जैसे मध्य पहाड़ी जिलों में भी एक-दो स्थानों पर फुहारें पड़ने या हल्का हिमपात होने की उम्मीद है। मैदानी क्षेत्रों, विशेषकर भाखड़ा बांध के समीपवर्ती इलाकों और मंडी की बल्ह घाटी में 25 दिसंबर तक सुबह और देर रात के समय घना कोहरा छाए रहने की भविष्यवाणी की गई है, जो यातायात के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

तापमान के आंकड़ों पर नजर डालें तो लाहौल-स्पीति का कुकुमसेरी प्रदेश में सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे -2.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। ताबो में पारा 1.1 डिग्री रहा, जबकि कल्पा में 3.4 और सोलन में 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी शिमला में न्यूनतम तापमान 11.0 डिग्री सेल्सियस रहा, जो ऊंचाई के हिसाब से अन्य क्षेत्रों की तुलना में थोड़ा अधिक है। सुंदरनगर, ऊना, नाहन और हमीरपुर जैसे इलाकों में भी न्यूनतम तापमान 5 से 8 डिग्री के बीच बना हुआ है। आगामी 3 से 4 दिनों में राज्य भर के न्यूनतम और अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है।

दिन के तापमान की बात करें तो सोलन में अधिकतम पारा 23.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सर्वाधिक रहा। शिमला में अधिकतम तापमान 17.3 डिग्री, जबकि मनाली में 15.2 और कुफरी में 14.1 डिग्री सेल्सियस रहा। जनजातीय क्षेत्रों जैसे ताबो और कुकुमसेरी में दिन का तापमान भी 11 डिग्री के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 27 दिसंबर तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम मुख्यतः साफ रहेगा, लेकिन इस दौरान न्यूनतम तापमान में गिरावट जारी रहने से सुबह और शाम की ठंड और अधिक कष्टदायक हो सकती है। ऊंची पहाड़ियों पर तापमान गिरने से प्राकृतिक जल स्रोतों के जमने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

मुंबई जा रहा एयर इंडिया के विमान में आई तकनीकी गड़बड़ी, वापस दिल्ली की लैंडिंग

नई दिल्ली। दिल्ली से मुंबई जा रही एयर इंडिया की उड़ान में तकनीकी समस्या आने के बाद विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर वापस लैंडिंग करानी पड़ी। उड़ान ने सोमवार को दिल्ली से टेक-ऑफ किया था, लेकिन कुछ ही देर बाद तकनीकी गड़बड़ी के संकेत मिलने पर फ्लाइट क्रू ने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के तहत एहतियातन वापस लौटने का फैसला लिया। जानकारी के मुताबिक विमान सुरक्षित रूप से दिल्ली

एयरपोर्ट पर उतार लिया गया और सभी यात्री व क्रू मेंबर सुरक्षित बाहर निकाले गए। यात्रियों को हुई इस असुविधा के लिए एयर इंडिया ने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि स्थिति पूरी तरह अप्रत्याशित थी, लेकिन यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विमान की वापस लैंडिंग के बाद तकनीकी जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इंजीनियरिंग टीम विमान का निरीक्षण में जुट गई है। विमान की लैंडिंग के बाद ग्राउंड स्टाफ ने दिल्ली में यात्रियों की तत्काल मदद पहुंचाई। साथ ही, यात्रियों को मुंबई भेजने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। विमान की लैंडिंग को लेकर एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के तहत 22 दिसंबर को दिल्ली से मुंबई जाने वाली फ्लाइट एआई887 के क्रू ने तकनीकी गड़बड़ी के कारण टेक-ऑफ के तुरंत बाद दिल्ली लौटने का फैसला किया। दिल्ली में विमान सुरक्षित लैंड कर गया है। सभी यात्री और क्रू को विमान से उतार लिया गया। प्रवक्ता ने कहा कि एयर इंडिया इस अप्रत्याशित स्थिति के कारण हुई असुविधा के लिए माफी मांगती है। विमान की जरूरी जांच की जा रही है। दिल्ली में हमारी ग्राउंड टीम यात्रियों को तुरंत मदद दे रही है और उन्हें जल्द ही उनके डेस्टिनेशन तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए गए हैं। एयर इंडिया में हमारे यात्रियों और क्रू की सुरक्षा और भलाई हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

मनरेगा के मुद्दे पर हमलावर अखिलेश यादव... केंद्र सरकार ने करोड़ों जाब कोर्ड को रद्द किया

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव द्वारा मनरेगा के मुद्दे पर केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ जमकर हमला किया है। उनके आरोपों का मुख्य केंद्र करोड़ों जॉब कार्डों का रद्द होना और केंद्र द्वारा पेश किए गए नए वित्तीय बदलाव है।

अखिलेश यादव ने दावा किया कि कई राज्यों में लाखों मनरेगा कार्ड रद्द कर दिए गए हैं। उनके अनुसार, यह सरकार की गरीब विरोधी मानसिकता को दिखाता है। उनके द्वारा दिए गए आंकड़े इस प्रकार हैं- बिहार 1.04 करोड़, उत्तर प्रदेश 90.4 लाख, ओडिशा 41.6 लाख, मध्य प्रदेश 32.7 लाख, पश्चिम बंगाल 24.2 लाख, राजस्थान 10.5 लाख मनरेगा कार्ड रद्द कर दिए गए हैं।

हाल ही में सदन में पास हुए बिल वीबी-जी राम जी विधेयक की कड़ी आलोचना करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि केंद्र और राज्यों के बीच 60:40 का प्रस्तावित बंटवारा राज्य सरकारों पर भारी वित्तीय बोझ डालेगा। उनका मानना है कि इस बदलाव से केंद्र और राज्यों के बीच विवाद बढ़ेगा और फंड मिलने में देरी होगी, जिससे अंततः गरीब मजदूरों को नुकसान होगा। सपा प्रमुख ने केंद्र सरकार की नीतियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा के शासन में सकारात्मक चीजें (जैसे रोजगार और योजना का लाभ) घट रही हैं, जबकि नकारात्मक चीजें (महंगाई, भ्रष्टाचार और नफरत) बेलगाम बढ़ रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश जैसी सरकारें अपने आंकड़ों में हेराफेरी कर रही हैं ताकि अपनी विफलताओं को छिपा सकें। यह विवाद मुख्य रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ मनरेगा के भविष्य और उसकी फंडिंग को लेकर है। विपक्ष इसे गरीबों के अधिकारों पर हमला बता रहा है, जबकि प्रशासनिक दृष्टिकोण से अक्सर डुप्लीकेट कार्डों या आधार लिंकिंग न होने के कारण कार्ड रद्द किए जाते हैं।

पश्चिम बंगाल की सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी हुमायूं कबीर की पार्टी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में एक नया राजनीतिक तूफान आने वाला है। बाबरी मस्जिद की नींव रखने वाले पूर्व विधायक हुमायूं कबीर नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा करने जा रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस ने 4 दिसंबर को उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था। कबीर ने स्पष्ट किया कि उनकी नई पार्टी 2026 के विधानसभा चुनाव में राज्य की 182 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जरूरत पड़ने पर वे पूरे राज्य की सभी 294 सीटों पर उम्मीदवार उतार सकते हैं।

कबीर ने कहा कि उनकी पार्टी का चुनाव चिन्ह टेबल, गुलाब या नारियल का पेड़ में से कोई एक हो सकता है। उन्होंने बताया कि टेबल उनकी पहली पसंद है, लेकिन अंतिम फैसला चुनाव आयोग पर निर्भर करेगा। पार्टी का नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन कबीर ने जोर देकर कहा कि इसमें कांग्रेस या तृणमूल जैसे शब्द नहीं होंगे। उन्होंने कहा, पार्टी का नाम जो भी हो, बंगाल की जनता खुद को उससे जोड़कर देख सकेगी। हमारी पार्टी जनता का प्रतिनिधित्व करेगी और सिर्फ विकास की बात करेगी। कबीर ने अपनी रणनीति के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले की 30 विधानसभा सीटों पर विशेष फोकस किया है। उन्होंने कहा कि वे मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के साथ तीन सीटें, भारतीय सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के साथ एक सीट और अधीर रंजन चौधरी के नेतृत्व वाली कांग्रेस के साथ नौ सीटें साझा करने का प्रस्ताव रखेंगे। अगर ये दल सहमत नहीं हुए तो उनकी पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी और मुर्शिदाबाद की सभी 30 सीटें जीतने का दावा किया।

उन्होंने कहा, हम मुर्शिदाबाद के लिए नया इतिहास रचेंगे, जहां 2026 के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस का सफाया हो जाएगा। रविवार को उन्होंने घोषणा की कि 22 दिसंबर को नई पार्टी का औपचारिक ऐलान होगा। उसी दिन 75 सदस्यों वाली राज्य समिति की घोषणा की जाएगी, जिसमें मुर्शिदाबाद जिला अध्यक्ष भी शामिल होंगे। इसके बाद वे गठबंधन की संभावनाओं पर फैसला लेंगे। कबीर ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य में अगली सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। वे

दावा करते हैं कि उनकी पार्टी बंगाल की जनता के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है और विकास, एकता तथा सामाजिक न्याय पर आधारित एजेंडा लेकर आगे बढ़ेगी। यह नई पार्टी का उदय पश्चिम बंगाल की राजनीति में नए समीकरण बना सकता है, खासकर 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले।

आरएसएस भाजपा की राजनीतिक ढाल, आप सांसद संजय सिंह का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने भाजपा और आरएसएस के बीच के वैचारिक और संगठनात्मक संबंधों पर एक तीखा हमला किया है। आप सांसद ने आरएसएस की निष्पक्षता पर सवाल उठाकर इस भाजपा की राजनीतिक ढाल करार दिया है। आप सांसद सिंह का तर्क है कि दोनों संगठन एक-दूसरे के पूरक हैं। भाजपा के सदस्य गर्व से खुद को स्वयंसेवक बताते हैं और आरएसएस ने ही भाजपा की नींव रखी है। उनका आरोप है कि भाजपा द्वारा विपक्षी पार्टियों को तोड़ने, भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग जैसे गंभीर मुद्दों पर संघ ने हमेशा चुप्पी साधी रखी है। आप नेता के अनुसार, आरएसएस केवल एक सांस्कृतिक संगठन नहीं है, बल्कि वह जमीन पर भाजपा के लिए चुनावी मशीनरी की तरह काम करता है। इसके विपरीत, मोहन भागवत ने कोलकाता में संघ की एक स्वतंत्र पहचान पर जोर दिया। भागवत का कहना है कि संघ को भाजपा के चश्मे से देखना एक बड़ी गलती है। उनके अनुसार, आरएसएस को अन्य राजनीतिक या सेवा संगठनों के साथ तुलना करके नहीं समझा जा सकता। इसकी कार्यप्रणाली और उद्देश्य राजनीति से परे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो लोग संघ को केवल भाजपा का विस्तार मानते हैं, वे संगठन की व्यापकता और उसके 100 साल के इतिहास को समझने में विफल रहे हैं। यह वाक्युद्ध उस समय में हो रहा है जब विपक्ष लगातार यह नैरेटिव बनाने की कोशिश कर रहा है कि संवैधानिक संस्थाओं और सांस्कृतिक संगठनों पर एक विशेष विचारधारा का प्रभुत्व बढ़ रहा है।

भागवत के बयान पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश का पलटवार... गृहमंत्री पटेल ने गुरु गोलवलकर से क्या कहा था?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और महासचिव जयराम रमेश ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान की निंदा की, जिसमें उन्होंने आरएसएस के गठन के कारण और सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा दिए गए निर्देशों पर सवाल उठाया था। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था। देश के पहले गृहमंत्री पटेल ने गुरु गोलवलकर से क्या कहा था? आप एक गुप्त संगठन हैं। एक संस्था बनिए। पारदर्शिता लाइए। गुप्त रूप से काम मत कीजिए। यह सरदार पटेल का आरएसएस को लिखा पत्र है।

कांग्रेस नेता रमेश ने आरएसएस की इस बात पर आलोचना की कि संगठन ने 50 वर्षों से अधिक समय तक अपने नागपुर मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया, ध्वज संहिता में बदलाव के बाद ही 2002 में फिर से शुरू किया। इसके अलावा, रमेश ने संघ की विचारधारा पर सवाल उठाकर 26 नवंबर, 1949 को भारत के संविधान को अपनाने के कुछ दिनों बाद रामलीला मैदान में अंबेडकर, सरदार पटेल, जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी के पुतले जलाने की घटना का जिक्र किया। उन्होंने पूछा, किस विचारधारा ने ऐसा माहौल बनाया, जिसके कारण महात्मा गांधी की हत्या हुई?

उन्होंने पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसद और कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश का जिक्र किया, जिनसे जब पूछा गया कि गांधी या गोडसे? तब उन्होंने कहा, मुझे सोचना पड़ेगा, फिर भी उन्हें टिकट मिला और जिताया गया। उन्होंने कहा कि इसतरह के लोग राष्ट्रवाद के प्रमाण पत्र बांटने में व्यस्त हैं। उनकी ये टिप्पणियां आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि आरएसएस एक कट्टर राष्ट्रवादी संगठन है।

कोलकाता में आरएसएस 100 व्याख्यान माला कार्यक्रम को संबोधित कर संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि संघ हमेशा से यह तर्क देता आया है कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है, क्योंकि यहां की संस्कृति और बहुसंख्यक लोगों का हिंदू धर्म से जुड़ाव है। हालांकि, धर्मनिरपेक्ष शब्द मूल रूप से संविधान की प्रस्तावना का हिस्सा नहीं था, लेकिन इस तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लागू आपातकाल के दौरान संविधान (42वां संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा समाजवादी शब्द के साथ जोड़ा गया था।

जांच हुई तेज- मुख्यमंत्री नीतीश को धमकी देने वाला पाकिस्तानी गैंगस्टर भट्टी पुलिस की रडार पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सोशल मीडिया के जरिए धमकी देने वाले पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के खिलाफ पटना पुलिस ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। एक मिनट का वीडियो जारी कर मुख्यमंत्री को सीधे तौर पर धमकाने वाले इस गैंगस्टर की तलाश के लिए पुलिस अब तकनीकी साक्ष्यों का सहारा ले रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि शहजाद भट्टी वर्तमान में कहां छिपा है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उसकी सक्रियता का क्या स्वरूप है।

इस गंभीर मामले की जांच के लिए पटना पुलिस ने फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी को आधिकारिक ई-मेल भेजकर विस्तृत जानकारी मांगी है। पुलिस ने विशेष रूप से यह पूछा है कि गैंगस्टर ने यह विवादित वीडियो पाकिस्तान के किस शहर या स्थान से अपलोड किया था। सोशल मीडिया कंपनियों से उस अकाउंट का आईपी एड्रेस और लॉगिन हिस्ट्री भी मांगी गई है, ताकि उसकी सटीक लोकेशन का पता लगाया जा सके। साइबर थाने में इस संबंध में पहले ही प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है और पुलिस को अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जवाब का इंतजार है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी कमान पटना के आईजी जितेंद्र राणा खुद संभाल रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जैसे ही तकनीकी रिपोर्ट प्राप्त होगी, जांच के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। यह पूरा विवाद हाल ही में मुख्यमंत्री सचिवालय में आयोजित एक कार्यक्रम से शुरू हुआ, जहां आयुष चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे थे। इस कार्यक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ था, जिसमें एक महिला चिकित्सक नुसरत परवीन के हिजाब को लेकर मुख्यमंत्री की टिप्पणी पर विवाद खड़ा हो गया था। इसी घटना को आधार बनाकर पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने वीडियो संदेश जारी किया। उसने मुख्यमंत्री को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की धमकी देते हुए कहा कि एक उच्च पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा महिला के साथ ऐसा व्यवहार करना निंदनीय है। गैंगस्टर ने अपने संदेश में चेतावनी दी थी कि यदि मुख्यमंत्री ने माफी नहीं मांगी, तो इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। फिलहाल पुलिस इस अंतरराष्ट्रीय धमकी के पीछे के नेटवर्क को खंगालने में जुटी है।

हसीना बोलीं- यूनुस ने हिंसा की आग में झौंक दिया बांग्लादेश, ऐसे तो नामोनिशान मिट जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से जारी हिंसा और विरोध प्रदर्शनों के बाद सड़कों पर शांति भले ही लौटती दिख रही हो, लेकिन राजनीतिक गलियारों में कड़वाहट और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चरम पर है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश की वर्तमान अंतरिम सरकार और उसके मुखिया मोहम्मद यूनुस पर सीधा प्रहार किया है। भारत में प्रवास के दौरान दिए गए अपने एक विस्तृत साक्षात्कार में उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि बांग्लादेश में व्याप्त अराजकता और अस्थिरता के लिए पूरी तरह से मोहम्मद यूनुस जिम्मेदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी सरकार को गिराने के लिए जिस कानूनहीनता का सहारा लिया गया था, वह अब यूनुस प्रशासन के तहत कई गुना बढ़ चुकी है।

भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ते राजनयिक तनाव पर चिंता व्यक्त करते हुए शेख हसीना ने कहा कि रिश्तों में आई यह खटास वर्तमान अंतरिम सरकार की नीतियों का परिणाम है। उनके अनुसार, यूनुस प्रशासन लगातार भारत विरोधी बयानबाजी कर रहा है और देश के भीतर धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने चरमपंथी तत्वों को विदेश नीति तय करने की खुली छूट दे दी है, जिससे पड़ोसी देशों के साथ दशकों पुराने भरोसेमंद रिश्तों पर बुरा असर पड़ा है। अवामी लीग की नेता ने हाल ही में एक हिंदू युवक की नृशंस हत्या का उदाहरण देते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा देश की सांप्रदायिक सद्भावना को नष्ट कर रही है।

शेख हसीना ने भारत को बांग्लादेश का सबसे पुराना और विश्वसनीय साझेदार बताते हुए विश्वास जताया कि दोनों देशों के बीच के ऐतिहासिक संबंध किसी भी अस्थायी सरकार के कार्यकाल से कहीं अधिक मजबूत और गहरे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि जब बांग्लादेश में पुनः कानून का राज स्थापित होगा, तब दोनों देश एक बार फिर उसी समझदारी और सहयोग की ओर लौटेंगे, जिसे उनकी सरकार ने पिछले 15 वर्षों में सींचा था। अपने विरुद्ध चल रहे कानूनी मुकदमों और ट्रिब्यूनल के फैसलों पर उन्होंने कहा कि ये तमाम कार्रवाइयां न्याय के लिए नहीं, बल्कि उन्हें राजनीतिक रूप से समाप्त करने की एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने शिकायत की कि उन्हें अपना पक्ष रखने या अपनी पसंद का वकील चुनने का उचित अवसर तक नहीं दिया गया।

आगामी चुनावों की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए शेख हसीना ने चेतावनी दी कि अवामी लीग की भागीदारी के बिना होने वाला कोई भी चुनाव लोकतांत्रिक निर्वाचन नहीं, बल्कि केवल एक ताजपोशी बनकर रह जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी को जनता ने नौ बार जनादेश दिया है, उसे प्रतिबंधित करने की कोशिश लाखों नागरिकों को उनके मताधिकार से वंचित करने जैसा है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि मतदाताओं को उनकी पसंदीदा पार्टी को वोट देने का मौका नहीं मिला, तो वे चुनाव प्रक्रिया का बहिष्कार करेंगे, जिससे नई सरकार की नैतिक वैधता समाप्त हो जाएगी।

अंत में, अपने प्रत्यर्पण की मांगों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने इसे दिशाहीन प्रशासन की हताशा बताया। शेख हसीना ने कठिन समय में शरण और सम्मान देने के लिए भारत सरकार और यहां के सभी राजनीतिक दलों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने अपना देश

केवल इसलिए छोड़ा ताकि और अधिक निर्दोष लोगों का खून न बहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह न्याय का सामना करने से नहीं डरतीं और उचित समय आने पर वे देश की लोकतांत्रिक बहाली के लिए अपनी भूमिका निभाएंगी।